रांची, गुरुवार । 02 जुलाई 2026 । वर्ष-27, अंक-150, पृष्ठ-12 । www.rastriyanaveenmail.com
आषाढ़ कृष्ण पक्ष 02, संवत 2083 । रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/00155

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

रांची	कांके
अधिक. 28.4°	अधिक. 30.0°
न्यून. 22.3°	न्यून. 24.0°

बड़ी उपलब्धि : रांची में 26 जुलाई से 16 अगस्त 2026 तक खेले जाएंगे मैच

झारखंड पहली बार करेगा डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के खेल इतिहास में पहली बार डूरंड कप का आयोजन राज्य में होने वाला है। राज्य को पहली बार इस प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिला है। डूरंड कप के 135वें संस्करण का आयोजन 26 जुलाई 2026 से राजधानी रांची में होने जा रहा है। यह झारखंड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत 25 जुलाई 2026 से होगी, जबकि रांची में मुकाबले 26 जुलाई से 16 अगस्त तक खेले जाएंगे। सभी मैच बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित होंगे। यहां लीग चरण के कई मुकाबलों के साथ एक क्वार्टर फाइनल मैच भी खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 23 अगस्त 2026 को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा।

रांची में होने वाले मैचों में इंडियन सुपर लीग की मजबूत टीम जमशेदपुर एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के अलावा भारतीय वायुसेना फुटबॉल टीम भी मैदान में उतरेगी। खास बात यह है कि श्रीलंका सशस्त्र बलों की टीम डिफेंडर्स एफसी पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रही है। इस बार डूरंड कप में कुल 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें मोहन बागान सुपर जाइंट, ईस्ट बंगाल एफसी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी जैसी मशहूर टीमें शामिल हैं। इसके मुकाबले देश के पांच शहरों - कोलकाता, रांची, इंफाल, शिलांग और गुवाहाटी - में खेले जाएंगे। रांची को मेजबान बनाना टूर्नामेंट के विस्तार और झारखंड में फुटबॉल को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। रांची में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और फुटबॉल के प्रति युवाओं का रुझान भी बढ़ेगा।

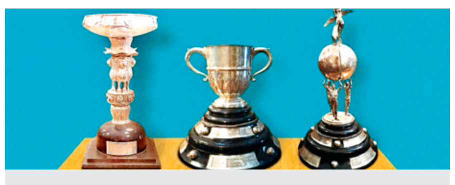

- **रांची में लीग चरण के कई मुकाबलों के साथ एक क्वार्टर फाइनल मैच भी होगा**
- **23 अगस्त को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होगा फाइनल**
- **रांची, कोलकाता, इंफाल, शिलांग और गुवाहाटी में होंगे टूर्नामेंट के सभी मैच**

डूरंड कप दुनिया का तीसरा व एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है

डूरंड कप भारत का एक प्रमुख वार्षिक घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट है। साथ ही, यह दुनिया का तीसरा और एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है। यह प्रतियोगिता देश के उभरते फुटबॉल खिलाड़ियों को बड़ा मंच देने के लिए जानी जाती है। डूरंड कप की शुरुआत वर्ष 1888 में शिमला में हुई थी। इसे सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड ने शुरू किया था। इसका आयोजन डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसायटी और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ भारतीय सशस्त्र बलों के सहयोग से करता है। यह एकमात्र ऐसा टूर्नामेंट है, जिसमें विजेता टीम को तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां (द मास्टर पीस, शिमला ट्रॉफी और द प्रेसिडेंट कप) प्रदान की जाती हैं।

दृष्टिपात

वकारिब जमशेदपुर के एसएसपी बने, मनोज सरायकेला के एसपी

रांची। राज्य सरकार ने पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने वर्ष 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी एहतेशाम वकारिब को जमशेदपुर का नया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नियुक्त किया है। वहीं, धनबाद के झारखंड सशस्त्र पुलिस-3 गोविंदपुर के कमांडेंट वर्ष 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज स्वर्गियारी को सरायकेला-खरसावां जिले का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) बनाया गया है।

झारखंड के पांच जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी

रांची। झारखंड में मानसून सक्रिय है। मौसम विभाग ने गुरुवार (02 जुलाई) को राज्य के पांच जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताते हुए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। राज्य के जिन जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है उनमें लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं। इन क्षेत्रों में भारी बारिश के साथ वज्रपात होने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, 05 और 06 जुलाई को भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना बनी हुई है। लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने व वज्रपात के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की गई है।

धनबाद में साइबर गैंग के नौ अपराधी किए गए गिरफ्तार

धनबाद। पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने सरायढेला थाना क्षेत्र स्थित होटल न्यू हरि-इन के कमरा नंबर 103 और 108 में छापेमारी कर 09 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले कई सामान बरामद किए गए हैं। डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव ने बुधवार को कहा कि गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के आशीष कुमार, मिथिलेश ठाकुर, मो आबिद आलम, आशुतोष कुमार आनंद और मनंजर शेर आलम शामिल हैं। वहीं, धनबाद के रोहित दाँ और महफुज आलम के अलावा ओडिशा के चन्द्रकांत परिदा और गोड्डा के मो गुफरान आलम को भी गिरफ्तार किया गया है।

राज्यपाल ने नए सूचना आयुक्तों को दिलाई शपथ

राज्य सूचना आयोग को मिले 4 नए सूचना आयुक्त

अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक ने ली है शपथ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड में करीब छह वर्ष बाद राज्य सूचना आयोग फिर पूरी क्षमता के साथ काम करने की दिशा में आगे बढ़ गया है। बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोकभवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में चार नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विशेष रूप से मौजूद रहे। इन नियुक्तियों के साथ ही लंबे समय से ठप पड़ी आयोग की नियमित सुनवाई दोबारा शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है।

समारोह की शुरुआत राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार द्वारा राज्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी वारंट के वाचन से हुई। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने क्रमवार सभी नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल ने सभी नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने 10 जून 2026 को चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की थी। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15(3) के तहत अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक की नियुक्ति की गई थी।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम और महुआ माजी, राज्य सरकार में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के साथ झारखंड राज्य सूचना आयोग के नियमित कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है। लंबे समय से लंबित मामलों की सुनवाई दोबारा शुरू होगी, जिससे सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर हजारों अपीलों और शिकायतों के निस्तारण का रास्ता साफ होगा। ज्ञात हो कि 8 मई 2020 को तत्कालीन प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद आयोग में नियमित सुनवाई लगभग ठप हो गई थी। आयोग में पर्याप्त सूचना आयुक्त नहीं होने के कारण अपीलों और शिकायतों का निस्तारण प्रभावित हुआ था।

आशा है नवनियुक्त सूचना आयुक्त जनहित को सर्वोपरि रखेंगे : सीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सभी नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूचना आयोग लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवनियुक्त सूचना आयुक्त पारदर्शिता, जवाबदेही तथा जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूचना का अधिकार लोकतंत्र को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम है। सूचना आयोग की सक्रिय और पारदर्शी कार्यप्रणाली से आम नागरिकों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने नवनियुक्त आयुक्तों से संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई।

झारखंड राज्य सूचना आयोग का गठन वर्ष 2006 में किया गया था

झारखंड राज्य सूचना आयोग का गठन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत राज्य सरकार ने 24 जुलाई 2006 को किया था। राज्य के पहले मुख्य सूचना आयुक्त सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति हरि शंकर प्रसाद बने थे। उन्होंने 30 जुलाई 2006 को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली थी और 30 जून 2008 तक इस पद पर कार्य किया। उनके साथ नियुक्त अन्य छह सूचना आयुक्त जुलाई 2011 तक आयोग में कार्यरत रहे। राज्य सूचना आयोग सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत गठित एक वैधानिक संस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य आम जनता के अधिकारों की रक्षा करना और प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि किसी नागरिक को जन सूचना अधिकारी से समय पर जानकारी नहीं मिलती है या उसकी सूचना का अनुचित रूप से खंडन किया जाता है, तो वह राज्य सूचना आयोग में शिकायत दर्ज करा सकता है। आयोग के पास गलत तरीके से जानकारी छिपाने या देने से इनकार करने पर दोषी अधिकारी पर जुर्माना (प्रति दिन अधिकतम ₹250) लगाने का अधिकार है। आयोग को किसी भी मामले की जांच के दौरान दस्तावेज मंगाने और समन जारी करने का दीवानी न्यायालय का अधिकार प्राप्त है।

सब रजिस्ट्रार की हत्या के मामले में सात गिरफ्तार

रामगढ़। रामगढ़ और हजारीबाग जिले के सीमा पर स्थित रबोध गांव निवासी सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बुधवार को रामगढ़ के एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने इस हत्याकांड पर प्रेसवार्ता की और बताया कि सभी आठ हत्यारे मोबाइल कैमरे में कैद हुए हैं। रामगढ़ एसपी लुनायत ने कहा कि गिरिडीह जिले के सब रजिस्ट्रार रहे बालेश्वर पटेल ने भी अपने मोबाइल से हमले के दौरान वीडियो बनाया था। इसमें यह स्पष्ट है कि घटनास्थल पर कुल आठ लोग मौजूद थे। इनमें 4 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल हैं। उन लोगों ने ईंट-पत्थर से पहले हमला किया। इसके बाद लाठी-डंडे से पिटाई की। सारे हमलावर के चेहरे मोबाइल कैमरे में कैद हैं। शेष पेज 11 पर

मुखबीर का आरोप लगा दो की हुई थी हत्या

हाईकोर्ट ने पूर्व विधायक पौलुस और नक्सली जेठा को किया बरी

- **निचली अदालत की आजीवन कारावास की सजा हुई निरस्त**

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में वर्ष 2013 में पुलिस मुखबिर होने के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की हत्या के मामले में बुधवार को फैसला सुनाते हुए सजायाफ्ता पूर्व विधायक पौलुस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को बरी कर दिया। अदालत ने दोनों की ओर से निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर क्रिमिनल अपील स्वीकार करते हुए आजीवन कारावास की सजा को निरस्त कर दिया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे बुधवार को सुनाया गया। खंडपीठ ने साक्ष्यों और पक्षकारों की दलीलों पर विचार करने के बाद दोनों अपीलकर्ताओं को दोषमुक्त कर दिया।

पूर्व विधायक पौलुस सुरीन की ओर से वरीय अधिवक्ता बीएम त्रिपाठी तथा अधिवक्ता नवीन कुमार जायसवाल ने पैरवी की, जबकि नक्सली जेठा कच्छप की ओर से अधिवक्ता मनोज चौबे ने न्यायालय में पक्ष रखा। इससे पहले, रांची के अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने इस दोहरे हत्याकांड में पौलुस सुरीन और जेठा कच्छप को शेष पेज 11 पर

चुट्टूपालू घाटी में सड़क हादसा, कई लोग घायल

ब्रेक फेल होने से ट्रेलर ने बस समेत नौ वाहनों को मारी टक्कर

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़-रांची मार्ग (एनएच-33) पर चुट्टूपालू घाटी में बुधवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। रांची से रामगढ़ की ओर आ रहा एक अनियंत्रित ट्रेलर घाटी में ब्रेक फेल होने के बाद बेकाबू हो गया और उसने एक के बाद एक नौ वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग घायल हो गए, जबकि सभी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई। घटना की सूचना मिलते ही मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अकरम राजा और रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करवाया। घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। डीएसपी अकरम राजा ने कहा कि रेलवे का पहिया लादकर रांची से रामगढ़ की ओर जा रहा ट्रेलर (एनएल 01एडी 7009) चुट्टूपालू घाटी में शेष पेज 11 पर

गौरव के पल **18 जुलाई को आयोजित समारोह में दिया जाएगा सम्मान**

डॉ सिकंदर को आईएमए का 'कम्युनिटी सर्विस' अवॉर्ड

इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए पूरे देश से केवल पांच चिकित्सकों का हुआ है चयन

देवघर (हि.स.)

चिकित्सा सेवा को मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम मानने वाले देवघर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ सिकंदर सिंह को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के 'कम्युनिटी सर्विस' के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें 18 जुलाई 2026 को आयोजित समारोह में दिया जाएगा। पूरे देश से इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए केवल पांच चिकित्सकों का चयन किया गया है, जिनमें डॉ सिकंदर सिंह का नाम शामिल होना देवघर और झारखंड के लिए गौरव की बात है। देवघर के सुभाष चौक स्थित अपने निजी क्लीनिक से वर्षों से चिकित्सा सेवा दे रहे डॉ सिकंदर सिंह वर्ष 1990 से चिकित्सा क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि अपनी पत्नी के साथ पहली बार देवघर आने पर यहां के लोगों का स्नेह और बाबा बैद्यनाथ की नगरी का वातावरण उन्हें इतना पसंद आया कि उन्होंने यहीं स्थायी रूप से बसने का निर्णय लिया और लोगों की सेवा को अपना जीवन लक्ष्य बना लिया। चिकित्सा सेवा के दौरान उन्होंने महसूस किया कि जिले में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण बेहतर इलाज नहीं करा पाते। इसी सोच के साथ उन्होंने वर्ष 1998 से गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए निःशुल्क इलाज और आवश्यक जांच की शुरुआत की। पिछले करीब तीन दशकों में उन्होंने हजारों मरीजों का मुफ्त इलाज कर मानवता की मिसाल पेश की है। निजी चिकित्सक होने के बावजूद डॉ सिकंदर सिंह ने टीबी उन्मूलन अभियान, मलेरिया, चिकनगुनिया और कालाजार जैसी बीमारियों के खिलाफ सरकारी जागरूकता एवं नियंत्रण अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने हमेशा सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग किया।

मौके पर सिविल सर्जन डॉ रमेश कुमार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ सिकंदर सिंह ने हमेशा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को सफल बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि निजी चिकित्सक होने के बावजूद उनका जनसेवा के प्रति समर्पण अनुकरणीय है और अन्य चिकित्सकों को भी उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

मानव सेवा का पवित्र माध्यम है चिकित्सा

डॉ सिकंदर सिंह का कहना है कि चिकित्सा केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि मानव सेवा का सबसे पवित्र माध्यम है। यदि चिकित्सक सेवा भावना से कार्य करें, तभी इस पेशे का वास्तविक उद्देश्य पूरा होगा।

बड़ा बदलाव : संसद के मानसून सत्र में आ सकता है कानून

30 दिन जेल में रहे मंत्री, तो जाएगी कुर्सी?

विपक्षी दलों के कई नेताओं ने पहले ही इस पर जताया है कड़ा विरोध

उदय चंद्र सिंह

नई दिल्ली। देश की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने वाले संविधान संशोधन विधेयक पर अब संसद में घमासान तय माना जा रहा है। केंद्र सरकार उस प्रस्तावित कानून को आगे बढ़ाने की तैयारी में है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को अगर किसी गंभीर मामले में लगातार 30 दिन तक जेल में रहना पड़े, तो उनकी कुर्सी स्वतः चली जाएगी।

इस विवादित 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) 17 जुलाई 2026 को अपनी रिपोर्ट मंजूर कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, समिति इस कानून के सबसे चर्चित प्रावधान को बरकरार रख सकती है। हालांकि, राजनीतिक बदले की भावना से दुरुपयोग रोकने के लिए कुछ सुरक्षा प्रावधान जोड़ने की भी सिफारिश की जा सकती है। सरकार का तर्क है कि 30 दिन का समय किसी भी व्यक्ति के लिए जमानत लेने के पर्याप्त मौके देता है, इसलिए इसे प्राकृतिक न्याय के खिलाफ नहीं माना जा सकता। वहीं विपक्ष लगातार इस प्रस्ताव को लोकतंत्र और संघीय ढांचे के खिलाफ बता रहा है। सूत्रों के अनुसार मानसून सत्र में इस बिल को चर्चा और पारित कराने के लिए लाया जा सकता है। विपक्षी दलों के कई नेताओं ने पहले ही इस पर कड़ा विरोध जताया है और जेपीसी की रिपोर्ट पर असहमति नोट देने की तैयारी भी चल रही है।

पूर्वी सिंहभूम में मलेरिया से चार की मौत के बाद झारखंड सरकार अलर्ट

जिम्मेदारी तय कर संक्रमण को फैलने से रोकें : अपर मुख्य सचिव

नवीन मेल संवाददाता

सभी जिलों के उपायुक्तों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश

रांची। पूर्वी सिंहभूम जिले में मलेरिया से हुई मौत और राज्य में बढ़ते संक्रमण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए झारखंड सरकार ने पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी उपायुक्तों को पत्र भेजकर मलेरिया की रोकथाम, निगरानी और उपचार के लिए तत्काल प्रभाव से व्यापक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन क्षेत्रों में मलेरिया के मामले सामने आ रहे हैं, वहां युद्धस्तर पर कार्ययोजना लागू की जाए और प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय कर संक्रमण को फैलने से रोका जाए। बुखार प्रभावित इलाकों में बहुद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एमपीडब्ल्यू) और सहियाओं के माध्यम से सक्रिय सर्वे (एक्टिव सर्वे) चलाया जाएगा। मलेरिया की आशंका वाले प्रत्येक मरीज की तत्काल जांच होगी और संक्रमित पाए जाने पर बिना विलंब उपचार शुरू किया जाएगा।

निर्देश में गंभीर मरीजों के लिए विशेष चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी मरीजों की नियमित निगरानी और फॉलो-अप किया जाएगा, जबकि गंभीर रोगियों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि किसी भी क्षेत्र में मलेरिया का एक नया मामला मिलने पर पूरे इलाके में फीवर सर्वे या मास सर्वे अभियान चलाया जाए। प्रत्येक गांव का ग्रामवार मलेरिया डेटा तैयार किया जाएगा तथा अधिक प्रभावित गांवों की सहियाओं को रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट और आवश्यक मलेरिया रोधी दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में जांच सामग्री और दवाओं का भंडारण सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव, लार्वा नियंत्रण अभियान और मच्छरजनित रोगों की रोकथाम संबंधी गतिविधियों को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग ने त्रिस्तरीय मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू की है।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी उपायुक्तों से मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने और प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण पर शीघ्र नियंत्रण सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

दस लाख दहेज के लिए मारपीट, केस दर्ज

रांची। धुर्वा थाना क्षेत्र के सेक्टर तीन गोल चक्कर सीडी क्वार्टर संख्या 90 में रहने वाली रजनी कुमारी के साथ पति व ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट की। पीड़िता जब मामले की जानकारी देकर थाना से लौट रही थी तो पति की कथित प्रेमिका रानी सोनी ने भी उसके साथ मारपीट की व मोबाइल छिनने का प्रयास किया। दो बच्चों की मां रजनी की लिखित शिकायत पर मामले में पति प्रकाश कुमार, सास उर्मिला देवी, ससुर कृष्णदेव प्रसाद, ननद ज्योति सिन्हा, ननदोई सुदीप सिन्हा, जेठ दीपक कुमार के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी प्रकाश कुमार के साथ वर्ष 2014 में हुई थी। शादी के बाद से ही पीड़िता को दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। पिछले दिन इसी मामले में ससुराल पक्ष की ओर से कार का ऋण चुकता करने को लेकर पिता से दस लाख रुपये मांग कर लाने को कहा गया। बताया गया कि पूर्व में भी इसी तरह की प्रताड़ना मामले में सभी आरोपी जेल गए थे।

एसआईआर को लेकर भाजपा की चुनाव आयोग से शिकायत

सीएम की तस्वीर वाले थैले और दोहरे मतदाता पंजीकरण की जांच की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा ने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने पश्चिमी सिंहभूम में बीएलओ द्वारा मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले थैले के इस्तेमाल और जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में कुछ मतदाताओं के नाम दो स्थानों पर दर्ज होने के मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग को इस संबंध में दो अलग-अलग पत्र भेजे हैं।

पहले पत्र में भाजपा ने आरोप लगाया है कि 30 जून से शुरू हुए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान पश्चिमी सिंहभूम जिले में कुछ बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले थैले का उपयोग किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि भारत निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संवैधानिक संस्था है, इसलिए इस प्रकार की सामग्री का उपयोग चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर सकता है। भाजपा ने इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

दूसरे पत्र में भाजपा ने जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-176 पर कई मतदाताओं के नाम एक ही बूथ पर दो स्थानों पर दर्ज होने का आरोप लगाया है। पार्टी का दावा है कि संबंधित मतदाताओं के दो-दो मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर भी दर्ज हैं, जो निर्वाचन नियमों के अनुरूप नहीं है।

भाजपा ने कहा है कि शिकायत के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज और प्रमाण भी निर्वाचन आयोग को उपलब्ध कराए गए हैं। पार्टी ने आयोग से दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

मानवता के सच्चे प्रहरी हैं चिकित्सक, उनका सम्मान पूरे समाज का सम्मान : आलोक दूबे

नवीन मेल संवाददाता

- **चिकित्सक केवल इलाज नहीं, बल्कि जीवन में नई उम्मीद भी देते हैं : लाल किशोर नाथ शाहदेव**

रांची। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे एवं मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव सदर अस्पताल, रांची पहुंचकर चिकित्सकों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर, कलम भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर चिकित्सकों के मानवता की सेवा, समर्पण और उत्कृष्ट योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सम्मानित होने वाले चिकित्सकों में सदर अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार सिंह, डॉ हिमालय झा, डॉ हरिश्चंद्र, डॉ आरके सिंह, डॉ एसपी सिंह, डॉ प्रण्णति बाखला, डॉ श्वेता लाल, डॉ. सविनय कुमार, डॉ पूनम, डॉ अरुणोदय, डॉ रंजू सिंह, डॉ रजनी, डॉ तन्मय प्रसाद, डॉ उषा सिंह एवं डॉ एबीके बाखला शामिल थे। इसके अतिरिक्त कांग्रेस नेताओं ने वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत सहाय एवं वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुबोध कुमार सिंह को उनके क्लीनिक पहुँचकर भी सम्मानित किया।

मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने कहा कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण का जीवंत उदाहरण हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी चिकित्सक अपने परिवार से अधिक मरीजों के जीवन को प्राथमिकता देते हैं। कोरोना महामारी से लेकर हर आपदा के समय चिकित्सकों ने जिस साहस, प्रतिबद्धता और मानवता का परिचय दिया, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि चिकित्सक समाज के ऐसे प्रहरी हैं जो दिन-रात लोगों के जीवन की रक्षा में जुटे रहते हैं। उनका योगदान शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में डॉक्टरों की भूमिका सदैव अविस्मरणीय रहेगी।

इस अवसर पर सदर अस्पतालके उपाध्यक्ष डॉ विमलेश कुमार सिंह ने कहा कि "हमारे लिए यह गौरव का क्षण है जब समाज हमें सम्मान देता है। हमारी हमेशा यही कोशिश रहती है कि अपने कार्यों के माध्यम से समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरें और लोगों के लिए विश्वास एवं गौरव का प्रतीक बनें। यह सम्मान हमें और अधिक समर्पण एवं सेवा भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

जमशेदपुर हत्याकांड में दोषी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा : आदित्य साहू

- **जमशेदपुर में आज शाम मशाल जुलूस और 03 जुलाई को जमशेदपुर बंद की घोषणा**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर की घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि कानून के शासन पर सीधा हमला है। झारखंड में 'रूल ऑफ लॉ' का गंभीर संकट है। श्री साहू पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि जमशेदपुर की घटना के विरोध और प्रदेश में ध्वस्त से ध्वस्ततम हो चुकी कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग को लेकर जमशेदपुर शहर में 02 जुलाई की शाम को भाजपा और आम जनता के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं 03 जुलाई को राज्य की बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ जमशेदपुर पूर्णतः बंद रहेगा। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य सरकार एवं पुलिस प्रशासन ने प्रदेश की विधि व्यवस्था को लेकर तत्काल ठोस कारगर कदम नहीं उठाया तो झारखंड बंद भी कराने का काम पार्टी करेगी।

श्री साहू ने कहा कि जमशेदपुर की घटना रौंगटे खड़ी करने वाली है। यह घटना राज्य में अपराधियों द्वारा समानांतर सरकार चलाने और खुलेआम नंगा नाच करने का भी बड़ा उदाहरण है। इस घटना से पूरा राज्य हतप्रभ है। जमशेदपुर की जो घटना है, अपराधी एक युवा पर जानलेवा हमला करते हैं, वे उसे दौड़ा दौड़ा कर बेरहमी से पीटते हैं, वह युवा भागकर जान बचाने के लिए पुलिस की वाहन में घुसता है। और अपराधी पुलिस के सामने पुलिस वाहन से खींचकर उसकी हत्या कर देते हैं। दुखद बात यह है कि पूरे घटनाक्रम में पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। राज्य सरकार और यहां के पुलिस प्रशासन के लिए इससे शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? पुलिस की मौजूदगी में पुलिस वैन से युवक को खींचकर हत्या कर देना बताता है कि अपराधियों के मन में कानून का कोई भय नहीं बचा है।

श्री साहू ने इस मामले में दोषी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनपर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी पर 302 का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की जरूरत है। साथ ही सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग के साथ सभी दोषियों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने साथ ही सरकार से राज्य में बिगड़ती कानून - व्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी करने और अपराध नियंत्रण की स्पष्ट कार्ययोजना प्रस्तुत करने की भी मांग की है।

श्री साहू ने कहा कि गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की रामगढ़ में पीट पीट कर हत्या कर दी गई। पूरे राज्य में अपराध और अपराधियों का बोलबाला है। बच्चों का अपहरण हो रहा है। महिलाएं बच्चियां असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चेत जाए और पूरे राज्य में अमन शांति का माहौल कायम करवाने के लिए ठोस कदम उठावें। साथ ही आम लोगों की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करे। सरकार दोषियों पर सख्ती से कार्रवाई करे अन्यथा भाजपा का एक एक कार्यकर्ता सड़क पर उतरने का काम करेगा, जिसे संभालना सरकार के बूते की बात नहीं रहेगी। इस दौरान प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अविनेश सिंह एवं दीनदयाल बरनवाल भी मौजूद रहे।

जमशेदपुर की दर्दनाक घटना पर राजनीति बंद करे भाजपा : राकेश

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान को राजनीतिक अवसरवाद का परिचायक बताते हुए कहा कि जमशेदपुर की दुखद घटना पूरे राज्य के लिए पीड़ादायक है। कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है और स्पष्ट रूप से मानती है कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। लेकिन भाजपा इस संवेदनशील घटना को राजनीतिक मंच बनाकर अपनी खोती हुई जमीन तलाशने में जुट गई है। सिन्हा ने कहा कि भाजपा को जनता को गुमराह करने से पहले अपने शासनकाल का इतिहास देख लेना चाहिए। देश आज भी मॉब लिंचिंग, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, सांप्रदायिक हिंसा, पेपर लीक, किसानों पर अत्याचार और मणिपुर जैसी घटनाओं को नहीं भूला है। अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की राजनीति करने वाली भाजपा यह बताए कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले और सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वाले कितने लोगों के खिलाफ उसने अपने दल के भीतर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने घटना का गंभीर संज्ञान लिया है। पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है और जांच आगे बढ़ रही है। कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन भाजपा का उद्देश्य न्याय नहीं, बल्कि जनभावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ उठाना है।

जीएसटी के 9 वर्ष पूरे होने पर महेश पोद्दार ने दी बधाई

नवीन मेल संवाददाता

- पूर्व सांसद बोले 'एक देश, एक कर' का सपना हुआ साकार

रांची। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सफलतापूर्वक 9 वर्ष पूरे होने पर भाजपा नेता एवं राज्यसभा के पूर्व सांसद महेश पोद्दार ने देशवासियों को बधाई देते हुए इसे भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा कर सुधार बताया। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने देश को आर्थिक रूप से एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया है और 'एक देश, एक कर' की अवधारणा को सफलतापूर्वक साकार किया है। महेश पोद्दार ने कहा कि उन्हें भाजपा की ओर से राज्यसभा में अपना पहला (मेडन) भाषण जीएसटी विधेयक पर देने का अवसर मिला था। अपने संसदीय कार्यकाल के दौरान उन्होंने जीएसटी के विभिन्न पहलुओं और इसके दूरगामी लाभों पर सदन में कई महत्वपूर्ण वक्तव्य दिए। उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत जीएसटी ढांचे के निर्माण में अपना छोटा-सा योगदान देना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में जीएसटी ने टैक्स प्रणाली को सरल, पारदर्शी और अधिक प्रभावी बनाया है। इससे टैक्स पर टैक्स लगने (कैस्केडिंग इफेक्ट) की व्यवस्था समाप्त हुई और पूरे देश में एक समान कर प्रणाली लागू होने से राज्यों के बीच व्यापारिक बाधाएं कम हुई हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत एक साझा राष्ट्रीय बाजार (कॉमन मार्केट) के रूप में उभरा है।

चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने सीएम हेमंत से की मुलाकात, उद्योग और निवेश पर हुई चर्चा

- **प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को राज्य के औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में उद्योग, व्यापार और निवेश के मौजूदा परिदृश्य को लेकर मुख्यमंत्री के साथ सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को राज्य के औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया। साथ ही बताया कि फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से जल्द ही एक राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्योगपति, व्यापारी और उद्यमी शामिल होंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में झारखंड में उद्योगों के विकास, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मलहोत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्र उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, उदयशंकर, रमेश कुमार चिनी, विनय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे। इसके अलावा पलामू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर, कार्यकारिणी सदस्य फिराजुद्दीन और गुमला चैंबर के सदस्य अमर प्रदीप भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल रहे।

47 लाख 'अनमैप्ड' मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करे चुनाव आयोग : कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने चुनाव आयोग से राज्य में सामने आए करीब 47 लाख 'अनमैप्ड' मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम और स्थिति की पूरी जानकारी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाए और संबंधित मतदान केंद्रों (बूथ) पर भी सूची प्रदर्शित की जाए, ताकि प्रत्येक मतदाता अपने नाम का सत्यापन कर सके। सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि जिन मतदाताओं को एएसडीडी श्रेणी में चिह्नित किया गया है, उनकी सूची भी तत्काल सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयोग के पास यह आंकड़े उपलब्ध हैं तो उन्हें जनता से साझा करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता का आधार है। उन्होंने चुनाव आयोग से अपनी गाइडलाइन और पेसा अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करते हुए इन सूचियों को संबंधित ग्राम सभाओं में भी पढ़वाने की मांग की। उनका कहना है कि इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के मतदाताओं को सही जानकारी मिल सकेगी और किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हटने से बचाया जा सकेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार देता है। ऐसे में लाखों मतदाताओं की स्थिति अस्पष्ट रहने और संबंधित सूचियां सार्वजनिक नहीं होने से चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक योग्य मतदाता के अधिकारों की रक्षा करना भी है।

125वें स्मरण पर्व पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को समर्पित राज्यव्यापी जनजागरण अभियान

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पर्व के अवसर पर भाजपा द्वारा राज्यभर में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने बताया कि भारतीय जनता युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में यह अभियान 23 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जनजागरण कार्यक्रम, संगोष्ठी और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है। गणेश मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रमों के दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और संगठन के नेता युवाओं से संवाद करेंगे तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में 1 जुलाई को लोहरदगा (कुड़ू): मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व सांसद सुदर्शन भगत एवं अजातशत्रु। 2 जुलाई दुमका (एसपी कॉलेज): मुख्य वक्ता सुनील सोरेन, राज पालीवार, सीताराम पाठक और मनीष दुबे। 4 जुलाई धनबाद महानगर (इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट भवन): मुख्य वक्ता बिरंची नारायण एवं संजीव कुमार। 5 जुलाई रांची महानगर (स्टेट लाइब्रेरी, मोरहाबादी): मुख्य वक्ता प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह। 5 जुलाई पलामू (हरिहरगंज): मुख्य वक्ता श्याम नारायण दूबे, प्रेम सिंह और विश्वजीत पाठक। 6 जुलाई जमशेदपुर महानगर (जुस्को सभागार): मुख्य वक्ता शशांक राज। 6 जुलाई गिरिडीह महानगर (केएन बक्सी कॉलेज): मुख्य वक्ता गणेश मिश्रा एवं शिवशक्ति बक्सी शामिल हैं।

चिंता जताई — दिनदहाड़े लूट कानून-व्यवस्था की गंभीर विफलता का प्रमाण

अपराधियों के आगे घुटने टेक चुका है शासन : संजय सेठ

- **बेलगाम अपराधियों ने महज 20 मिनट के भीतर पूरे घर को खंगालकर लाखों रुपए की संपत्ति लूट ली और फरार हो गए**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के इटकी रोड स्थित आर्किड अपार्टमेंट में उमेश अग्रवाल के फ्लैट में दिनदहाड़े हुई भीषण लूट की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह घटना राज्य की बिगड़ती कानून-व्यवस्था और अपराधियों के बढ़ते मनोबल का स्पष्ट प्रमाण है।

उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर लगभग 12 बजे, जब उमेश अग्रवाल बाजार गए हुए थे, उसी दौरान बेलगाम अपराधियों ने महज 20 मिनट के भीतर पूरे घर को खंगालकर लाखों रुपए की संपत्ति लूट ली और फरार हो गए। यह घटना दर्शाती है कि राजधानी में अपराधियों के मन से कानून और पुलिस का भय पूरी तरह समाप्त हो चुका है तथा आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही श्री सेठ तत्काल आर्किड अपार्टमेंट पहुंचे, पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरी घटना की जानकारी ली और मौके से ही पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा से दूरभाष पर बात कर अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी तथा कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

श्री सेठ ने कहा कि महज 20 मिनट में दिनदहाड़े एक घर में इस प्रकार की लूट होना पुलिस व्यवस्था की गंभीर विफलता को उजागर करता है। यदि राजधानी में ही लोग अपने घरों में सुरक्षित नहीं हैं, तो यह पूरे प्रशासनिक तंत्र के लिए अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होने लगा है मानो राजधानी रांची अपराधियों के हवाले हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि राज्य में व्यापारियों को लगातार धमकियां मिल रही हैं, घरों में लूट की घटनाएं हो रही हैं और अपराधी खुलेआम हत्या जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में आम नागरिकों का व्यवस्था पर से विश्वास उठना स्वाभाविक है। यदि शासन और प्रशासन राजधानी की जनता को सुरक्षा नहीं दे सकता, तो यह सरकार के लिए गंभीर आत्ममंथन का विषय है।

सेठ ने राज्य सरकार से मांग की कि इस मामले में शामिल सभी अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए, लूटी गई संपत्ति बरामद की जाए तथा राजधानीवासियों की सुरक्षा के लिए प्रभावी और कठोर कदम उठाए जाएं। साथ ही उन्होंने रांची में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू करने की पुरानी मांग को तत्काल पूरा करने का भी आग्रह किया, ताकि राजधानी की कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

रांची में 11 सेवानिवृत्त शिक्षकों और 2 कर्मियों का सम्मान

शिक्षक समाज के निर्माणकर्ता व राष्ट्र के शिल्पकार हैं : डीसी

● पेंशन दरबार में सेवानिवृत्ति के दिन ही मिले पेंशनरी लाभ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला प्रशासन की ओर से सोमवार को समाहरणालय स्थित ब्लॉक-ए के कॉन्फ्रेंस हॉल में पेंशन दरबार सह सेवानिवृत्ति विदाई सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने की। इस अवसर पर जिले के 11 सेवानिवृत्त शिक्षकों और 2 कर्मियों को उनके लंबे, समर्पित और अनुकरणीय सेवा काल के लिए सम्मानित किया गया।
उपायुक्त ने सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मियों को स्मृति चिह्न, शॉल, प्रशस्ति पत्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही सेवानिवृत्ति के दिन ही सभी पेंशनरी लाभ उपलब्ध कराकर जिला प्रशासन ने समयबद्ध पेंशन व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि "शिक्षक समाज के निर्माणकर्ता और राष्ट्र के भविष्य के शिल्पकार होते हैं। उनकी निष्ठा, समर्पण और ज्ञान से ही नई पीढ़ी का निर्माण होता है। सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद सभी पेंशनरी लाभ सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि वे बिना किसी चिंता के जीवन की नई पारी शुरू कर सकें।
उन्होंने आगे कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों का अनुभव समाज की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने शिक्षकों से नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करने, सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा स्वस्थ एवं सुखद जीवन व्यतीत करने का आग्रह किया।
समारोह में अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, स्थापना उप समाहर्ता ज्योति वंदना कुजूर तथा जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने भी सेवानिवृत्त शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की शुभकामनाएं दीं।
जिला प्रशासन ने बताया कि यह पहल शिक्षकों और कर्मचारियों के सम्मान, कल्याण तथा समयबद्ध पेंशन एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभ सुनिश्चित करने की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयासों का हिस्सा है।

दृष्टिपात

नगर निगम का अवैध जल कनेक्शन पर शिकंजा, जांच में पकड़ा गया अवैध संयोजन

रांची। रांची नगर निगम ने अवैध जल संयोजन, अवैध वाटर बॉटलिंग प्लांट, अवैध बोरिंग तथा जलापूर्ति प्रणाली के दुरुपयोग के विरुद्ध विशेष जांच अभियान तेज कर दिया है। अभियान के तहत नियमित रूप से विभिन्न क्षेत्रों में जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।इसी क्रम में वार्ड संख्या 41ए के साइट-04 स्थित शिव मंदिर के समीप अवैध जल संयोजन की शिकायत मिलने पर निगम की टीम ने जांच की। जांच के दौरान शिकायत सही पाई गई और संबंधित स्थान पर अवैध जल कनेक्शन मिला। इसके बाद निगम ने तत्काल अवैध जल संयोजन को काट दिया तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि जलापूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या अवैध हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में लगातार जांच अभियान चलाकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कहीं अवैध जल संयोजन, अवैध बोरिंग, अवैध वाटर बॉटलिंग प्लांट या जलापूर्ति प्रणाली के दुरुपयोग की जानकारी मिले तो इसकी सूचना निगम के टोल-फ्री नंबर 1800-570-1235 पर दें। प्राप्त शिकायतों पर त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डॉ बिधान चंद्र राय को दी गई श्रद्धांजलि

रांची। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, झारखंड के प्रदेश प्रवक्ता एवं रांची जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने महान चिकित्सक डॉ बिधान चंद्र राय को उनकी जयंती एवं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें चिकित्सक समाज के लिए आदर्श व्यक्तित्व बताया।शैलेश कुमार सिन्हा ने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि डॉ बिधान चंद्र राय की जन्मतिथि और पुण्यतिथि दोनों 1 जुलाई को ही हैं, जो उनके पूर्ण एवं प्रेरणादायी जीवन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि डॉ राय ने अपनी असाधारण प्रतिभा के बल पर कम समय में एमआरसीपी और एफआरसीएस जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा उपाधियां प्राप्त कर चिकित्सा जगत में नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने कहा कि डॉ बिधान चंद्र राय का सेवा भाव, मानवीय संवेदनाएं और मरीजों के प्रति समर्पण आज भी चिकित्सकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इसी कारण देशभर में उनके सम्मान में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर शैलेश कुमार सिन्हा ने आरोग्य मंदिर पहुंचकर चिकित्सकों एवं चिकित्सा कर्मियों को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएं दीं और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चिकित्सकों और मरीजों के परिजनों के बीच उत्पन्न होने वाली अप्रिय घटनाएं चिंता का विषय हैं, जिनका समाधान समाज, प्रशासन और चिकित्सा समुदाय को मिलकर निकालना होगा।

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने डॉ एस मैत्रा को किया सम्मानित

रांची। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा की ओर से चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा और समर्पण भाव के लिए डॉ. एस. मैत्रा को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह का आयोजन रेडियम रोड स्थित सिटी डेंटल.कॉम में किया गया। इस अवसर पर शाखा की ओर से डॉ एस. मैत्रा को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सकों का निस्वार्थ सेवा कार्य पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा, "चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप होते हैं, जो सदैव मानवता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी डॉक्टरों के योगदान की सराहना करते हुए राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष शुभा अग्रवाल, सचिव रेखा राईका एवं आशा सराफ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की जानकारी मीडिया प्रभारी वेदिका सिंघानिया ने दी।

एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड और सीएमपीडीआई के बीच समझौता

रांची। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) और सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के बीच खनन सलाहकार सेवाओं और प्रौद्योगिकी सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन के तहत कोयला एवं खनिज परियोजनाओं के विकास और परिचालन में तकनीकी सहयोग तथा सलाहकार सहायता के लिए तीन वर्षीय ढांचा तैयार किया गया है। इसे परियोजना-विशिष्ट कार्य आदेशों (वर्क ऑर्डर्स) के माध्यम से लागू किया जाएगा। समझौते में खनन मूल्य श्रृंखला से जुड़े कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इनमें खनिज अन्वेषण, खान परिचालन, परियोजना प्रबंधन, सर्वेक्षण एवं जीआईएस, पर्यावरण प्रबंधन, खान बंदी योजना, कोल बेनेफिशिएशन, प्रयोगशाला परीक्षण और क्षमता निर्माण जैसे विषय प्रमुख हैं। इसके अलावा समझौते के तहत उन्नत खनन तकनीकों को अपनाने और सतही एवं भूमिगत कोल गैसीफिकेशन परियोजनाओं के लिए भी सलाहकार सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें व्यवहार्यता अध्ययन (फिजिबिलिटी स्टडी), पायलट परियोजनाएं और आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियों से संबंधित सहायता भी शामिल होगी। एनएमएल और सीएमपीडीआई के बीच यह साझेदारी एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ कोयला और खनिज परिसंपत्तियों के सतत एवं आत्मनिर्भर विकास में सहायक होगी।

फ्लाई ऐश के व्यावसायीकरण और सतत विकास के लिए तैयार होगा मॉडल

रांची। सतत विकास, नवाचार और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आईआईएम रांची और पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) के बीच रणनीतिक साझेदारी को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से निकलने वाली फ्लाई ऐश और एश-आधारित उत्पादों के व्यावसायीकरण के लिए एक प्रभावी और व्यवहारिक मॉडल तैयार करेंगे। समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान आईआईएम रांची के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव और पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एके सहगल ने किया।इस परियोजना के अंतर्गत आईआईएम, पीवीयूएनएल की वर्तमान एश उपयोग प्रणाली का विस्तृत अध्ययन करेगा और कंपनी की तीनों परिचालन इकाइयों से उत्पन्न होने वाली 50 प्रतिशत फ्लाई ऐश के बेहतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावहारिक मॉडल विकसित करेगा। इसके अलावा संस्थान फ्लाई ऐश एवं एश आधारित उत्पादों के अधिकतम व्यावसायिक उपयोग के लिए व्यापक व्यावसायीकरण रणनीति तैयार करेगा। इसमें उत्पादों की ब्रांडिंग, मार्केटिंग और विज्ञापन रणनीति भी शामिल होगी, ताकि बाजार में इन उत्पादों की पहचान और उपयोगिता को बढ़ाया जा सके।

अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने रांची से वृंदावन के लिए किया प्रस्थान

रांची। पहाड़ी मंदिर के समीप स्थित दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में आयोजित वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव समारोह के सफल समापन के बाद बुधवार को जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज अपने परिकरों के साथ श्रीधाम वृंदावन के लिए प्रस्थान कर गए। प्रस्थान से पूर्व महाराज श्री ने महोत्सव की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ताओं और भक्तों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 26 जून से 28 जून तक आयोजित महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसके लिए सभी आयोजनकर्ता और सेवाभावी कार्यकर्ता प्रशंसा के पात्र हैं। जगद्गुरु श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने सेवा में समर्पित भक्तों की सराहना करते हुए समाचार पत्रों से जुड़े पत्रकारों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी न किसी रूप में भगवान की सेवा से जुड़े रहते हैं और पूरी श्रद्धा एवं समर्पण के साथ सेवा कार्य करते हैं, वे सौभाग्यशाली होते हैं।
महाराज श्री ने कहा कि भगवान के प्रति समर्पण और सेवा भाव रखने वाले भक्तों का जीवन धन्य हो जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे भक्तों के माता-पिता भी पुण्यात्मा होते हैं, क्योंकि उनकी प्रेरणा से ही व्यक्ति भगवान की सेवा और भक्ति के मार्ग पर आगे बढ़ता है। भगवान सदैव अपने भक्तों के योग-क्षेम का वहन करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने रांची नगरवासियों के लिए मंगलकामना करते हुए सभी को शुभाशीष प्रदान किया।
जगद्गुरु श्रीस्वामी अनिरुद्धाचार्य जी महाराज की विदाई के अवसर पर मंदिर संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राम अवतार नरसरिया, अनूप अग्रवाल, रामवृक्ष साहू सहित अन्य सदस्य एवं शिष्य मंडली उपस्थित रहे। सभी ने महाराज श्री का माल्यार्पण कर सम्मानपूर्वक विदाई दी और दंडवत प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

आज कल

सेवा सदन में डॉक्टर डे पर चिकित्सकों का हुआ सम्मान, पौध भेंट कर जताया आभार

चिकित्सकों को हर कदम पर सम्मान और सुरक्षा मिलनी चाहिए : अरुण

● वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य और चिकित्सकों के सम्मान पर दिया गया विशेष जोर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नागरमल मोदी सेवा सदन में 'डॉक्टर्स डे' पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल के सभी चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए उनके समर्पण, सेवा और समाज के प्रति योगदान को सराहा गया। समारोह की अध्यक्षता सदन के अध्यक्ष अरुण कुमार छावछरिया ने की। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें हर कदम पर सम्मान, सुरक्षा और सहयोग मिलना चाहिए। वहीं मानद सचिव आशीष मोदी ने कहा कि सफेद कोट के पीछे चिकित्सकों की मेहनत, त्याग और निष्ठा ही अस्पताल की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने नवयुवक चिकित्सकों को आश्वस्त किया कि प्रबंधन हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। कार्यक्रम में विनय ढांढनिया ने वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताते हुए एडल्ट वैक्सीनेशन, नियमित शारीरिक गतिविधियों तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि इन उपायों से लोग शतायु बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।समारोह में चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुनील रूंगटा, डॉ रमन कुमार, डॉ कुमार शीलमणी, डॉ अंजु कुमार, डॉ केपी दारुका, डॉ अरविन्द अग्रवाल सहित लगभग 40 चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी चिकित्सकों के साथ स्नेह मिलन एवं सहभोज का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए प्रत्येक चिकित्सक को उपहार स्वरूप एक पौधा भेंट किया गया। इस अवसर पर सदन के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार सरावगी एवं अजय मारू, सह सचिव ललित केडिया एवं विजयशंकर साबू, कमल गोयनका सहित संस्था के अनेक गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

सेवा सदन में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का संकल्प दोहराया गया

इस अवसर पर डॉ. रमन कुमार एवं डॉ. निशा माहेश्वरी ने मधुर संगीतमय प्रस्तुतियां दीं। गीतों के माध्यम से स्वास्थ्य एवं बीमारियों से जुड़ी रोचक पहेलियां भी प्रस्तुत की गईं, जिसमें सभी चिकित्सकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन आलोक तुलस्यान ने किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से मिली प्रेरणा सेवा सदन की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक उत्कृष्ट बनाने में सहायक होगी।

झारखंड आयकर अधिवक्ता संघ का चुनाव संपन्न

आनंद पसारी लगातार दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित, दीपक बने सचिव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड आयकर अधिवक्ता संघ की वार्षिक आमसभा एवं वर्ष 2026-27 के पदाधिकारियों के चुनाव का आयोजन मंगलवार को रांची के होटल कैपिटल हिल में किया गया। चुनाव पदाधिकारी संदीप गाड़ोदिया एवं रामवतार नारसरिया की देखरेख में संपन्न चुनाव में सभी पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया गया। चुनाव में आनंद पसारी को पुनः अध्यक्ष चुना गया। वहीं सुब्रत दास गुप्ता उपाध्यक्ष, दीपक कुमार पटेल सचिव, देवेश पोद्दार सह सचिव, आदित्य शाह कोषाध्यक्ष तथा दीपक गाड़ोदिया सदस्य निर्वाचित हुए।
आमसभा की शुरुआत अध्यक्ष आनंद पसारी के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद कोषाध्यक्ष आदित्य शाह ने संघ का वार्षिक आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। पुनः अध्यक्ष निर्वाचित होने पर आनंद पसारी ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संघ के सदस्यों के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और आने वाले समय में अधिवक्ताओं के हितों एवं उनकी अपेक्षाओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य करेंगे। कार्यक्रम के अंत में संघ के पूर्व अध्यक्ष हरिलाल पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

हटिया-झारसुगुड़ा मेमू समेत तीन ट्रेनें कई दिनों तक रहेंगी रद्द

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में विकास कार्य के लिए ब्लॉक लिए जाने के कारण कई यात्री ट्रेनों का परिचालन निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा की योजना बनाने से पहले ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने की अपील की है। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, ट्रेन संख्या 18175/18176 हटिया–झारसुगुड़ा–हटिया मेमू एक्सप्रेस का परिचालन 5 जुलाई 2026 से 19 नवंबर 2026 तक विभिन्न निर्धारित तिथियों पर रद्द रहेगा। इसके अलावा, ट्रेन संख्या 58659 हटिया-राउरकेला पैसेंजर 9 जुलाई से 21 नवंबर 2026 तक चयनित तिथियों पर रद्द रहेगी, जबकि ट्रेन संख्या 58660 राउरकेला–हटिया पैसेंजर 10 जुलाई से 22 नवंबर 2026 तक विभिन्न निर्धारित तिथियों पर नहीं चलेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय चक्रधरपुर मंडल में चल रहे विकास एवं आधारभूत संरचना संबंधी कार्यों को सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए लिया गया है। यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से अवश्य जांच लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

हटिया-सांकी पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन फिर शुरू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल ने अस्थायी रूप से निरस्त की गई हटिया–सांकी–हटिया पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन पुनः शुरू कर दिया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, अपरिहार्य कारणों से अस्थायी रूप से रद्द की गई ट्रेन संख्या 58663, 58664, 58665 एवं 58666 हटिया–सांकी–हटिया पैसेंजर ट्रेनों का संचालन 1 जुलाई 2026 से अपने निर्धारित समय और पूर्व निर्धारित मार्ग पर बहाल कर दिया गया है। रेलवे के इस निर्णय से हटिया, सांकी और मार्ग के अन्य स्टेशनों के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों तथा स्थानीय लोगों को काफी राहत मिलेगी। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन के समय की पुष्टि रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से अवश्य कर लें।

प्रतियोगिता

30 स्कूलों के 180 विद्यार्थियों ने दिया स्वच्छ भारत का संदेश

स्वच्छता ऑन कैनवास' में बच्चों ने दिखाई रचनात्मकता

नवीन मेल संवाददाता

प्रतियोगिता के विजेता

- ग्रुप-ए: प्रशांत रजवार
- ग्रुप-सी: आर्यन मालाकार
- ग्रुप-बी: विवान शौर्य
- ग्रुप-डी: भूमिका दत्ता

सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र और रंग सामग्री प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

रांची। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति नई पीढ़ी को जागरूक करने के उद्देश्य से सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के तहत 'स्वच्छता ऑन कैनवास' चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डोरंडा स्थित कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स में आयोजित इस प्रतियोगिता में रांची के 30 प्रतिष्ठित विद्यालयों के 180 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रंग-बिरंगी चित्रकृतियों के माध्यम से स्वच्छ भारत और हरित भारत का प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का आयोजन चार आयु वर्गों में किया गया। प्रतिभागियों ने 'स्वच्छ भारत-हरित भारत', 'मेरा स्वप्न स्वच्छ भारत', 'स्वच्छता ही सेवा', 'स्वच्छ सड़कें-स्वस्थ जीवन' और 'स्वच्छता ईश्वर के निकट है' जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाए। बच्चों की कल्पनाशीलता और सामाजिक सरोकार से जुड़े चित्रों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी जागरूक सोच को प्रदर्शित किया।
कार्यक्रम में सीसीएल के सीएसआर विभाग की प्रबंधक पूजा प्रसाद और प्रबंधक चंदन कुमार ने विद्यार्थियों की चित्रकृतियों का अवलोकन किया और उनकी प्रतिभा की सराहना की। उन्होंने कहा कि बच्चों में स्वच्छता के संस्कार विकसित करना समाज के बेहतर भविष्य की नींव है और कला इसके लिए प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर कलाकृति स्कूल ऑफ आर्ट्स के निदेशक एवं वरिष्ठ कलाकार धनंजय कुमार सहित संस्थान के शिक्षक एवं प्रशिक्षक मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि कला समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त माध्यम है और इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती हैं।
सीसीएल की ओर से बताया गया कि स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के तहत लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

एसआईआर को लेकर उपायुक्त सख्त, कहा

एन्यूमरेशन फॉर्म शत-प्रतिशत बांटें

● एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले को किया जाएगा सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधानसभावार एन्यूमरेशन फॉर्म (Enumeration Form) के वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) और सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) को निर्देश दिया कि वे कार्यों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी ईआरओ अपने-अपने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ प्रतिदिन ऑनलाइन बैठक कर एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन की प्रगति की समीक्षा करें।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप एन्यूमरेशन फॉर्म का शत-प्रतिशत वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी ईआरओ और एईआरओ को फॉर्म वितरण एवं डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की रैंडम मॉनिटरिंग करने को कहा, ताकि कार्य में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनी रहे। बैठक में पंचायत भवनों में डिजिटाइजेशन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। इसमें विशेष रूप से वाई-फाई और चार्जिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा प्रखंड कार्यालय सभागारों में भी डिजिटाइजेशन कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को बीएलओ के सहयोग के लिए चिन्हित शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अभियान को और प्रभावी बनाया जा सके।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी एन्यूमरेशन फॉर्म गुम या मिसप्लेस नहीं होना चाहिए। साथ ही सभी एईआरओ को अपनी निगरानी में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण और संग्रहण कार्य को बेहतर तरीके से संचालित कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि SIR अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अधिकारी और कर्मी पूरी गंभीरता एवं समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने अनुपस्थित रहने पर रांची नगर निगम के एएमसी चंद्र दीप कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय, पिठोरिया में डॉ बीपी केशरी की 94वीं जयंती मनाई गई

पिठोरिया। बुधवार को शिक्षाविद, इतिहासकार, झारखंड आंदोलनकारी एवं समाजसेवी डॉ बीपी केशरी की 94वीं जयंती के अवसर पर प्रेम मंजरी उच्च विद्यालय, पिठोरिया में श्रद्धापूर्वक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य वक्ता डॉ हरीश कुमार चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन केवल एक महान विभूति को स्मरण करने का नहीं, बल्कि उनके विचारों, मूल्यों और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि डॉ. बी. पी. केशरी ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि यदि व्यक्ति समाज, संस्कृति और भाषा के प्रति समर्पित हो, तो उसका कार्य पीढ़ियों तक प्रेरणा का स्रोत बना रहता है। उन्होंने झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं, विशेषकर नागपुरी भाषा के संरक्षण और संवर्धन के लिए जो कार्य किए, वे सदैव स्मरणीय रहेंगे। सुजीत कुमार केशरी ने कहा कि झारखंड सदैव डॉ. बी. पी. केशरी का ऋणी रहेगा। उनकी पूरी जिंदगी सादगी और सत्यवादिता को समर्पित रही। उनकी साधना, शोध और सामाजिक योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का प्रकाशस्तंभ बने रहेंगे।

दृष्टिपात

जनसुनवाई में 240 शिकायतें प्राप्त, 134 मामलों का हुआ त्वरित निष्पादन

रांची। आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और पुलिस-जनता संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से रांची जिले के विभिन्न थाना और ओपी में बुधवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण, रांची के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में आम नागरिकों से प्राप्त आवेदन और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस उपाधीक्षकों एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे। जनसुनवाई के दौरान कई थाना क्षेत्रों में संबंधित पुलिस उपाधीक्षक स्वयं उपस्थित रहे और थाना प्रभारियों के साथ मिलकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की। रांची जिले के विभिन्न थानों में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कुल करीब 240 आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 134 मामलों का त्वरित निष्पादन उसी दिन कर दिया गया। वहीं, कुछ मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शेष शिकायतों पर भी गुणवत्तापूर्ण जांच की जा रही है और सभी मामलों में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सिल्ली एवं मुरी ओपी थाना में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिल्ली। सिल्ली एवं मुरी ओ पी थाना परिसर में बुधवार के दिन संध्या 4 बजे सिल्ली पुलिस उपाधीक्षक के निर्देशानुसार नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निवारण हेतु एक विशेष शिविर जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान सिल्ली थाना के अवर निरीक्षक रामदेव कुमार यादव ने नागरिकों द्वारा लाए गए शिकायतों एवं समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुना और कुछ समस्याओं का मौके पर ही त्वरित समाधान किया और कुछ मामलों में उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि जिन मामलों में जांच की आवश्यकता होगी उन्हें समय सीमा के साथ निस्तारित किया जाएगा।उन्होंने आगे कहा कि महिलाओं,वरिष्ठ नागरिकों, एवं कमजोर वर्ग के लोगों की शिकायत पर शीघ्र ही पहल की जाएगी साथ ही भविष्य में भी नागरिकों की सहायता हेतु इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के तहत मुरी ओपी थाना में भी एक व्यक्ति के द्वारा भूमि विवाद का मामला लाया गया जिसका शीघ्र ही थाना के सहयोग से निष्पादन कर दिया

बुढ़मू थाना परिसर में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित

बुढ़मू। वरिय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देश पर बुधवार को बुढ़मू थाना परिसर में आम जनताओ की सुविधा व जन समस्याओ के समाधान हेतु थाना प्रभारी नवीन शर्मा के नेतृत्व में जन शिकायत कोषांग आयोजित की गई। जिसमें आम जनताओ ने अपने शिकायतों को थाना प्रभारी नवीन शर्मा के समक्ष रखा,जिसकी त्वरित मिष्पादन किया गया,इस दौरान थाना प्रभारी नवीन शर्मा ने कहा की इस प्रकार का आयोजन समय समय पर वरिय पुलिस अधिकारियो के निर्देश पर हमलोग करेंगे, जिसकी जानकारी पूर्व में न्यूज व सोशल मिडिया आदि माध्यमो से दी जाएंगी, इस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में आकर अपना आवेदन देंगे, सभी आवेदनो का समाधान तत्काल किया जाएगा. आपकी समस्या हमारी प्राथमिकता है। इस जन शिकायत कार्यक्रम अंतर्गत आपकी शिकायतो को ध्यान पूर्वक सुनी जाएंगी, शिकायत की त्वरित और निष्पक्ष जांच की जाएगी, समस्याओं का समयबद्ध समाधान किया जाएगा साथ ही आम जनताओं से क़ानून व्यवस्था एवं सुरक्षा से सम्बंधित सुझाव भी आमंत्रित किए गए है।

कैसे करें शिकायत दर्ज : थाना परिसर में आकर शिकायत दर्ज करवा सकते है,फोन कॉल या व्हाट्सप्प 9431706190 के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते है,साथ ही थाना परिसर में शिकायत पेटीका में आवेदन डालकर शिकायत दर्ज कराया जा सकता है।

सीएनटी भूमि की कथित फर्जी खरीद-बिक्री की सीटू ने की जांच की मांग

खलारी। बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (सीटू) के जोनल अध्यक्ष एवं पूर्व जिप सदस्य रतिया गंझू ने बुधवार को खलारी थाना प्रभारी को आवेदन सौंपकर मौजा विश्रामपुर की सीएनटी भूमि की कथित फर्जी खरीद-बिक्री की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। आवेदन में उन्होंने बताया कि मौजा विश्रामपुर के खाता संख्या 36 एवं 37 उनके पूर्वजों के नाम से खतियान में दर्ज हैं। उनका आरोप है कि सीएनटी (छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम) के तहत संरक्षित इस भूमि की कुछ बाहरी एवं गैर-अनुसूचित व्यक्तियों द्वारा कथित रूप से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खरीद-बिक्री की गई है। रतिया गंझू ने कहा कि इस मामले से संबंधित वाद सक्षम न्यायालय में लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि डा आशा लकड़ा की अध्यक्षता में इस प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई के लिए अंचल अधिकारी खलारी एवं पुलिस उप अधीक्षक को पूर्व में ही सूचित किया जा चुका है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस मुरी शाखा की ओर से राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर कार्यक्रम

मुरी। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के पावन अवसर पर मुरी के सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जे. कच्छप को दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, मुरी शाखा की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित किया गया।इस अवसर पर दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस मुरी शाखा के सचिव नितीश कुमार सिंह द्वारा डॉ. जे कच्छप को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।तत्पश्चात डॉ.जे कच्छप ने केक काटकर सभी उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस की शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर अस्पताल के सभी चिकित्सकों,नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ एवं समस्त अस्पताल कर्मियों को भी उनके समर्पण, सेवा और मानवता के प्रति योगदान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। डॉ. कच्छप ने अपने संदेश में कहा कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण में पूरे अस्पताल परिवार की टीम भावना,निष्ठा और सेवा को ही सबसे बड़ी शक्ति मानती है।दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस, मुरी शाखा ने समस्त चिकित्सकों एवं अस्पताल परिवार के प्रति अपना आभार व्यक्त किया और साथ ही उनके उत्तम स्वास्थ्य,दीर्घायु तथा निरंतर सेवा भावना की मंगलकामना दिया।

12वें जेबीसीसीआई के गठन की मांग को लेकर पिपरवार में संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। 12वें संयुक्त द्विपक्षीय समिति (जेबीसीसीआई) के शीघ्र गठन की मांग को लेकर बुधवार को पिपरवार क्षेत्र में संयुक्त मोर्चा के बैनर तले मजदूरों ने विशाल प्रदर्शन किया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत विभिन्न ट्रेड यूनियनों से जुड़े करीब एक हजार मजदूरों ने हनुमान मंदिर परिसर में एकत्र होकर जोरदार प्रदर्शन किया तथा जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए सीसीएल पिपरवार महाप्रबंधक कार्यालय पहुंचे। वहां सभा आयोजित करने के बाद संयुक्त मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने प्रबंधन को 12वें जेबीसीसीआई के गठन की मांग संबंधी ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने 12वें जेबीसीसीआई का गठन शीघ्र करने, वेज बोर्ड की प्रक्रिया आगे बढ़ाने तथा श्रमिक हितों से जुड़े लंबित मुद्दों का अविलंब समाधान करने की मांग उठाई। तपती धूप के बावजूद बड़ी संख्या में मजदूरों की भागीदारी और उनका उत्साह देखने लायक था। विभिन्न परियोजनाओं से पहुंचे श्रमिकों ने एकजुटता का परिचय देते हुए श्रमिक अधिकारों की लड़ाई को आगे भी मजबूती से जारी रखने का संकल्प लिया। महाप्रबंधक कार्यालय के समक्ष आयोजित सभा का संचालन जनता मजदूर संघ के नेता रविंद्रनाथ सिंह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए संयुक्त ट्रेड यूनियनों के नेताओं ने कहा कि लंबे समय से 12वें जेबीसीसीआई के गठन में हो रही देरी से कोयला उद्योग के लाखों श्रमिकों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने केंद्र सरकार एवं कोल इंडिया प्रबंधन से जल्द से जल्द 12वें जेबीसीसीआई का गठन कर वेतन समझौते की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। सभा को अरविंद शर्मा, हाजी इस्लाम अंसारी, भीम सिंह यादव, भीम प्रसाद मेहता, कासिम उर्फ मुन्ना, इकबाल हुसैन तथा ओमप्रकाश प्रजापति सहित संयुक्त ट्रेड यूनियनों के कई नेताओं ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि यदि शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन एवं सभा में अब्दुल्ला, निर्मल सिंह, रामू गोप, के.के. चतुर्वेदी, परमेश्वर गंझू, मोहम्मद रहमतुल्लाह, संगीता टाना भगत, सीमा देवी, दिनेश ठाकुर सहित सैकड़ों मजदूर उपस्थित थे।

खलारी थाना में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में एक दर्जन मामलों की हुई सुनवाई

खलारी। खलारी थाना परिसर में बुधवार को डीएसपी रामनारायण चौधरी की उपस्थिति में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, पति-पत्नी के बीच उत्पन्न मतभेद समेत करीब एक दर्जन शिकायतें प्राप्त हुई। डीएसपी आरएन चौधरी ने सभी मामलों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निष्पक्ष एवं त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई विवाद आपसी संवाद और समझदारी से भी सुलझाए जा सकते हैं। उन्होंने लोगों से कानून का पालन करते हुए शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में बेझिझक थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस आमजन की सेवा के लिए 24 घंटे तत्पर है। थाना प्रभारी पुनि रामकुमार वर्मा ने बताया कि जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर शीघ्र एवं निष्पक्ष समाधान करना है।

आधुनिक स्टेम लैब का हुआ उद्घाटन

विद्यार्थियों को मिलेगा विज्ञान एवं तकनीक आधारित शिक्षा का लाभ

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के बचरा स्थित राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय में बुधवार को आधुनिक स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित) लैब का उद्घाटन सीसीएल मगध क्षेत्र के महाप्रबंधक चितरंजन कुमार द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण वैज्ञानिक शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक चितरंजन कुमार ने कहा कि वर्तमान समय विज्ञान एवं तकनीक का युग है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें प्रयोगात्मक एवं नवाचार आधारित शिक्षा से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्टेम लैब के माध्यम से छात्र-छात्राएं विज्ञान, गणित, इंजीनियरिंग और तकनीक के विभिन्न विषयों को व्यावहारिक रूप से समझ सकेंगे, जिससे उनकी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता का विकास होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव गुंजन सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में इस प्रकार की आधुनिक सुविधाओं का उपलब्ध होना शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देगा।

सीसीएल के कर्मचारियों को दी विदाई

नवीन मेल संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा ऑफिसर्स क्लब में मंगलवार को जून माह में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक वेस्ट परियोजना के परियोजना पदाधिकारी विमल कुमार एवं वीरेंद्र महतो ने संयुक्त रूप से की। समारोह में अधिकारियों एवं यूनियन प्रतिनिधियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनके लंबे सेवाकाल के प्रति सम्मान व्यक्त किया तथा उनके सुखद एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की। इस अवसर पर बताया गया कि पिपरवार क्षेत्र से जून 2026 में कुल छह गैर-कार्यकारी (नॉन-एक्जीक्यूटिव) कर्मचारी अपनी लंबी एवं उल्लेखनीय सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हुए हैं। सभी कर्मचारियों की ग्रेच्युटी स्वीकृत कर दी गई है, जबकि अधिकांश सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान भी पूरा कर दिया गया है। प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों को समय पर सभी वैधानिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। जून माह में सेवानिवृत्त होने वालों में अशोक ओसीपी के मुख्य स्टोर कीपर सुशील कुमार यादव, सीएचपी-सीपीपी के फोरमैन अशोक कुमार विश्वकर्मा, एक्सप्लोसिव कैरियर अंजुलुस बेक, पिपरवार परियोजना के पंप ऑपरेटर रामराज मांझी, ई.पी. फिटर सुखदेव महतो तथा अशोक ओसीपी के पंप ऑपरेटर रामेश्वर लोहार शामिल हैं। इन सभी कर्मचारियों ने लगभग तीन से चार दशक तक विभिन्न परियोजनाओं में अपनी सेवाएं देकर कोयला उत्पादन एवं कंपनी की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हाइवा की चपेट में आने से सीसीएल कर्मी की मौत

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के चिरैयाटांड़ किचटो में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में सीसीएल कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रांची-टंडवा मुख्य मार्ग पर प्रीतम महतो उर्फ गबड़ महतो के घर के समीप हुई, जहां तेज रफ्तार हाईवा वाहन ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। मृतक की पहचान किचटो निवासी गणेश महतो उर्फ भोला महतो (पिता- स्वर्गीय मकलू महतो) के रूप में हुई है। वह सीसीएल की सीएचपी परियोजना में कार्यरत थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हाईवा की रफ्तार काफी तेज थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गणेश महतो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और उनका शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। हादसे से आक्रोशित लोगों ने रांची-टंडवा मुख्य मार्ग पर ट्रांसपोर्टिंग सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। ग्रामीण दोषी वाहन चालक की गिरफ्तारी, मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा तथा सड़क सुरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था की मांग कर रहे हैं।

कांटाटोली में पान गुमटी से 1.68 किलो गांजा बरामद, पिता-पुत्र गिरफ्तार

● लोअर बाजार थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रांची पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कांटाटोली चौक स्थित एसबीआई बैंक के सामने एक पान गुमटी से अवैध गांजा बरामद करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पिता-पुत्र शामिल हैं। वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के निर्देश पर नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान के साथ-साथ मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री करने वालों के विरुद्ध विशेष छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में एसएसपी को 30 जून 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि कांटाटोली चौक स्थित एसबीआई बैंक के सामने एक पान गुमटी में अवैध रूप से गांजा की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान पान गुमटी संचालक ने अपना नाम रंजन कुमार (27 वर्ष) और सीताराम ठाकुर (65 वर्ष) बताया। तलाशी के दौरान सीताराम ठाकुर के पैंट के पैकेट से चार गांजा पुड़िया और रंजन कुमार के पैंट के पैकेट से चार गांजा पुड़िया बरामद हुई। इसके बाद पान गुमटी की तलाशी लेने पर कुल 1.684 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। इस मामले में लोअर बाजार थाना कांड संख्या-116/2026, दिनांक 30 जून 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(II)(बी)/22(6) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में गांजा को बिक्री के उद्देश्य से रखने की बात स्वीकार की है। पुलिस स्वीकारोक्ति बयान में सामने आए तथ्यों का सत्यापन कर आगे की कार्रवाई कर रही है। **गिरफ्तार आरोपी:** रंजन कुमार, उम्र करीब 27 वर्ष, पिता-सीताराम ठाकुर, निवासी कुम्हार टोली, पुरुलिया रोड, थाना लोअर बाजार, रांची। सीताराम ठाकुर, उम्र करीब 65 वर्ष, पिता-स्व. जुगुल ठाकुर, निवासी कुम्हार टोली, पुरुलिया रोड, थाना लोअर बाजार, रांची।

सुनवाई | बेड़ो थाना में जन शिकायत समाधान दिवस का आयोजन

समस्याओं के समाधान के प्रति पुलिस है गंभीर : डीएसपी

● डीएसपी ने बताया कि रांची के सीनियर एसपी सर के निर्देशानुसार शिविर के दौरान दर्जनों लोगों की शिकायतें सुनी

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना क्षेत्र के सभी आम लोगों की समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए बुधवार को एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बेडो. के पुलिस उपाधीक्षक दीपक कुमार ने किया। इस मौके पर डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान के प्रति पुलिस प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। वहीं दूसरी ओर दर्जनों लोगों ने बेडो. थाना पहुंचकर अपनी अपनी समस्याओं को डीएसपी दीपक कुमार से कही। डीएसपी दीपक कुमार ने बताया कि रांची के सीनियर एसपी सर के निर्देशानुसार जन शिकायत समाधान शिविर के दौरान दर्जनों लोगों की समस्याओं को उन्होंने ध्यान पूर्वक सबकी शिकायतें सुनी। इस मौके पर डीएसपी दीपक कुमार ने बताया कि रांची पुलिस के तत्वावधान में एक दिवसीय जन शिकायत समाधान शिविर का बुधवार को आयोजित किया गया। शिविर के दौरान एक युवक के द्वारा तीन अलग-अलग युवतियों को शादी का झांसा और प्रलोभन देकर उनके साथ अनैतिक संबंध बनाने का मामला जनशिकायत समाधान कार्यक्रम में आया। जहां तीन युवतियों ने थाना पहुंचकर युवक के खिलाफ यौन शोषण को लेकर कार्रवाई करने की मांग की गई। इनमे से कई मामलों में ऑन द स्पॉट एफआईआर दर्ज की गई और ग्रामीणों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं दूसरी ओर एक विवाहित बेटी की मां थाना पहुंचकर अपने दामाद जरिया निवासी पंकज कुमार महतो को समझाने बुझाने का की गुहार लगाई। वहीं तीसरा मामला ईटा पंचायत की आंगनबाड़ी सेविका के द्वारा की गई जिसमें उसके साथ मोबाइल फोन पर अज्ञात युवक के द्वारा दी गई धमकी पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। वहीं दूसरी ओर झारखंड ग्रामीण बैंक की शाखा के एक ग्राहक को झांसा देकर उसकी राशि को निकाल लेने के साइबर फ्रॉड का मामला दर्ज कराया गया। वहीं अन्य मामले जमीन विवाद के संदर्भ में आया जिसे डीएसपी ने अंचलाधिकारी के पास जाकर सुलझा लेने का आग्रह किया गया। इस मौके पर डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि अपनी किसी भी स्थानीय या व्यक्तिगत समस्या को सीधे अधिकारियों के सामने रखें। आपकी शिकायतों और समस्याओं का तत्काल (मौके पर ही) समाधान किया जाएगा। इस मौके पर डीएसपी दीपक कुमार ने लोगों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। जमीन संबंधी आवेदनों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे मामले सीओ के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी पुलिस की जरूरत होगी, वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी। डीएसपी ने ग्रामीणों से अपील की कि छोटे-मोटे विवादों को थाने तक न लाएं और गांव में ही आपसी बैठक कर सुलझाने का प्रयास करें। इसमें मुखिया और पंचायत समिति सदस्य भी मदद करेंगे।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण-2026 के कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

गणना प्रपत्रों के वितरण कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

● उपायुक्त ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के बीच वितरित किए गए गणना प्रपत्रों की प्रगति की जानकारी ली

नवीन मेल संवाददाता

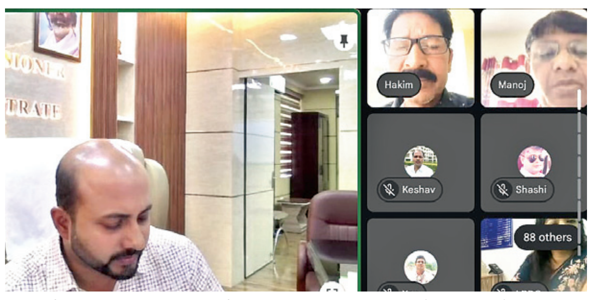

रामगढ़। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर -2026) के तहत जिले में संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में 22-बड़कागांव एवं 23-रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चल रहे गणना प्रपत्रों के वितरण, डिजिटाइजेशन एवं क्षेत्रीय निरीक्षण कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं के बीच वितरित किए गए गणना प्रपत्रों की प्रगति की जानकारी ली। इस क्रम में जिन सुपरवाइजरों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं पाया गया, उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए पूरी गंभीरता, जिम्मेदारी एवं निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्य निष्पादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण निर्वाचन आयोग का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में उपायुक्त ने गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य की भी समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को इस कार्य में तेजी लाते हुए निर्धारित समयावधि के भीतर लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटाइजेशन कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जाए ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके। उपायुक्त ने निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (एईआरओ) को क्षेत्र में नियमित निरीक्षण कर कार्यों की सतत निगरानी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं सुपरवाइजर बूथ स्तर पर संचालित गतिविधियों पर निरंतर नजर रखें तथा किसी भी प्रकार की समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान सफलतापूर्वक एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जा सके।

सिद्धू-कान्हू के बलिदान को किया याद

हूल दिवस पर आदिवासी समाज ने निकाली जागरूकता रैली

बरही। हूल दिवस के अवसर पर बरही प्रखंड के खोड़ाहर में श्रद्धांजलि सभा एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए। जिनका आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाज और नृत्य के साथ स्वागत किया।
कार्यक्रम में सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सांसद ने कहा कि संथाल हूल आंदोलन आदिवासी समाज के स्वाभिमान, अधिकार और संघर्ष का प्रतीक है। शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सांसद श्री जायसवाल ने कहा कि हूल दिवस हमें अपने इतिहास और विरासत से जोड़ता है। सिद्धू-कान्हू सहित सभी वीर शहीदों का संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आदिवासी समाज के विकास और अधिकारों की रक्षा के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला-पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। गांव में जागरूकता रैली भी निकाली गई। लोगों ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा सामाजिक एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। सभी ने शहीदों के सपनों के अनुरूप समाज निर्माण का संकल्प लिया।

मवि खोड़ाहर ने मवि बरही को 2-0 से हराकर खिताब जीता

बरही। प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन बुधवार को लिटिल चैंप वर्ग के रोमांचक मुकाबले के साथ हुआ। प्रतियोगिता में मध्य विद्यालय बरहीडीह, खोड़ाहर, बेसिक स्कूल पंचमाधव और मध्य विद्यालय बरही के नन्हे खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। 3 से 5 कक्षा (अंडर 12 वर्ष) के खिलाड़ियों के बीच खेले गए ।फाइनल मुकाबले में मध्य विद्यालय खोड़ाहर ने मध्य विद्यालय बरही को 2-0 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, समापन अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को शील्ड देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में चयनित सभी विजेता टीमें अब जिला स्तरीय सुब्रतो कप प्रतियोगिता में भाग लेंगी। जि ला स्तर पर सफल होने वाली टीमें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना दमखम दिखाएंगी। इस वर्ष अंडर-17 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय करियातपुर, अंडर-17 बालिका वर्ग में केजीबीवी बरही तथा अंडर-15 बालक वर्ग में मध्य विद्यालय करियातपुर ने विजेता बनने का गौरव हासिल किया।प्रतियोगिता के सफल संचालन में बीपीएम अरुण कुमार के साथ आयोजन समिति के डॉ. सुनील कुमार यादव, संजय कुमार दुबे, मथुरा प्रसाद, विजय कुमार दास, किशोर कुमार, रौशन कुमार, भगवान सिंह, प्रतिमा कुमारी, दीपक कुमार यादव, मनोज घोष सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में डॉक्टर्स डे मनाया गया

विद्यार्थियों ने चिकित्सकों को किया नमन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल में मानवता की सेवा के लिए समर्पित चिकित्सकों के सम्मान में डॉक्टर्स डे हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चिकित्सकों के उत्तम स्वास्थ्य एवं मानव सेवा की भावना के लिए विशेष प्रार्थना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को डॉक्टरों के अमूल्य योगदान एवं समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों ने डॉक्टरों के सम्मान में आकर्षक शुभकामना कार्ड तैयार किए। इनमें से चयनित कार्ड सदर अस्पताल के चिकित्सकों को सम्मान एवं आभार स्वरूप भेंट करने के लिए भेजे गए। डॉक्टर्स डे के उपलक्ष्य में कक्षा 9 एवं 11 के विद्यार्थियों के लिए जीवविज्ञान विभाग द्वारा एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को रक्तचाप (बी. पी.) मापने की विधि, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), जलने से होने वाले घाव का उपचार, विद्युत करंट लगने पर आवश्यक प्राथमिक सहायता, साँप के काटने तथा कीड़े के डंक लगने पर अपनाई जाने वाली प्रारंभिक उपचार प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण ने विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सजग एवं सहायक बनने की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह, जीवविज्ञान शिक्षक रामदास डे, रसायन विज्ञान शिक्षक संजय कुमार मिश्रा एवं जीवविज्ञान शिक्षिका नीतू सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अंत में सभी ने चिकित्सकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके समर्पण और सेवा भावना को नमन किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने डॉक्टर के निःस्वार्थ सेवा भाव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि धरती पर मानवता की सेवा करने वाले डॉक्टर को सम्मान देना हम सब का कर्तव्य है। हमें उनका आभार मानना चाहिए।

203 कोबरा बटालियन में स्वास्थ्य अस्थि रोग जांच शिविर आयोजित

जवानों व उनके परिवारों का बेहतर स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकताओं में है शामिल : कमांडेट

नवीन मेल संवाददाता

बरही। 203 कोबरा बटालियन, सीआरपीएफ के बरही स्थित कैंप में जवानों एवं उनके परिवारजनों के लिए निःशुल्क अस्थि रोग स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य बल के जवानों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा हड्डी एवं जोड़ संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक करना था।
रांची के राज हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम ने शिविर में भाग लेकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। वरिष्ठ अस्थि एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक राय ने हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं की जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की आवश्यकता पर भी विस्तार से जानकारी दी।
इस अवसर पर 203 कोबरा बटालियन के कमांडेंट पवन कुमार सिंह ने कहा कि जवान देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनका शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जवानों के साथ-साथ उनके परिवारों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बल की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ऐसे स्वास्थ्य शिविर न केवल बीमारियों की समय रहते पहचान में सहायक होते हैं, बल्कि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं।
कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी डब्ल्यू. समनन्दा सिंह, डॉ. विनोद कुमार त्रिवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में जवानों एवं उनके परिजनों ने भाग लेकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। अंत में चिकित्सा दल को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

डॉक्टर्स डे पर बटेश्वर ने कहा, मानवलोक के भगवान हैं डॉक्टर

बरकट्ठा। डॉक्टर्स डे पर झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष बटेश्वर मेहता ने डॉक्टरों को शुभकामना देते हुए कहा कि डॉक्टर मानवलोक के भगवान हैं। एक भगवान जन्म देते हैं तो दूसरे भगवान के रूप में डॉक्टर भी गंभीर परिस्थितियों में जीवनदान देते हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टर को भगवान के रूप में देखते हैं। उन्हें मानवता को ध्यान में रखते हुए लोंगो का इलाज कर जीवनदान देने का प्रयास करें। बटेश्वर ने कहा चिकित्सा पेशा को व्यावसायीकरण नहीं कर गरीब रोगियों के प्रति सहानुभूति रखकर नई जींदगी देकर उनके जीवन में नया ज्योत जलाने का प्रयास करें। डॉक्टर लोंगो को दूसरी जिंदगी देते हैं।

शहीद जगदेव महतो को शहादत दिवस पर दी गई श्रद्धांजलि

कुजू। झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारी शहीद जलेश्वर महतो की 33वीं पुण्यतिथि बुधवार को क्षेत्र के रतवे नाबाटांड़ में स्मारक स्थल पर मनाई गई। झामुमो परिवार की ओर से आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बतौर मुख्य अतिथि झामुमो केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत आयोजन समिति ने फूलमाला पहनाकर किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद जलेश्वर महतो की पत्नी सुशीला देवी, पुत्री ममता कुमारी, भाई रामेश्वर महतो व परिवार के अन्य सदस्यों ने शहीद वेदी व प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान परिजनों के क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। बाद में मुख्य अतिथि समेत अन्य लोगों ने शहीद वेदी व प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए नारेबाजी किया। इस दौरान आयोजित सभा में कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार को रखा।

खेती बाड़ी

राधा महिला मंडल' से जुड़कर सुप्रिया ने शुरू किया अपना रोजगार

सुप्रिया देवी कृषि और बकरी पालन से बनीं आत्मनिर्भर

● सुप्रिया देवी के पास वर्तमान में 16 बकरियां हैं, अब वह हर महीने बकरी पालन से 5,000 से 7,000 रुपये तक कमा लेती है

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड के अंतर्गत चोकाद पंचायत के चोपदारू गांव की सुप्रिया देवी (पति प्रकाश महतो) अपने पति और बच्चों के साथ रहती हैं। आज भले ही सुप्रिया देवी के चेहरे पर एक आत्मविश्वास भरी मुस्कान दिखाई देती है, लेकिन कुछ साल पहले तक उनका जीवन ऐसा बिल्कुल नहीं था। समूह से जुड़ने से पहले उनके घर की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय और चिंताजनक थी। परिवार की आय का कोई निश्चित साधन नहीं था, जिसके कारण रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना भी एक बड़ी चुनौती बन गया था। इन आर्थिक तंगियों के बीच सुप्रिया देवी का जीवन घर की चारदीवारी तक ही सीमित था। उन्हें समाज में बाहर निकलने, लोगों से बात करने या किसी सामाजिक गतिविधि में भाग लेने का कोई अवसर नहीं मिलता था। एक घनी निराशा ने उनके पूरे परिवार को घेर रखा था। सुप्रिया देवी के गांव चोपदारू में साल 2007 से ही स्वयं सहायता समूहों की शुरुआत हो चुकी थी, लेकिन उनके जीवन में असली बदलाव का मोड़ साल 2016 में आया। उस समय 'झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी' के तहत एक विशेष अभियान (ड्राइव) चलाया जा रहा था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था। इसी अभियान से प्रेरित होकर सुप्रिया देवी ने भी कदम आगे बढ़ाया और दिनांक 07-02-2016 को गठित 'राधा महिला मंडल' से जुडी। इस समूह में कुल 13 सक्रिय सदस्य शामिल है। सुप्रिया देवी ने तय किया कि वह हर सप्ताह 10 रुपए की छोटी सी बचत करेंगी। यह 10 रुपये की साप्ताहिक बचत केवल पैसों का संचय नहीं था, बल्कि सुप्रिया देवी और उनके जैसी कई महिलाओं के सुनहरे भविष्य की मजबूत नींव थी। समूह में जुड़ने के बाद सुप्रिया देवी ने धीरे-धीरे बैंकिंग और पैसों के लेन-देन को समझना शुरू किया। जब उनका आत्मविश्वास बढ़ा, तो उन्होंने अपने परिवार को गरीबी के दलदल से बाहर निकालने के लिए एक व्यवसाय शुरू करने की योजना बनाई। उन्होंने इसके लिए अपने समूह में 20,000 रुपये के ऋण का प्रस्ताव रखा। समूह के नियमों और आपसी सहमति के आधार पर उन्हें पहली बार में 10,000 रुपये का ऋण मंजूर हुआ। सुप्रिया देवी ने इस राशि को व्यर्थ नहीं जाने दिया। उन्होंने इस पैसे से बकरी पालन का काम शुरू किया जिसमे एक बकरा और दो बकरियां खरीदी और साथ ही कृषि कार्यों में भी हाथ बंटाना शुरु किया। जेएसएलपीएस के मार्गदर्शन में उन्होंने इस व्यवसाय को सही तरीके से संभालना सीखा। बकरी पालन और खेती के क्षेत्र में सुप्रिया देवी की कड़ी मेहनत रंग लाने लगी। उनके द्वारा पाले गए बकरों और बकरियों की बाजार में अच्छी मांग होने लगी, जिससे उन्हें नियमित रूप से आमदनी होने लगी। आज सुप्रिया देवी के पास वर्तमान में 16 बकरियां है। अब वह हर महीने बकरी पालन और सब्जी खेती (बोदी, मिर्चा, आलू, बैंगन) से 5,000 से 7,000 रुपये तक की शुद्ध कमाई आसानी से कर लेती हैं। अगर सालाना मुनाफे की बात की जाए, तो वह हर साल कम से कम 80,000 रुपये तक की आय हो रही हैं। इस अच्छी आमदनी ने उनके घर की तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने धीरे-धीरे अपने व्यवसाय की पूँजी को बढ़ाया और घर की तमाम आर्थिक समस्याओं को दूर किया। इस वित्तीय स्वतंत्रता का सबसे बड़ा लाभउनके बच्चों को मिला; अब उनके बच्चों का पालन-पोषण अच्छे से हो रहा है और वे एक अच्छे स्कूल में गुणवतापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही, सुप्रिया देवी अब अपने भविष्य के लिए बचत भी कर पा रही हैं। सुप्रिया देवी की यह यात्रा केवल आर्थिक सुधार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके मानसिक और सामाजिक सशक्तिकरण की भी कहानी है। जो महिला कभी घर से बाहर निकलने में झिझकती थी, आज वह अपने परिवार की मुख्य आर्थिक रीढ़ बन चुकी है।

दृष्टिपात

सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में यूएमएस डुमरडीहा एक गोल से जीता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के बरकट्ठा दक्षिणी पंचायत अंतर्गत बरकट्ठा अडवार स्थित स्टेडियम में 65 वीं सुब्रतो फुटबॉल कप प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का विधिवत् उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी सुमन कुमार सौरभ, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद ने फुटबॉल कीक लगाकर किया। प्रतियोगिता में अंडर 15 के कुल 05 विद्यालय के खिलाड़ी पहुंचे। उद्घाटन मैच पीएम श्री यूएचएस गंगपाचो बनाम यूएमएस डुमरडीहा के बीच खेला गया। जिसमें डुमरडीहा की टीम ने गंगपाचो की टीम को एक गोल से हरा दिया। मध्यांतर तक दोनों टीमें गोल रहित बराबर थी। मौके पर बीडीओ सर सीओ ने कहा कि शिक्षा के साथ साथ खेल प्रतियोगिता आवश्यक है। खेलकूद के माध्यम से भी बच्चे अपने कैरियर बना सकते हैं। मौके पर बीआरसी से चंदन सोनी, लेखपाल आसिफ अली, विनय कुमार, संजय प्रसाद, धीरज शर्मा, दिनेश तिवारी, हरिकांत पाण्डेय, गोपाल राम, बीरेन्द्र कुमार यादव, हरिकेश सिंह सहायक कर्मी महेश गुप्ता, सुखदेव हांसदा, महेश प्रसाद, रेफरी बालेश्वर सिंह, प्रदीप सिंह समेत आदि लोग आदि उपस्थित थे।

झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ने केंद्रीय स्कूल खोलने की मांग की

बरकट्ठा। झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से हजारीबाग मुख्यालय में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री और कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी के प्रयास और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के सहयोग से बरकट्ठा में केंद्रीय विद्यालय शुरू करने को लेकर बधाई दिया है। बटेश्वर मेहता ने आगे कहा कि जिला मुख्यालय हजारीबाग में भी केंद्रीय विद्यालय खुलने से जिले के सभी प्रखंडों के गरीब और मेधावी बच्चे को पढ़ने में सुविधा होगी।

इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया

रामगढ़। सत्र 2026–27 के प्रथम दिवस पर 1 जुलाई को इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. वी.के. सिन्हा को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया गया। डॉ. वी.के. सिन्हा ने वर्ष 1978 में एमबीबीएस तथा 1982 में बीएचयू मेडिकल कॉलेज से एमडी की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1982 से वे निरंतर चिकित्सा सेवा प्रदान कर रहे हैं। अपने दीर्घ चिकित्सकीय जीवन में उन्होंने सीसीएल , वृंदावन हॉस्पिटल, होप हॉस्पिटल सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों एवं संगठनों में अपनी सेवाएँ दी हैं। वे ए.पी.आई. , आई.एम.ए. , आर.एस.एस. (RSS) तथा टी.आई. के आजीवन सदस्य भी हैं।
प्रतिवर्ष 1 जुलाई को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस डॉक्टरों के योगदान, सेवा और समर्पण के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। डॉक्टर न केवल बीमारियों का उपचार करते हैं, बल्कि कठिन समय में मरीजों एवं उनके परिजनों को मानसिक संबल और आशा भी प्रदान करते हैं। उनका समर्पण, संवेदनशीलता और सेवा-भाव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा श्वेता जैन, निधि चौधरी, प्रियंका जैन, अनुराधा श्रॉफ, मनबीर कौर, रेणु मेवाड़, पिंकी पोद्दार, मेघा बगड़िया, नमिता श्रॉफ, सुमा सोनी, ममता अग्रवाल, मधु अग्रवाल एवं अंबाली जैन उपस्थित रहीं।

जिला परिषद बैठक में बरही की विकास योजनाओं को मिला प्रमुखता से स्थान

हजारीबाग/बरही । जिला परिषद हजारीबाग की साधारण बैठक मंगलवार को जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद की अध्यक्षता में जिला परिषद सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में सचिव सह उप विकास आयुक्त रिया सिंह सहित जिला परिषद सदस्य एवं विभिन्न जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने विधायक मनोज कुमार यादव के मार्गदर्शन में क्षेत्र की विकास संबंधी कई महत्वपूर्ण योजनाओं और जनसमस्याओं को सदन के समक्ष रखा। उन्होंने शिक्षा, बिजली, पेयजल, सिंचाई व्यवस्था, सड़क निर्माण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी आवश्यक योजनाओं को प्राथमिकता के साथ उठाते हुए इनके शीघ्र क्रियान्वयन की मांग की। बरही विधायक प्रतिनिधि श्री ठाकुर ने कहा कि बरही विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में विकास कार्यों को गति देने तथा आम लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन मुद्दों को जिला परिषद की बैठक में रखा गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संबंधित विभाग इन योजनाओं पर शीघ्र कार्रवाई करेंगे। बैठक के दौरान उठाए गए विषयों पर अध्यक्ष व सचिव द्वारा नियमानुसार कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। बैठक में जिला परिषद सदस्या प्रीति गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता सहित जिला परिषद के सदस्य, अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

विधायकों और नेताओं ने सांसद मनीष जायसवाल के सेवा और विकास कार्यों की सराहना की

रामगढ़। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के कार्यकाल के सफल दो वर्ष पूर्ण होने पर एनडीए गठबंधन के विधायकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सांसद मनीष जायसवाल के उपलब्धियों को लेकर पैराडाइज रिसॉर्ट में आयोजित एक विशेष प्रेस-वार्ता के दौरान उन्हें संयुक्त रूप से बधाई दिया। इस अवसर पर सदर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद, मांडू विधानसभा क्षेत्र के आजसू पार्टी के विधायक निर्मल महतो उर्फ़ तिवारी महतो, हजारीबाग भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, हजारीबाग आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो और रामगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बबला सहित एनडीए के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने सांसद मनीष जायसवाल के जनहित के सेवा कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और उनके कार्यकाल को बेमिसाल बताया। प्रेस-वार्ता में नेताओं ने कहा कि सांसद मनीष जायसवाल निरंतर अपने क्षेत्र के लोगों के बीच समय व्यतीत करते हैं और हर सुख-दुख में उनके सहभागी बनते हैं। उन्होंने क्षेत्र के विकास, उत्थान और जनता की समस्याओं को लेकर सड़क से लेकर देश के सर्वोच्च सदन तक हमेशा पूरी मुखरता के साथ आवाज बुलंद की है।

सिमडेगा सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया के प्रतिभा सम्मान समारोह में 64 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

शिक्षा ही किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति है : डीसी

● डीसी ने कुरआन की आयत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्लाम में भी इल्म हासिल करने पर विशेष जोर दिया है

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया की ओर से मंगलवार की शाम शहर के जमजम मैरिज हॉल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों,शिक्षाविदों,समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि उपायुक्त कंचन सिंह ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि शिक्षा ही किसी भी समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज सम्मानित होने वाले विद्यार्थी अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा हैं। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता,बल्कि निरंतर मेहनत,अनुशासन और सकारात्मक सोच से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। डीसी ने कुरआन की आयत का उल्लेख करते हुए कहा कि इस्लाम में भी इल्म हासिल करने पर विशेष जोर दिया गया है।

अनुमंडल पदाधिकारी सुमंत तिर्की ने कहा कि प्रतिभा का सम्मान समाज को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करते हुए अपने सपनों को साकार करने का आग्रह किया।सदर अंचलाधिकारी इम्तियाज अहमद ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। आज के विद्यार्थी ही भविष्य के डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी और समाज के नेतृत्वकर्ता बनेंगे। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक आगे बढ़ने की जरूरत है।पूरी ईमानदारी और लगन से मेहनत करने पर सफलता अवश्य मिलती है। कार्यपालक दंडाधिकारी आमिर हमजा ने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य तय कर पूरी निष्ठा के साथ तैयारी करने वाले विद्यार्थी निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मविश्वास बनाए रखने और चुनौतियों से घबराने के बजाय उनका डटकर सामना करने की अपील की। वरीय अधिवक्ता शमीम अख्तर ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन भी जीवन में उतना ही आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नशा एवं अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा मोबाइल फोन का उपयोग केवल पढ़ाई और ज्ञानवर्धन के लिए करने की सलाह दी। समारोह में आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुए सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया के सदर मो.गयास ने कहा कि संस्था का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना,शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार करना तथा नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि संस्था आगे भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी।

समारोह में मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा के जिले के टॉप-3 विद्यार्थियों के अलावा मुस्लिम समाज के उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सीबीएसई बोर्ड में 75 प्रतिशत या उससे अधिक तथा जैक बोर्ड में 70 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए। कुल 64 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने के लिए पीएम श्री उर्दू हाई स्कूल,खैरनटोली को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि शमी आलम, शकील अहमद,झामुमो जिला सचिव शफीक खान,अख्तर खान, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मोतीलाल अग्रवाल, सचिव दीपक रिंकू, मारवाड़ी युवा मंच के सचिव सौरभ शर्मा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, समाज के गणमान्य नागरिक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बिजली व्यवस्था से नाराज ग्रामीणों ने की सड़क जाम

आश्वासन के बाद समाप्त हुआ प्रदर्शन

● सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन प्रभावित रहा

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। बिजली विभाग की कार्यशैली और लगातार खराब विद्युत आपूर्ति से नाराज ग्रामीणों ने बुधवार को कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रखंड अध्यक्ष जीशान फिरदौश खान, युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष तौफीक अख्तर एवं विधायक प्रतिनिधि दीपक जायसवाल के नेतृत्व में सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।

सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर बीडीओ नैमन कुजूर तथा थाना प्रभारी विनय कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं और बिजली व्यवस्था में सुधार के साथ लाइनमैन श्रवण प्रसाद को कुरडेग से हटाने की मांग पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रशासन के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर यातायात सामान्य कर दिया।

जहरीले सांप काटने से एक व्यक्ति की इलाज के क्रम में हुई मौत

बोलबा। बोलबा थाना क्षेत्र के पालेमुंडा करंजटोली गांव निवासी लिबिन खेस को बीती देर रात जहरीले सांप काटने से ईलाज के क्रम में हुई मौत। घटना के संबंध में बताया गया कि पालेमुंडा करंज टोली गांव के लिबिन खेस शराब के नशे अपने घर मे सो रहा थादेर रात उसे जहरीले सांप ने काट लिया। नशे की की वजह से सांप काटने की उसे जानकारी नहीं हुई। इधर बुधवार की अगले सुबह जब उसके भाई की नजर पड़ी की मुंह से झाग निकल रहा है । ग्रामीणों की मदद से उसे तुरंत इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोलबा लाया गया। इधर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सक द्वारा उसकी बिगड़ती हालत को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया गया। इधर सदर अस्पताल सिमडेगा में इलाज के क्रम में चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

बानो में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

डीटीओ ने छात्र-छात्राओं को बताए सुरक्षित यातायात के नियम

नवीन मेल संवाददाता

बानो। उपायुक्त कंचन सिंह के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग द्वारा बुधवार को मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं एसएस+2 उच्च विद्यालय, बानो में सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार बखला ने किया। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आयोजित कार्यक्रम में डीटीओ ने छात्राओं को हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, वैध ड्राइविंग लाइसेंस, यातायात संकेतों के पालन तथा सुरक्षित वाहन संचालन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर अधिकांश दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. प्रह्लाद मिश्रा ने भी जागरूकता को दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय बताया।इसके बाद एसएस+2 उच्च विद्यालय, बानो में आयोजित जागरूकता अभियान में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को हेलमेट, सीट बेल्ट, निर्धारित गति सीमा, ओवरलोडिंग से बचने, मोबाइल का उपयोग न करने, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा नाबालिगों को वाहन न चलाने देने की अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। दोनों कार्यक्रमों में शिक्षक, परिवहन विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सिमडेगा अग्रवाल सभा ने किया चिन्मय अमृत यात्रा का स्वागत

● मिशन की 75वीं वर्षगांठ (अमृत महोत्सव) के उपलक्ष्य में अमृत यात्रा का आयोजन किया गया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। चिन्मय मिशन के स्थापना के 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित चिन्मय अमृत यात्रा बुधवार को झारखंड पहुंची। मौके पर सिमडेगा में अग्रवाल सभा के द्वारा आनंद भवन में यात्रा का स्वागत किया गया। आनंद भवन में चिन्यामंद स्वामी जी की प्रतिमा और उनकी चरण पादुका का पूजन करते हुए आरती की गई। मौके पर चिन्मयानंद आश्रम के लोगों ने बताया कि पुणे से शुरू हुई ये यात्रा पूरे देश भर का भ्रमण करने के बाद अक्टूबर माह में दिल्ली पहुंचेगी, जहां इस यात्रा का समापन होगा। यात्रा के माध्यम से लोगों को गीता के उपदेश एवं लोगों के जीवन में गीता के महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए जागरूकता फैलाई जा रही है। अमृत यात्रा की कोऑर्डिनेटर तारणी माताजी ने बताया किचिन्मय अमृत यात्रा चिन्मय मिशन की 75वीं वर्षगांठ (अमृत महोत्सव) के उपलक्ष्य में अमृत यात्रा का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि अमित यात्रा के माध्यम सेवेदांत के ज्ञान, निस्वार्थ सेवा और गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद की विरासत को जन-जन तक पहुँचाना है। 295-दिवसीय 'विजडम ऑन व्हील्स' के नाम से आयोजित यात्रा का मुख्य उद्देश्य उपनिषदों, भगवद गीता और शाश्वत मूल्यों के संदेश को देश के कोने-कोने में फैलाना है। उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक यात्रा चिन्मय विभीति पुणे से शुरू होकर भारत के विभिन्न राज्यों से गुजरते हुए आगे बढ़ रही है। और बुधवार को उड़ीसा से झारखंड में प्रवेश किया है। उन्होंने बताया कि 295 दिनों की इस आध्यात्मिक यात्रा का समापन 23 से 25 अक्टूबर 2026 के बीच नई दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में होगा जम्मू के रूप से देश के पीएम नरेंद्र मोदी भी उपस्थित रहेंगे।

शंख नदी में मछली पकड़ने के दौरान डूबने से व्यक्ति की मौत

बोलबा। बोलबा थाना क्षेत्र में शंख नदी में मछली पकड़ने के दौरान डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सिमडेगा भेज दियाप्राप्त जानकारी के अनुसार, कसीरा गांव निवासी वाल्टर बा पिता स्वर्गीय गाब्रियल बा, दो दिन पहले घर से शंख नदी में मछली पकड़ने के लिए निकले थे। इसके बाद से वे लापता थे। सोमवार को बरघाट के पास शंख नदी में उनका शव तैरता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बोलबा पुलिस को दी।सूचना मिलते ही प्रभारी थाना प्रभारी रामनाथ सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, सिमडेगा भेज दिया।घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग बानो में मना राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे

नवीन मेल संवाददाता

बानो। मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बानो में बुधवार को राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे हर्षोल्लास एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ प्रह्लाद मिश्रा को शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की।कार्यक्रम में एएनएम प्राचार्या निशि डुंगडुंग ने डॉक्टर्स डे के इतिहास एवं महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 1 जुलाई को महान चिकित्सक डॉ. बिधान चंद्र राय की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे मनाया जाता है।अपने संबोधन में डॉ. प्रह्लाद मिश्रा ने इस वर्ष की थीम "Behind the Mask: Who Heals the Healers?" का उल्लेख करते हुए कहा कि डॉक्टर और नर्स भी इंसान हैं, जिन्हें सम्मान, सहयोग, पर्याप्त विश्राम और मानसिक स्वास्थ्य का सहारा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी निस्वार्थ सेवा समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।कार्यक्रम का संचालन कविता कुमारी ने किया। मौके पर रविकांत मिश्रा, ऋचा हेंब्रम, अमृता लवली जोजो, अल्बिना टोपनो, आईवी सुप्रभा, खुशबू कुमारी, वंदना धनवार सहित संस्थान के सभी शिक्षक, कर्मी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दृष्टिपात

वार्ड नंबर 8 के थानाटोली में पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास

सिमडेगा। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 8 स्थित थानाटोली में बुधवार को पीसीसी पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। नगर परिषद अध्यक्ष ओलिभर लकड़ा, उपाध्यक्ष दीपक अग्रवाल एवं वार्ड पार्षद कुलदीप किंडो ने संयुक्त रूप से शिलापट्ट का अनावरण कर कार्य का शुभारंभ किया।यह सड़क निर्माण कार्य मनोज बड़ाईक के घर से अजित जी के घर तक कराया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगर क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा।इस अवसर पर मनोज बड़ाईक, प्रभुदान केरकेट्टा, मो. सैमुलाह, अनिमा बिलुंग, सुशांति कुल्लू, अमित तिर्की सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

'अब डीएल बनेगा आपके घर' अभियान के तहत बानो में लगा विशेष शिविर

बानो। जिला परिवहन विभाग की पहल पर मंगलवार को बानो प्रखंड मुख्यालय में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित किया गया। उपायुक्त के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार बखला के नेतृत्व में लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया पूरी की गई तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। शिविर का उद्देश्य सुदूरवर्ती ग्रामीणों को घर के नजदीक ही ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें इस कार्य के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं जाना पड़े। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन कर इस सुविधा का लाभ उठाया।डीटीओ संजय कुमार बखला ने बताया कि परिवहन विभाग जिले के विभिन्न प्रखंडों में विशेष अभियान चलाकर लोगों को वैध ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराने के साथ-साथ यातायात नियमों के पालन के प्रति भी जागरूक कर रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित यात्रा के लिए सभी वाहन चालकों को लाइसेंस बनवाना और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उनका समय, पैसा और श्रम तीनों की बचत हो रही है।

संत अन्ना बालिका मध्य में चार जुलाई को होगी अभिभावक-शिक्षक बैठक

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड क्षेत्र के लचरागढ़ स्थित संत अन्ना बालिका मध्य विद्यालय, लचरागढ़ में प्रथम अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन 4 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे विद्यालय परिसर में किया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार बैठक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, उपस्थिति, अनुशासन, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा उनके समग्र विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही अभिभावकों को अपने पाल्य की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं विद्यालय में उनके प्रदर्शन की जानकारी दी जाएगी। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिस्टर रेशमा डुंगडुंगने सभी अभिभावकों से समय पर उपस्थित होने का आग्रह करते हुए कहा है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में अभिभावकों और विद्यालय की साझेदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में अधिकाधिक अभिभावकों की सहभागिता से विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक सुझावों एवं सहयोग पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

जमताई पंचायत भवन में पेसा नियमावली-2025 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

बानो। बानो प्रखंड के जमताई पंचायत भवन में फिया फाउंडेशन द्वारा रायकेरा, जमताई एवं गेनमेर पंचायत के ग्राम प्रधानों, वार्ड सदस्यों, युवा लीडरों, अबुआ साथियों तथा महिला स्वयं सहायता समूह के प्रतिनिधियों के लिए झारखंड पेसा नियमावली-2025 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का संचालन मास्टर ट्रेनर मंतोष चौधरी एवं अमर केवट ने किया। प्रतिभागियों को ग्राम सभा की भूमिका, मासिक बैठक, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ग्राम पंचायत विकास योजना, सामाजिक अंकेक्षण, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, स्थानीय संस्कृति संरक्षण तथा पेसा नियमावली के विभिन्न प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षकों ने कहा कि ग्राम सभा स्थानीय स्वशासन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और इसके माध्यम से ग्रामीण विकास योजनाओं में प्रभावी भागीदारी निभा सकते हैं। प्रशिक्षण में ग्राम प्रधानों, महिला समूहों के प्रतिनिधियों तथा फिया फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

संपर्क अभियान के तहत भाजपा मंडल कोलेबिरा द्वारा प्रबुद्ध जनों से संवाद

कोलेबिरा। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे संपर्क अभियान के तहत भाजपा मंडल कोलेबिरा के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने क्षेत्र के प्रबुद्ध जनों से मुलाकात कर केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, आधारभूत संरचना, डिजिटल क्रांति, गरीब कल्याण, किसान सम्मान, महिला सशक्तिकरण तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से आम जनता को हुए लाभों पर विस्तार से चर्चा की तथा सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। भाजपा मंडल कोलेबिरा के पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य सरकार की उपलब्धियों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना तथा जनता के सुझावों को संगठन एवं सरकार तक पहुंचाना है।इस अवसर पर मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज हॉस्पिटल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर डॉक्टरों का हुआ सम्मान

सिमडेगा। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार को सिमडेगा स्थित राज हॉस्पिटल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ चिकित्सकों को पुष्पगुच्छ और उपहार भेंट कर उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अस्पताल के चिकित्सा निदेशक ने कहा कि डॉक्टर समाज की रीढ़ हैं, जो दिन-रात मरीजों की सेवा में समर्पित रहते हैं। उन्होंने कहा कि राज हॉस्पिटल सिमडेगा एवं आसपास के लोगों को सस्ती, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है, जिसमें डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस अवसर पर डॉक्टरों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए मरीजों की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के अंत में नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों ने चिकित्सकों के सम्मान में केक काटा और उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।

लचरागढ़ ग्राम पंचायत में ग्राम सभा की बैठक आगामी 07 जुलाई को

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड क्षेत्र के लचरागढ़ पंचायत भवन सभागार कक्ष में आगामी 07 जुलाई को अपराह्न 02:00 बजे ग्राम सभा बैठक आयोजित की जाएगी। उक्त जानकारी देते हुए लचरागढ़ पंचायत की मुखिया जिरेन मड़की एवं पंचायत सचिव संजीव लोहरा ने सभी राजस्व ग्रामों के ग्राम सभा सदस्यों के लिए ग्राम सभा बैठक की सूचना जारी की है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विभिन्न विकास योजनाओं एवं चल रहे कार्यों की समीक्षा पर चर्चा की जाएग।साथ ही आगामी विकास कार्यों के लिए नई योजनाओं का चयन भी ग्राम सभा के माध्यम से किया जाएगा।

द्वितीय लिटिल चैंप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

कुरडेग। प्रखंड के निर्मला हाई स्कूल, खालीजोर मैदान में बुधवार को द्वितीय लिटिल चैंप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी कुमारी पैंकरा एवं विधायक प्रतिनिधि दीपक जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। बीआरसी के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 8 से 12 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग की कुल 11 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे दिन चले रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल और खेल भावना का परिचय दिया।बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय छोटकीबिउरा ने राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़कीबिउरा को हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं बालिका वर्ग के फाइनल में आरसी बालिका मध्य विद्यालय, कुरडेग ने राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय केंदुटोलो को पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

खेलकूद

कोलेबिरा में प्रखंड स्तरीय द्वितीय लिटिल चैंप प्रतियोगिता संपन्न

अघरमा और लचरागढ़ की टीमों ने जीता खिताब

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, कोलेबिरा के फुटबॉल मैदान में प्रखंड स्तरीय द्वितीय लिटिल चैंप प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों की अंडर-12 आयु वर्ग की कुल 12 टीमों ने भाग लेकर खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अरुण कुमार पांडे ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उन्होंने कहा कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना का विकास करता है।

पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।रोमांचक मुकाबलों के बाद बालक वर्ग में संत स्टानिस्लास मध्य विद्यालय, अघरमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बालिका वर्ग में संत अन्ना बालिका मध्य विद्यालय, लचरागढ़ विजेता बना। विजेता टीमों को सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता का संचालन शिक्षक कुंज बिहारी सारंगी एवं बालचंद महतो ने किया।

आयोजन को सफल बनाने में बीआरसी कर्मियों, प्रतिनियोजित शिक्षकों एवं खेल शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर विशेष शिक्षक जयप्रकाश सिंह, प्रमोद भगत, पीआरपी समीरा बा, रेणु तिग्गा, बिंदु कुजूर, संगीता कुमारी, आरती कुमारी, सुमित कुमार महतो, संतोष तिवारी, हरिश प्रधान, रवि नारायण सहित अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

बानो प्रखंड स्तरीय द्वितीय लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

बानो। प्रखंड मुख्यालय स्थित एस एस +2 उच्च विद्यालय बानो फुटबॉल ग्राउंड में द्वितीय लिटिल चैंप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के अंडर -12 कुल 9 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विधिवत शुरुआत बीपीएम विकास शरण के द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलन एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया। अपने संबोधन में बीपीएम विकास शरण ने बच्चों को खेल भावना से खेलने एवं आपसी भाईचारा को खेल के माध्यम से सुदृढ़ करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार सिंह के द्वारा किया गया। बालिक वर्ग का फाइनल मुकाबला उत्क्रमित मध्य विद्यालय जराकेल पाबुडा और संत थॉमस स्कूल बानो के बीच खेला गया जिसमें संत थॉमस की टीम 1-0 से विजयी रही। बालक वर्ग का फाइनल मुकाबला जीईएल मध्य विद्यालय कोनसोदे बनाम संत थॉमस स्कूल बानो के बीच खेला गया जिसमें संत थॉमस की टीम 3-0 से विजयी रही। मौके पर आशीष कुमार साहू, अवनीश वैभव, प्रेमकिशोर नायक, गणेश गंझू, देवचंद सिंह, सहित सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

एडवांस्ड कार्डियक केयर के बारे यशोदा हॉस्पिटल ने साझा की जानकारी

दिल की बीमारियों में समय पर उपचार है सबसे बड़ी सुरक्षा : डॉ विशाल खांटे

राष्ट्रीय नवीन मेल

रांची। हैदराबाद के प्रतिष्ठित यशोदा हॉस्पिटल्स की प्रमुख इकाई यशोदा हॉस्पिटल सिकंदराबाद ने मंगलवार को रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर एडवांस्ड कार्डियक केयर, मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी, ईसीएमओ सपोर्ट, हार्ट ट्रांसप्लांटेशन और आधुनिक हृदय उपचार सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का उद्देश्य झारखंड एवं आसपास के राज्यों के लोगों को गंभीर हृदय रोगों के समय पर उपचार और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के प्रति जागरूक करना था। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए यशोदा हॉस्पिटल्स के डिप्टी जनरल मैनेजर (मार्केटिंग) उदय भास्कर एनवीएस ने कहा कि यशोदा हॉस्पिटल्स हैदराबाद के सबसे भरोसेमंद मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों में शामिल है, जहां मरीजों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि अस्पताल अत्याधुनिक मेडिकल टेक्नोलॉजी, अनुभवी विशेषज्ञों और मरीज-केंद्रित उपचार पद्धति के माध्यम से जटिल से जटिल बीमारियों का सफल इलाज कर रहा है।

मार्केटिंग मैनेजर सत्यजीत रॉय ने कहा कि सिकंदराबाद स्थित यशोदा हॉस्पिटल की एडवांस्ड कार्डियक यूनिट आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है, जहां देश-विदेश के मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य झारखंड सहित पूर्वी भारत के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और जरूरत पड़ने पर उन्हें समय पर विशेषज्ञ उपचार से जोड़ना है।

इस अवसर पर कंसल्टेंट कार्डियोथोरेसिक एवं मिनिमली इनवेसिव सर्जन डॉ. विशाल खांटे ने दिल की बीमारियों के बढ़ते खतरे और समय पर जांच एवं उपचार की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मिनिमली इनवेसिव हार्ट सर्जरी के माध्यम से मरीजों को कम दर्द, कम रक्तस्राव, तेजी से रिकवरी और कम समय में सामान्य जीवन में लौटने का लाभ मिलता है। उन्होंने यह भी कहा कि गंभीर हृदय एवं फेफड़ों की विफलता के मामलों में ईसीएमओ जीवनरक्षक तकनीक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही, हार्ट ट्रांसप्लांट जैसे जटिल उपचारों में भी यशोदा हॉस्पिटल्स ने उल्लेखनीय विशेषज्ञता विकसित की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अस्पताल प्रबंधन ने झारखंड एवं पड़ोसी राज्यों के मरीजों को विश्वस्तरीय कार्डियक केयर, अत्याधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञों और सहानुभूतिपूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही लोगों से अपील की गई कि हृदय रोगों के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करें और समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लेकर उपचार कराएं।

बिरसा मुंडा विमानपत्तन विस्तारीकरण परियोजना की हुई समीक्षा

रांची। बिरसा मुंडा विमानपत्तन विस्तारीकरण परियोजना को लेकर बुधवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने की। उपायुक्त ने परियोजना से जुड़े सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना से संबंधित सभी प्रक्रियाएं निर्धारित नियमों और प्रावधानों के अनुसार समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं, ताकि बिरसा मुंडा विमानपत्तन विस्तारीकरण का कार्य बिना किसी अनावश्यक विलंब के आगे बढ़ सके। बैठक में परियोजना क्षेत्र में अधिग्रहित भूमि पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा कराए जा रहे हैं। सीमांकन और निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों में तेजी लाने को कहा।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, सदर कुमार रजत, पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय, निदेशक, संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हिमांशु सिंह हत्याकांड में सरायकेला के एसपी और एसएसपी हटाए गए

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर स्थित डबल डाउन (डीडी) बार के बाहर करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या के बाद झारखंड सरकार ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाते हुए पूर्वी सिंहभूम के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) पीयूष पांडेय और सरायकेला-खरसावां की पुलिस अधीक्षक (एसपी) निधि द्विवेदी को तत्काल प्रभाव से उनके पदों से हटा दिया है। दोनों अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। दोनों पति-पत्नी हैं। राज्य सरकार ने कोल्हान क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर विशेष निगरानी के लिए एडीजी मनोज कौशिक, कोल्हान आयुक्त रवि रंजन विक्रम और कोल्हान डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा को जिम्मेदारी सौंपी है। तीनों वरिष्ठ अधिकारी बुधवार से जमशेदपुर में कैंप कर हालात की लगातार समीक्षा करेंगे। इससे पहले कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में बिष्टुपुर थाना प्रभारी आलोक कुमार दुबे को निलंबित कर दिया गया था। उनकी जगह निरंजन कुमार को नया थाना प्रभारी बनाया गया है। जांच में पाया गया कि घटना के दौरान सीसीआर वैन और थाना पुलिस के बीच समन्वय का अभाव था तथा सूचना मिलने के बावजूद थाना प्रभारी ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया और घटनास्थल पर समय पर नहीं पहुंचे। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों को भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाया। प्रशासन ने डबल डाउन बार का लाइसेंस भी रद्द कर परिसर को सील कर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बुधवार शाम 5 बजे तक मुख्य आरोपी का एनकाउंटर नहीं हुआ तो पूरे शहर में चक्का जाम किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और डीजीपी तदाशा मिश्रा ने हिमांशु सिंह के पिता अरविंद सिंह से फोन पर बात कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का भरोसा दिया।

कार्यालय:- जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग

(आवेदन–पत्र आमंत्रण सूचना)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0 15 रा0 (वि0) दिनांक 23.06.2026 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत फीड बेस्ड फिशरीज मद में प्राप्त लक्ष्य की उपलब्धि हेतु हजारीबाग जिला के मत्स्य कृषक/केज मत्स्य पालकों/रिसर्कुलेट्री एक्वा कल्चर सिस्टम/बॉयोफलोक टैंक/बायोफलोक तालाब के सक्रिय मत्स्य पालको से फीड का क्रय पर अनुदान राशि प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है, जो निम्नवत है–

क्र0 स0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य (टन में) 101	भौतिक लक्ष्य (टन में) 789	अभ्युक्ति
1	2mm अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड	125	8	मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालको को मछली का उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत अथवा 25 रू0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से कुल 700 कि0ग्रा0 फीड के क्रय खुले बाजार से फैक्ट्री उत्पादित फलोटिंग फीड जिसमें जी0एस0टी0 बिलिंग हो पर अधिकतम अनुदान की राशि 17500.00 रू0 मात्र लाभुक को फीड क्रय पर उनके खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जायेगी।
2	2mm से 4mm साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड	321	15	केज मत्स्य पालको/रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम के लाभुकों/बायोफलोक टैंक के लाभुकों/बायोफलोक तालाब को मछली का उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत अथवा 25 रू0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से कुल 1500 कि0ग्रा0 फीड के क्रय खुले बाजार से फैक्ट्री उत्पादित फलोटिंग फीड जिसमें जी0एस0टी0 बिलिंग हो पर अधिकतम अनुदान की राशि 37500.00 रू0 मात्र लाभुक को फीड क्रय पर उनके खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जायेगी।
3	झास्कोफिष/विभागीय फिष फीड मिल/PMMSY अंतर्गत निर्मित फिष फीड मिल से फ्लोटिंग फीड का क्रय	25	10	मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालको को मछली का उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत अथवा 25 रू0 प्रति कि0ग्रा0 की दर से झास्कोफिष/विभागीय फिष फीड मिल/PMMSY अंतर्गत निर्मित फिष फीड मिल से फ्लोटिंग फीड का क्रय 24 प्रतिशत प्रोटिन गुणवता युक्त फीड क्रय पर अनुदान देय होगा।

नोट :– सक्रिय केज मत्स्य पालको/सक्रिय रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम के लाभुकों/ सक्रिय बायोफलोक टैंक के लाभुकों/सक्रिय बायोफलोक तालाब के लाभुक हों को अनुदान पर फीड का आपूर्ति किया जाना है। उनके द्वारा वर्तमान में किये जा रहे मत्स्य पालन का पिछले एक Crop का रिकॉड हो वर्तमान में संचित मत्स्य बीज की संख्या तथा उपलब्ध मछलियों की ग्रोथ उतरजीविता तथा बिक्री की गई मछलियों का डाटा अपने आवेदन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। यह योजना ब्लॉकचैन पोर्टल के माध्यम से संचालित की जायेगी।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,हजारीबाग

PR 383725 Fish(26-27).D

सुदेश महतो ने किया 'रांची डेंटल एवं पॉलीक्लिनिक' का उद्घाटन

रांची। डॉक्टर्स डे पर राजधानी रांची में 'रांची डेंटल एवं पॉलीक्लिनिक' का भव्य उद्घाटन किया गया। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर क्लिनिक का शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि बेहतर और किफायती स्वास्थ्य सुविधा प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पॉलीक्लिनिक आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ क्षेत्र के लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा। उन्होंने क्लिनिक के संचालक डॉ चंदन महतो, डॉ कंचन महतो, डॉ पुरुषोत्तम महतो और डॉ शोभा महतो सहित पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में इस तरह के प्रयासों से स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होती है और सरकार के स्वास्थ्य मिशन को भी सहयोग मिलता है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों का इलाज सेवा और समर्पण की भावना से करने का आह्वान किया। बताया गया कि रांची डेंटल एवं पॉलीक्लिनिक में दंत चिकित्सा, जनरल फिजिशियन, पैथोलॉजी और फार्मेसी जैसी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। उद्घाटन के पहले दिन क्लिनिक परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई और इसका लाभ उठाया।

हिमांशु हत्याकांड पर भाजपा का अल्टीमेटम

48 घंटे में कार्रवाई नहीं तो तीन जुलाई को रहेगा जमशेदपुर बंद

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। बिष्टुपुर में युवा हिमांशु सिंह की हत्या के बाद राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर ने इस मामले में प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर सभी आरोपितों की गिरफ्तारी और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो 03 जुलाई को जमशेदपुर बंद किया जाएगा। इसके पहले 02 जुलाई को शहर के सभी मंडल क्षेत्रों में मशाल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। बुधवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुई हत्या ने शहर की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पार्टी का आरोप है कि जमशेदपुर में हत्या, लूट, चोरी, चाकूबाजी, अवैध नशे और अन्य आपराधिक गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। भाजपा ने प्रशासन से मांग की है कि हिमांशु सिंह हत्याकांड में शामिल सभी आरोपितों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाए। साथ ही घटना के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाए। पार्टी ने यह भी मांग की कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जाए और शहर में अपराध और अवैध गतिविधियों पर विशेष अभियान चलाकर कानून का राज स्थापित किया जाए।

कार्यालय :– जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग

आवेदन का आमंत्रण (आम सूचना)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के विभागीय स्वीकृत्यादेश सं0 15 रा0 (वि0) दिनांक 23.06.2026 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना के अंतर्गत निजी क्षेत्र के मत्स्य पालकों/मत्स्यजीवी सहयोग समिति अथवा सदस्य/केज मत्स्य पालको से प्राप्त लक्ष्य की उपलब्धि हेतु निम्नांकित योजनाओं के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है, जो निम्नवत है–

क0 सं0	योजना ईकाई का नाम	ईकाई लागत की राषि	भौतिक लक्ष्य (सं0/एकड़ में) 101	भौतिक लक्ष्य (सं0/एकड़ में) 789	ईकाई लागत का अधिकतम विभागीय अनुदान की राशि
1	हजारीबाग जिला के निजी क्षेत्र के तालाबों में मत्स्य पालन से अच्छादन हेतु उत्पादित मत्स्य अंगुलिकाओं के क्रय में 50 प्रतिषत सहायता अधिकतम 1875 रू0 प्रति एकड़ जलक्षेत्र पर लगभग 5000 मत्स्य बीज हेतु अनुदान डी0बी0टी0 के माध्यम से देय होगा।	0.00	100	40	50%
2	मत्स्यजीवी सहयोग समिति अथवा उनके सदस्यों के लिए सामान्य नाव	40000.00	15	3	90%
3	केज रिपेयरिंग	35000.00	10	2	अधिकतम अनुदान की राशि 25000
4	वित्तीय वर्ष– 2021–22 तक निर्मित केजों के लिए 6x4x5 मी0 साईज के 45ply के 12-24 mm Eye size nylon 210 Grout नेट	30200.00	70	15	75%
5	जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति/सदस्यों/विस्थापितों तथा कोविड 19 के प्रवासी मजदूरों को मछली की षिकारमाही हेतु 5 कि0ग्रा0 गिल नेट	2950.00	10	5	90%
6	मत्स्यजीवी सहयोग समितियों को 4–6 सीटर वाले क्षमता वाले मोटर चालित नाव	414000.00	2	0	90%
7	केज हाउस का निर्माण	601000.00	2	1	90%
8	केज रिमॉडलिंग	182500.00	8	0	90%
9	जलाशय/पत्थर/कोल पिट्स में केज अधिष्ठापन	358000.00	15	0	90%
10	मछली–सह–बत्तख पालन	153350.00	4	2	Gen 70% Wom/SC/ST 80%

उक्त योजना हेतु इच्छुक मत्स्य पालक/मत्स्यजीवी सहयोग समिति/सदस्य एवं विस्थापित अथवा प्रवासी मजदूरों/Migrant workers केज मत्स्य पालकों से दिनांक 25.07.2026 तक आवेदन पत्र स्वीकार की जायेगी। मत्स्य पालन के क्षेत्र में प्राप्त प्रशिक्षणार्थियों को प्राथमिकता दी जायेगी। विभाग द्वारा विभागीय स्वीकृत्यादेश के आलोक में प्रत्येक योजना के लिए निर्धारित ईकाई लागत राशि के लिए निर्धारित अनुदान एवं शेष अंशदान लाभुक के द्वारा वहन की जायेगी। सामग्री क्रय/कार्य के अनुरूप लाभुक को अनुदान की राशि उनके बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जायेगी। सभी योजनाएँ ब्लॉकचैन पोर्टल के माध्यम से की जायेगी। अतः आवेदनकर्ता का मोबाईल नम्बर, आधार से लिंक हो। विशेष जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में आकर जानकारी प्राप्त कर सकतें है।

नोट :– आवेदन पत्र कार्यालय में निःशूल्क उपलब्ध।

ह0/– जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी हजारीबाग

PR 383721 (Fish)26-27*D

मांडर में सुतली बम से हमला करने के आरोप में 3 गिरफ्तार

रांची। राजधानी रांची के मांडर में 30 जून को सुबह कुलदीप खलखो के घर पर किसी अज्ञात अपराधी द्वारा सुतली बम फेंका गया था जिससे घर का छत टूट गय। घर से बाहर एवं छत पर तीन जिंदा सुतली बम पड़ा हुआ मिला। मामले की जानकारी मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक रांची द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक खलारी, रांची के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल ग्राम-बोण्डो स्थित कुलदीप खलखो के घर पर पहुंची तो देखा कि घर के दक्षिण तरफ एक फटा हुआ देसी सुतली बम का अवशेष बिखरा हुआ है और घर के आस-पास तीन जिंदा सुतली बम पड़े हुए है। पुलिस टीम द्वारा कागजी कार्रवाई पूरी कर तीनों बमो को बीडीएस टीम की मदद से निष्क्रिय किया गया और कुलदीप खलखो एवं उनके परिजनों से विस्तार से पूछताछ किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल समीर केरकेट्टा को महज 6 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। इसके स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर इटकी, बेड़ो आदि थाना क्षेत्र में छापेमारी कर कांड में शामिल सरीता कुजूर, तबरेज अंसारी को गिरफ्तार किया गया एवं दो विधि विरूद्ध किशोर को निरूद्ध किया गया। साथ ही कांड में प्रयुक्त 02 मोबाईल फोन एवं 01 मोटरसाईकिल को जब्त किया गया। अनुसंधान के क्रम में घटना के कारण के संबंध में पता चला कि कांड के वादी कुलदीप खलखो का संबंध आज से एक वर्ष पूर्व सरीता कुजूर से था।

डॉक्टर्स डे पर रक्त विकार पीड़ितों ने डॉक्टरों को किया सम्मानित

रांची। डॉक्टर्स डे पर रक्त विकार एवं असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों और उनके परिजनों ने चिकित्सकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें सम्मानित किया। 'लहू बोलेगा' रक्तदान संगठन, रांची एवं झारखंड थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया, हीमोफीलिया एवं अप्लास्टिक एनीमिया पीड़ित एसोसिएशन के संयुक्त नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थैलेसीमिया, सिकल सेल एनीमिया और हीमोफीलिया जैसे गंभीर रक्त विकारों से जूझ रहे मरीजों, उनके परिजनों, समाजसेवियों और रक्तवीरों ने चिकित्सा सेवा के लिए डॉक्टरों को धन्यवाद देते हुए स्मृति चिन्ह, झारखंडी अंगवस्त्र एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर कुल 15 चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को सम्मानित किया गया। इनमें रांची सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, रांची सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश सिंह, हेमेटोलॉजिस्ट एवं डे केयर प्रभारी डॉ. खुशबू प्रवीन, डॉ. स्टीफन खैस, हेमेटोलॉजी विभाग, सदर अस्पताल ब्लड बैंक एवं पैथोलॉजी विभाग के कर्मी शामिल रहे। आयोजकों ने बताया कि यह सम्मान अभियान अगले तीन दिनों (1 से 3 जुलाई) तक "डॉक्टर्स साहब का आभार अभियान" के नाम से जारी रहेगा।

टाटानगर में 5 जुलाई को होगा 'कुबेर का खजाना' कार्यक्रम

राज दीदी देंगी सुख-समृद्धि और सकारात्मक जीवन का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। नारायण रेकी सत्संग परिवार, टाटानगर की ओर से 5 जुलाई को बिष्टुपुर स्थित कुसुम कमानी ऑडिटोरियम, नरभेराम हंसराज स्कूल में दिव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम "कुबेर का खजाना" का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विश्व प्रसिद्ध लाइफ ट्रांसफॉर्मेशनल स्पीकर एवं "नारी रत्न" सम्मान से सम्मानित राजेश्वरी मोदी (राज दीदी) होंगी। राज दीदी नारायण रेकी सत्संग परिवार की संस्थापिका हैं। उनके प्रेरणादायक विचार प्रतिभागियों को जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा की दिशा प्रदान करेंगे।

आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम में महिला और पुरुष दोनों भाग ले सकते हैं। इसमें 11 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रतिभागियों को शामिल होने की अनुमति होगी। कार्यक्रम का आयोजन सुबह 10:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक किया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रवेश पास अनिवार्य रहेगा। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी प्रतिभागियों के लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की गई है। नारायण रेकी सत्संग परिवार एक सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था है, जो "हम देने में विश्वास रखते हैं" के भाव के साथ लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्य कर रही है। संस्था का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति को तन, मन, धन और संबंधों के स्तर पर स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन की ओर प्रेरित करना है। आयोजकों ने नगरवासियों और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस दिव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम में सपरिवार शामिल होकर इसका लाभ उठाएं।

डीएवी खलारी में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर पूर्व छात्र डाक्टर सम्मानित

खलारी। डीएवी पब्लिक स्कूल, खलारी में बुधवार को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस उत्साह एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्र, जो वर्तमान में चिकित्सक हैं या चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, उनका विद्यालय पहुंचने पर चंदन तिलक, गुलाब भेंट कर स्वागत किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डा कमलेश कुमार ने उन्हें शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। प्राचार्य ने महान चिकित्सक एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डा बिधानचंद्र राय को याद करते हुए कहा कि डाक्टर निःस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा करने वाले समाज के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनका समर्पण सदैव प्रेरणादायी रहेगा। कार्यक्रम में पूर्व छात्रों ने विद्यालय की यादें साझा की तथा आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। इसके बाद सभी डाक्टर विभिन्न कक्षाओं में पहुंचे और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संबंधी प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

झारखण्ड सरकार, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, प्राचार्य का कार्यालय-औद्योगिक प्रषिक्षण संस्थान, गुमला, झारखण्ड

तिर्रा, जशपुर रोड, गुमला-835207 Email Id:-principalitigumla@gmail.com

सूचना संख्या–20 गुमला, दिनांक–01.07.2026

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला में शैक्षणिक सत्र 2026–27–28 के लिए नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग राँची द्वारा मान्यता प्राप्त सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला में शैक्षणिक सत्र 2026–27–28 में नामांकन के लिए ऑनलाइन (https:/iti.jharkhand.gov.in Admission tab) आवेदन पत्र 01.06.2026 से 15.07.2026 तक आमंत्रित किए जाते हैं केवल झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी या स्थानीय निवासी के श्रेणी में आने वाले आवेदक ही नामांकन के पात्र है।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:–

क्र0सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	01.06.2026
02	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	15.07.2026
03	औपबंधिक मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) प्रकाशन	20.07.2026 पूर्वाह्न 12:00 बजे

Vacant Seat of Industrial Training Institute, Gumla.

Sl	Name of the Trade	Period	Affiliated	Total Unit	UR	EWS	ST	SC	BC - I	BC - II	PH	SMQ	Total Vacant Seat
1	Electrician	2 Year	NCVT	1	7	2	8	1	0	0	1	1	20
2	Fitter	2 Year	NCVT	1	7	2	8	1	0	0	1	1	20
3	M.M.V	2 Year	NCVT	1	9	2	10	1	0	0	1	1	24
4	Welder	1 Year	NCVT	1	7	2	8	1	0	0	1	1	20
Total					30	08	34	4	0	0	4	4	84

02. न्यूतम आहर्ता:–
क) वेल्डर व्यवसाय में नामांकन के लिए आवेदक को आठवीं कक्षा में उर्तीणता आवश्यक है।
ख) उपरोक्त कंडिका में अंकित व्यवसाय छोडकर शेष अन्य व्यवसायों में नामांकन के लिए आवेदक को दसवी कक्षा में उर्तीणता आवश्यक है।
ग) दिनांक–01.08.2026 को आवेदक की आयु न्युतम 14 वर्ष अधिकतम 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
घ) आवेदक द्वारा आई0 टी0 आई0 में नामांकन लेने के लिए आवेदन भरते समय कम से कम दस विकल्प (संस्थान एवं व्यवसाय) एवं अधिकतम तीस व्यवसाय का चयन किया जा सकता है।
ड.) किसी प्रकार के महत्वपूर्ण जानकारी हेतु ITI Web portal के Download section में देखा जा सकता है। एवं आवश्यकतानुसार मो0 न0– 9835105407/7903771648/7004348316 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

PR.NO.383704 Labour Employment and Traning(26-27):D

प्रभारी प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गुमला।

विचार प्रवाह किसी समस्या का निरंतर मानसिक पुनरवलोकन न करते रहें। बीच-बीच में उसे विश्राम दें कि यह स्वत: ही हल हो जाए; परंतु इसका ध्यान रखें कि आपका विश्राम इतना लंबा न हो कि आपका विवेक खो जाए। बल्कि, विश्राम के इन क्षणों का प्रयोग अपनी अन्तरात्मा के शांत क्षेत्रों की गहराइयों में उतरने के लिए करें। **- श्री श्री परमहंस योगानंद, 'सफलता का नियम'**

राष्ट्रीय नवीन मेल

डॉक्टर पर विश्वास से बचता है जीवन

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

हम में शायद ही कोई हो जिसका किसी न किसी डॉक्टर से सामना न हुआ हो।अनेक शक्तिशाली और प्रभावशाली व्यक्ति भी समय पर डॉक्टर नहीं मिलने पर बचाए नहीं जा सके जबकि बड़ी संख्या में वैसे भी सामान्य लोग हैं जिन्हें आसपास के किसी मामूली या झोलाछाप कहे जाने डॉक्टर ने बचा लिया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी ग्रामीण या सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जहां डॉक्टरों की उपस्थिति नहीं है प्रशिक्षण देकर लोगों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने लायक बनाने की बात कहता रहा है। रांची के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ केके सिन्हा भी इसका समर्थन करते थे। भारत में भ्रष्टाचार के बाद जनसंख्या विस्फोट और घुसपैठ ने इसकी चिकित्सा सुविधा को बूरी तरह प्रभावित किया है जबकि सरकारी अस्पतालों में विभिन्न कारणों से आई गिरावट से इलाज महंगा भी हुआ है और फाइव स्टार जैसे अस्पतालों में नेताओं अधिकारियों की भीड़ ने डॉक्टरों को भगवान से सेवा प्रदाता बना दिया है। सस्ते साधन और डॉक्टर से इलाज नहीं होने से ग्रामीण और आदिवासी समाज झाड़ फूंक या डायन हत्या ओझा गुणी के चक्कर में पड़ रहा है जबकि वीआइपी निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं। यह विभाजन स्पष्ट रूप से दिखने लगा है और इसके मूल कारणों को दूर किए बिना साधनों पर करोड़ों खर्च करने पर भी आम आदमी तक समुचित इलाज पहुंचाना बड़ी चुनौती है।डॉक्टर दिवस का दिन पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का अवसर भी है। यह डॉक्टर-मरीज के उस संबंध की याद दिलाता है, जो कभी सहज, मानवीय और गहरे विश्वास पर आधारित हुआ करता था। यह रिश्ता केवल बीमारी और इलाज के बीच नहीं बनता था, बल्कि संवाद, संवेदना और विश्वास पर टिका होता था। लेकिन, आज यही भरोसा कई जगहों पर कमजोर होता दिख रहा है।चिकित्सा विज्ञान बहुत आगे बढ़ा है, पर वह चमत्कार नहीं है। हर बीमारी ठीक नहीं होती, कई गंभीर मरीज बच नहीं पाते और हर इलाज मनचाहा परिणाम नहीं देता। ऐसे में, गुस्सा अक्सर डॉक्टर पर उतरता है। दुखद यह है कि डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार, धमकी और हिंसा की घटनाएं अब सामान्य सामान्य घटना बन गई हैं। कई अस्पतालों में डॉक्टर मरीज देखने से पहले यह भी सोचते हैं कि यदि परिणाम खराब हुआ, तो क्या वह सुरक्षित रहेंगे? यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर हमला है और उस भरोसे पर चोट है, जिसके बिना कोई भी उपचार पूरा नहीं हो सकता। जब डॉक्टरों के साथ हिंसा होती है, तब वे भय में काम करते हैं। नतीजतन, गंभीर मरीजों का इलाज करने से बचते हैं और उन्हें तुरंत रेफर कर देते हैं। यह रक्षात्मक चिकित्सा अंततः मरीज और समाज, दोनों के लिए हानिकारक होती है। पर, इस समस्या को केवल डॉक्टर बनाम मरीज के रूप में देखना अधूरा होगा। समाज को समझना होगा कि डॉक्टरों के प्रति बढ़ता गुस्सा केवल व्यक्तिगत व्यवहार का परिणाम नहीं होता। उसके पीछे स्वास्थ्य व्यवस्था की कई कमजोरियां भी हैं। सरकारी अस्पतालों में भीड़ है, संसाधन सीमित हैं और डॉक्टर व नर्सों की संख्या पर्याप्त नहीं है। निजी अस्पतालों में इलाज महंगा होने के कारण मरीजों को लगता है कि वे बीमारी से अधिक व्यवस्था से लड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में अविश्वास पैदा होता है। मरीज के परिजनों को लगता है कि पैसा खर्च हो रहा है, पर परिणाम नहीं मिल रहा, और डॉक्टरों को लगता है कि उनके प्रयासों को समझा नहीं जा रहा। यहीं से दूरी शुरू होती है। इस टूटते भरोसे को सोशल मीडिया ने और जटिल बना दिया है। एक वीडियो, भावनात्मक पोस्ट या तीखी टिप्पणियां मिनटों में राष्ट्रीय बहस बन जाती हैं। इसका परिणाम दोतरफा है-डॉक्टरों में भय व रक्षात्मकता बढ़ती है और मरीजों के मन में अस्पतालों के प्रति संदेह गहराता है। इसका अर्थ यह नहीं कि डॉक्टरों और अस्पतालों से प्रश्न न पूछा जाए। चिकित्सा पेशा समाज से अलग नहीं है और उसमें भी कमियां हैं। कुछ जगहों पर संवाद की कमी है, कुछ अस्पतालों में बिलिंग पारदर्शी नहीं होती, और कहीं-कहीं व्यावसायिक दबाव भी दिखता है। इन बातों पर विमर्श होना चाहिए। अच्छी चिकित्सा केवल दवा लिखने का काम नहीं है। यह मरीजों को सुनने, उन्हें समझाने और भरोसा बनाने की प्रक्रिया भी है। सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन डॉक्टरों को अपमानित करना गलत है। अस्पतालों में जवाबदेही होनी चाहिए, भय का वातावरण नहीं। डॉक्टर भी थकते हैं, तनाव में रहते हैं, रातों को जागते हैं, कठिन निर्णय लेते हैं और मरीज को खोने के बाद भीतर से टूटते भी हैं, भले ही बाहर से शांत दिखें। डॉक्टर को देवता बनाने की जरूरत नहीं है, पर उसे शत्रु बनाना समाज की भूल है। डॉक्टर-मरीज संबंध को मानवीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा। पहला, सरकार को सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करनी होगी, ताकि पर्याप्त डॉक्टर, नर्स, बेड और जांच सुविधाएं उपलब्ध हों। दूसरा, अस्पतालों को संवाद और पारदर्शिता सुधारनी होगी, ताकि मरीज व उनके परिजनों को स्पष्ट जानकारी मिले और खर्च का अनुमान ईमानदारी से दिया जाए। तीसरा, समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी, क्योंकि बीमारी की घड़ी में धैर्य रखना कठिन जरूर है, पर भरोसा टूटने से इलाज बेहतर नहीं होता। इलाज केवल दवा, जांच और ऑपरेशन से नहीं होता, बल्कि भरोसे से भी होता है। जब मरीज डॉक्टर पर भरोसा करता है, तो उपचार की राह आसान होती है।

अयोध्या राम मंदिर प्रकरण

कार्यप्रणाली और पारदर्शिता का प्रश्न

आज की बात

महेंद्र तिवारी

> हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करता है। यही कारण है कि जब चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोप सामने आए तो यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहा। धार्मिक संस्थानों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर व्यापक बहस शुरू कर दी

अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करता है। यही कारण है कि जब चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोप सामने आए तो यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहा। इसने धार्मिक संस्थानों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर व्यापक बहस शुरू कर दी। पिछले कुछ दिनों में विशेष जांच दल की कार्रवाई ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार जांच अब केवल कथित चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी देखा जा रहा है कि चढ़ावे की गिनती और जमा करने की जो व्यवस्था तय थी, उसका पालन वास्तव में हुआ या नहीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि चढ़ावे की गिनती के लिए मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच एक निर्धारित व्यवस्था बनाई गई थी। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नकदी की गिनती पूरी पारदर्शिता के साथ हो और किसी एक व्यक्ति या समूह के भरोसे पूरी प्रक्रिया न रहे। बताया जा रहा है कि गिनती के समय दोनों पक्षों के अधिकृत प्रतिनिधियों की संयुक्त उपस्थिति आवश्यक थी। यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो यह केवल व्यक्तिगत लापरवाही का मामला नहीं रहेगा, बल्कि पूरी निगरानी व्यवस्था की कमजोरी भी सामने आएगी।

जांच एजेंसियां केवल कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार बैंक अभिलेख, लेनदेन का विवरण, अभिलेखों का मिलान, संबंधित कर्मचारियों की भूमिका और अन्य वित्तीय पहलुओं की भी गहन पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यवस्था में कई स्तरों पर निगरानी हो और उसके बावजूद कथित अनियमितता सामने आए तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि नियंत्रण तंत्र किस स्तर पर कमजोर पड़ा। यही कारण है कि जांच का दायरा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि चढ़ावे की गिनती से जुड़े कई संचालन संबंधी नियमों की समीक्षा की जा रही है। इनमें निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों का नियमित परिवर्तन, निर्धारित पहचान व्यवस्था, अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव और पूरी प्रक्रिया की जवाबदेही जैसे पहलू शामिल हैं। किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में नकदी और अन्य मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त होती हैं। इसलिए ऐसी संस्थाओं में केवल ईमानदारी पर्याप्त नहीं होती बल्कि मजबूत संस्थागत व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक होती है। विशेष जांच दल की कार्रवाई ने यह संकेत दिया है कि मामला केवल अनुमान के आधार पर नहीं चल रहा है। उपलब्ध समाचारों के अनुसार कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और 8 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जांच एजेंसियां संभावित भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि किसी भी व्यक्ति की अंतिम जिम्मेदारी या दोष का निर्धारण केवल न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही माना जाएगा। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि धार्मिक संस्थानों में आने वाला धन सामान्य सरकारी राजस्व नहीं होता। यह सीधे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा होता है। कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से चढ़ावा देता है और उसे विश्वास होता है कि उसका योगदान उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह अर्पित किया गया है। यदि इस विश्वास पर प्रश्नचिह्न लगता है तो उसका प्रभाव केवल संबंधित संस्था तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास पर भी पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच में वित्तीय लेनदेन के साथ-साथ संबंधित व्यक्तियों की संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की भी पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति की घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच असामान्य अंतर पाया जाता है तो जांच एजेंसियां उस पहलू को भी जांच के दायरे में ले सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध अंतिम निष्कर्ष घोषित नहीं हुआ है और जांच जारी है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रश्न भी खड़ा किया है। किसी भी संस्था में नियम केवल कागज पर लिखे रहने के लिए नहीं बनाए जाते। उनका उद्देश्य जोखिम को कम करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना होता है। यदि संयुक्त उपस्थिति, अभिलेख सत्यापन, निगरानी और नियमित निरीक्षण जैसे नियमों का पालन नहीं किया गया तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जांच एजेंसियां केवल यह नहीं देखतीं कि कथित चोरी किसने की, बल्कि यह भी देखती हैं कि उसे रोकने वाली व्यवस्था क्यों असफल हुई।

देश के अनेक बड़े मंदिरों में अब आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले निगरानी उपकरण, डिजिटल अभिलेख, स्वचालित गिनती प्रणाली और बहुस्तरीय सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं धीरे धीरे सामान्य होती जा रही हैं। ऐसे में यदि किसी स्थान पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं होता तो यह प्रशासनिक दृष्टि से गंभीर विषय बन जाता है। मामले ने राजनीतिक प्रतिक्रिया भी उत्पन्न की है। विपक्षी दलों ने निष्पक्ष जांच, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और पूरी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। दूसरी ओर जांच एजेंसियां अपने स्तर पर साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। ऐसे मामलों में राजनीतिक बयान और कानूनी जांच को अलग-अलग दृष्टि से देखना आवश्यक होता है। अंतिम सत्य केवल साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया से ही सामने आता है। रिपोर्टों के अनुसार इस प्रकरण के बीच ट्रस्ट स्तर पर भी महत्वपूर्ण बैठकों की तैयारी की गई है। इन बैठकों में प्रशासनिक ढांचे, भविष्य की कार्यप्रणाली और आवश्यक सुधारों पर विचार होने की संभावना जताई गई है। यदि ऐसा होता है तो यह केवल वर्तमान विवाद का समाधान नहीं होगा बल्कि भविष्य में ऐसी आशंकाओं को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इस मामले से एक व्यापक सीख भी मिलती है। किसी भी संस्था की विश्वसनीयता केवल उसके उद्देश्य से नहीं बल्कि उसकी कार्यप्रणाली से भी तय होती है। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही मजबूत उसकी वित्तीय व्यवस्था और आंतरिक निगरानी होनी चाहिए। पारदर्शिता केवल आरोपों का उत्तर नहीं देती बल्कि भविष्य के विवादों को भी रोकती है। जांच अभी जारी है और इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। यह संभव है कि जांच के अंत में कुछ आरोप सही सिद्ध हों, कुछ गलत साबित हों और कुछ मामलों में केवल प्रक्रियागत कमियां सामने आएं। इसलिए वर्तमान समय में सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि जांच निष्पक्ष, वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित हो। किसी भी व्यक्ति या संस्था को दोषी या निर्दोष मानने का अधिकार अंततः न्यायिक प्रक्रिया का ही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कण-कण से तिजोरी तक : आस्था का बाजार

अलग बात

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

सनातन परंपरा ने ईश्वर को कभी किसी एक देवालय की परिधि में नहीं बाँधा। वह वृक्ष की छाया में था, नदी की धारा में था, अग्नि की ज्वाला में था, आकाश की निस्तब्धता में था और सबसे बढ़कर मनुष्य के अंतःकरण में था। वह अनुभव था, वस्तु नहीं; चेतना था, संग्रह नहीं। आज समय की विडंबना देखिए कि जिस सत्ता को ऋषियों ने 'नेति-नेति' कहकर समस्त सीमाओं से परे स्थापित किया, आज उसी को हम स्वर्ण-मंडित शिखरों, अभेद्य तिजोरियों और संगठित प्रबंधन के भीतर खोजने लगे हैं। यह केवल धार्मिक संरचनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना में घटित एक सूक्ष्म विस्थापन है- जहां अध्यात्म भी धीरे-धीरे बाज़ार की भाषा सीखने लगा है। धर्म तब तक जीवित रहता है, जब तक वह मनुष्य को भीतर की यात्रा पर ले जाता है। जैसे ही वह बाहर की भव्यता का उपासक बनता है, उसका केंद्र बदलने लगता है। मंदिर तब केवल पूजा अर्चना का स्थान नहीं रह जाता; वह प्रतिष्ठा, प्रभाव और संसाधनों का प्रतीक बनने लगता है। श्रद्धा की ऊंचाई का माप अंतःकरण की निर्मलता के स्थान पर, दानपात्र की गहराई से होने लगता है और चढ़ावे में कमी की चिंता वैसी ही दिखाई देने लगती है जैसी किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान को अपने घटते हुए लाभ की होती है। यहीं से धर्म मौन हो जाता है और बाज़ार वाचाल। इस परिवर्तन की सबसे बड़ी त्रासदी यह होती है कि मनुष्य का धार्मिक मनोविज्ञान ही बदल जाता है। प्रार्थना आत्मसमर्पण नहीं, अपेक्षाओं का अनुबंध बन जाती है। कभी मनुष्य ईश्वर के सम्मुख स्वयं को रिक्त करने जाता था; आज वह इच्छाओं की एक लंबी सूची लेकर उपस्थित होता है। उसके हाथ जुड़े अवश्य होते हैं, किंतु भीतर एक अदृश्य गणित चलता रहता है - इतना अर्पण करूँगा तो उतनी कृपा मिलेगी, इतना दान दूंगा तो उतना प्रतिफल मिलेगा। यह वही क्षण होता है जब श्रद्धा अनजाने ही सौदे में रूपांतरित हो जाती है। बाज़ार का सबसे पुराना सिद्धांत-'निवेश और प्रतिफल'-धीरे-धीरे धर्म की देहरी पर अपना अधिकार जमा लेता है। इसी मनोभूमि पर वे छद्म आध्यात्मिक साम्राज्य फलते-फूलते हैं, जिनकी जड़ें वैराग्य में नहीं, महत्वाकांक्षी स्वार्थ में होती हैं। इतिहास में साधु वह था जिसने संसार छोड़ा था; आज अनेक स्थानों पर संसार ने साधु का वेश धारण कर लिया है। गेरुआ वस्त्र त्याग का नहीं, प्रभाव का परिधान बन गया है। आज वाणी में विरक्ति रहती है और जीवन में वैभव; मुख पर अध्यात्म होता है और मन में विस्तार की योजनाएं। भय, रोग, असफलता और भविष्य की चिंता- मनुष्य की इन्हीं स्वाभाविक दुर्बलताओं को पूंजी बनाकर आध्यात्मिकता का एक समानांतर उद्योग खड़ा कर दिया गया है। विडंबना यह है कि जितना अधिक भीतर का शून्य (खोखलापन) बढ़ता है, उतनी ही अधिक बाहर की चमक आवश्यक लगने लगती है। ईश्वर को स्वर्ण, रजत और रत्नों से अलंकृत करने की प्रवृत्ति भी इसी मनोविज्ञान का विस्तार है। परमात्मा को वैभव की आवश्यकता कभी नहीं होती; वैभव की आवश्यकता तो मनुष्य के अहंकार को होती है। जो व्यक्ति अपनी उपलब्धियों को संचय में मापता है, वह अनजाने में ईश्वर की महिमा को भी उसी तराजू पर तौलने लगता है। उपनिषदों ने जिस ब्रह्म को 'पूर्ण' कहा, उसे मनुष्य अपने अपूर्ण वैभव से पूर्ण करने का प्रयास करता है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी? और जब यही मानसिकता 'वीआईपी दर्शन' के रूप में प्रकट होती है, तब धर्म का संकट और अधिक गहरा उठता है। मंदिर वह स्थान था जहाँ सभी भेद समाप्त हो जाते थे-वहां न पद का अर्थ था, न धन का, न जाति का, न सामर्थ्य का। किंतु जब ईश्वर तक पहुंचने की दूरी भी मनुष्य की आर्थिक क्षमता से निर्धारित होने लगे, तब यह केवल व्यवस्था नहीं रहती, यह समभाव की मूल अवधारणा पर आघात बन जाती है। संसार की असमानताओं से थका हुआ मनुष्य यदि मंदिर में भी समानता का अनुभव न कर सके, तो फिर वह उसे कहाँ खोजे? कल्पना कीजिए कि यदि एक दिन चढ़ावे की प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाए, वीआईपी दर्शन की व्यवस्था समाप्त हो जाए और अध्यात्म के नाम पर खड़े समस्त व्यावसायिक ढांचे विलीन हो जाएं, तो सबसे कम विचलित वही व्यक्ति होगा जिसकी आस्था भीतर प्रतिष्ठित है। **(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

वह लड़की जो खबर बन गई

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

शहर में उस सुबह अजीब हलचल थी। लोग चाय की दुकानों पर जमा थे। अखबारों के बंडल खुल रहे थे। मोबाइलों की स्क्रीनें चमक रही थीं। हर तरफ एक ही खबर थी, लेकिन किसी को पूरी खबर मालूम नहीं थी। बस इतना पता था कि कोई लड़की खबर बन गई है। कौन थी, कहां की थी, उसके साथ क्या हुआ, यह किसी को ठीक से नहीं मालूम था। फिर भी सब विशेषज्ञ बने बैठे थे। चायवाले रामू ने कप धोते हुए पूछा, "कौन थी वह लड़की?" सामने बैठे बाबूजी बोले, "अरे, कोई होगी। आजकल तो रोज कोई न कोई खबर बन जाती है।" एक ग्राहक हंसा, "हमारे देश में आदमी पैदा बाद में होता है, खबर पहले बन जाता है।" सब हंस दिए। अखबार मेज पर पड़ा था, जैसे किसी की लाश चौराहे पर पड़ी हो और लोग उसके जूतों का ब्रांड देख रहे हों। तभी एक बूढ़ी औरत वहाँ आई। उसने कांपते हाथों से अखबार उठाया और देर तक तस्वीर को देखती रही। उसकी आंखें भर आईं। रामू ने पूछा, "अम्मा, जानती हो क्या उसे?" बूढ़ी औरत ने सिर झुका लिया। बोली, "नहीं बेटा, मैं उसे नहीं जानती। लेकिन उसके आँसू मेरी उम्र के लगते हैं।" लोग चुप हो गए। फिर किसी ने बात बदल दी। हमारे समाज में दुख से ज्यादा असुविधाजनक कोई विषय नहीं होता। यहाँ आदमी शोक से नहीं, शोक की अवधि से परेशान होता है। उधर खबर फैलती जा रही थी। शहर में हर कोई लड़की के बारे में बात कर रहा था। केवल लड़की ही कुछ नहीं बोल रही थी। शायद इसलिए कि खबरों की दुनिया में पात्रों की नहीं, शीर्षकों की आवाज सुनी जाती है। दोपहर तक टीवी चैनल सक्रिय हो गए। स्टूडियो सज गए। बहस शुरू हो गई। एंकर गरजा, "देश जानना चाहता है कि दोषी कौन है।" ऐसा लगा जैसे देश अभी तक छुट्टी पर था और एंकर ने उसे जगाया हो। स्क्रीन पर आठ खिड़कियाँ खुलीं। आठ चेहरे दिखाई दिए। नौवां चेहरा उस लड़की का होना चाहिए था, लेकिन वह कहीं नहीं थी। एक नेता बोले, "यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।" दूसरे नेता बोले, "यह विपक्ष की विफलता है।" तीसरे नेता बोले, "यह सत्ता की विफलता है।" एक विशेषज्ञ ने चश्मा ठीक करते हुए कहा, "हमें सामाजिक चिंतन की आवश्यकता है।"

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

आनंद की चिरस्थायी और नित्य परिवर्तनशील आंतरिक अवस्था

श्री श्री परमहंस योगानंद

जब मन शक्तिशाली हो और हृदय शुद्ध हो, तो आप मुक्त हैं। यह मन ही है जो आपको शरीर की पीड़ा से जोड़ता है। जब आप शुद्ध विचारों को सोचते हैं और मानसिक रूप से शक्तिशाली होते हैं, तब आप बुरे कर्मों के पीड़ादायक प्रभावों से दुःखी नहीं हो सकते। इसे मैंने बहुत प्रसन्नतादायक पाया है। अवचेतन निद्रा में, आप मुक्त हैं। जब आप समाधि में ईश्वर के साथ एक होते हैं, तो आपका कोई कर्म नहीं होता। इसीलिए सन्तजन कहते हैं, "निरन्तर प्रार्थना करो।" जब आप निरन्तर प्रार्थना एवं ध्यान करते हैं, तब आप अधिचेतना के क्षेत्र में चले जाते हैं, जहाँ कोई भी कष्ट आप तक नहीं पहुंच सकते। आप इन विधियों द्वारा इसी समय, कर्मों से मुक्त हो सकते हैं। जब भी कार्मिक कष्ट आपको पीड़ा दें, तो सो जाएं या शुद्ध विचार सोचें और मन को इस्पात की तरह बनाएं, स्वयं से कहें : मैं इन सबसे ऊपर हूं।" या, सर्वोत्तम यह होगा कि गहन ध्यान में अधिचेतना की दिव्य अवस्था में चले जाएं। उस चेतना का परमानन्द आपकी आत्मा की स्वाभाविक अवस्था है, परन्तु शरीर के साथ इतने लम्बे समय से एकात्म होकर आप अपनी वास्तविक प्रकृति को भूल गए हैं। आत्मा की उस दुःख रहित परमानन्दमयी अवस्था को पुनः प्राप्त करना ही होगा। आत्मा की प्रकृति (व्यक्तिगत ब्रह्म के रूप में) परमानन्द है: आनन्द की चिरस्थायी, नित्य-नवीन एवं नित्य परिवर्तनशील आन्तरिक अवस्था। यह परमानन्द उस व्यक्ति को सदा के लिए अक्षय आनन्द प्रदान करता है जो इसे प्राप्त कर लेता है, चाहे वह शारीरिक कष्टों या मृत्यु के परीक्षणों से ही क्यों न गुज़र रहा हो। भौतिक उपचार- औषधियां, भौतिक सुविधाएं, मानवीय सान्त्वनाएं - पीड़ा मिटाने में अपनी भूमिका रखते हैं, परन्तु महानतम् उपचार है क्रियायोग का अभ्यास तथा यह प्रतिज्ञापन कि आप ईश्वर के साथ एक हैं। यह समस्त कष्टों, पीड़ाओं तथा शोकावस्थाओं के लिए राम-बाण उपचार है- अर्थात् समस्त व्यक्तिगत एवं सामूहिक कर्मों से मुक्ति का मार्ग। **-पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार**

आज का दोहा

खंजर सा ले हाथ में, सब हैं सबके मित्र।
छिड़क रहे हैं ये सभी, वहां खून का इत्र।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

फेसबुक वॉल से

एक्स से

बांग्लादेश की बदलती सैन्य सोच व भारत के सामने नई सुरक्षा चुनौती

देश की बात

कांतिलाल मांडोत

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियों में गिने जाते रहे हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय में भारत की निर्णायक भूमिका रही थी। दोनों देशों ने दशकों तक सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे, सीमा प्रबंधन और सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया। किंतु पिछले कुछ समय से बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, उसकी सैन्य सोच और विदेश नीति में दिखाई दे रहे बदलावों ने नई चिंताओं को जन्म दिया है। विशेष रूप से बांग्लादेशी सेना में धार्मिक प्रतीकों और इस्लामी पहचान को अधिक प्रमुखता देने की खबरों ने भारत सहित पूरे क्षेत्र का ध्यान आकर्षित किया है। हाल के घटनाक्रमों के अनुसार बांग्लादेशी सेना की कुछ नई बटालियनों का नाम इस्लामी इतिहास के शुरुआती खलीफाओं के नाम पर रखा गया है और सेना के पारंपरिक राष्ट्रवादी नारों के स्थान पर धार्मिक नारों को महत्व दिए जाने की चर्चा भी सामने आई है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है तो यह केवल सैन्य परंपरा का परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि बांग्लादेश की बदलती वैचारिक दिशा का संकेत भी माना जाएगा। किसी भी सेना का चरित्र केवल उसके हथियारों से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों, प्रतीकों और प्रशिक्षण से भी निर्धारित होता है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश की राजनीति में इस्लामी संगठनों और धार्मिक समूहों का प्रभाव बढ़ने की चर्चा लगातार हो रही है। लंबे समय तक अवामी लीग ने धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद और "जय बांग्ला" की भावना को राष्ट्रीय पहचान का आधार बनाया था। अब यदि सेना के भीतर धार्मिक पहचान को अधिक महत्व दिया जा रहा है तो यह उस वैचारिक परिवर्तन का हिस्सा माना जा सकता है जो देश की राजनीति और समाज में भी दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश की इस बदलती सोच के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं। पहला कारण घरेलू राजनीति है। किसी भी देश की सरकार और सत्ता प्रतिष्ठान अपने समर्थक सामाजिक वर्गों को संतुष्ट करने के लिए कई बार सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों का उपयोग करते हैं। यदि इस्लामी संगठनों का प्रभाव बढ़ता है तो सेना सहित अन्य संस्थाओं पर भी उसका प्रभाव दिखाई देना स्वाभाविक माना जाता है। दूसरा कारण क्षेत्रीय शक्ति संतुलन है। बांग्लादेश आज चीन और पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। रक्षा उपकरणों की खरीद, सैन्य प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास इसी रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं। इससे वह अपने रक्षा विकल्पों को व्यापक बनाना चाहता है ताकि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता न रहे। तीसरा कारण भारत के साथ कुछ पुराने और नए विवाद भी हैं। सीमा पर अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा, जल बंटवारा, व्यापारिक असंतुलन तथा राजनीतिक बयानबाजी जैसे मुद्दों ने समय-समय पर दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित किया है। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक और धार्मिक समूह भारत विरोधी भावनाओं को घरेलू राजनीति में समर्थन जुटाने के लिए भी इस्तेमाल करते रहे हैं। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि पूरा बांग्लादेश या उसकी पूरी जनता भारत विरोधी है। वहां बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक, बुद्धिजीवी और व्यापारी भी हैं जो भारत के साथ अच्छे संबंधों को अपने देश के हित में मानते हैं। भारत के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा का है। यदि भारत-बांग्लादेश सीमा के निकट सैन्य गतिविधियां बढ़ती हैं या सीमा क्षेत्रों में तनाव का वातावरण बनता है तो उसका सीधा प्रभाव असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर पड़ सकता है। भारत पहले ही सीमा पर आधुनिक निगरानी व्यवस्था, बाड़ और सुरक्षा बलों की तैनाती को मजबूत कर चुका है। ऐसे में किसी भी प्रकार की उकसाने वाली गतिविधि या घुसपैठ की संभावना पर स्वाभाविक रूप से गंभीर नजर रखी जाएगी। अवैध घुसपैठ भी लंबे समय से भारत के लिए एक संवेदनशील विषय रही है। भारत ने हाल के वर्षों में सीमा प्रबंधन को अधिक सख्त बनाया है और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पर भी जोर दिया है। इस कारण दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर समय-समय पर तनाव की स्थिति बनी है। हालांकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी अवैध गतिविधि के लिए पूरे समुदाय या पूरे देश को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होता। सीमा सुरक्षा और कानून का पालन दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी है। जहां तक मुस्लिम खलीफाओं के नाम पर सैन्य इकाइयों के गठन का प्रश्न है, इसके कई अर्थ निकाले जा सकते हैं। समर्थकों का तर्क हो सकता है कि यह केवल धार्मिक और ऐतिहासिक प्रेरणा का विषय है, जबकि आलोचक इसे सेना के बढ़ते वैचारिक और धार्मिक झुकाव के रूप में देखते हैं। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले यह देखना आवश्यक होगा कि भविष्य में बांग्लादेश की सैन्य नीति, प्रशिक्षण और व्यवहार किस दिशा में आगे बढ़ते हैं। भारत के लिए इस समय सबसे उपयुक्त नीति सतर्कता और संयम की होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/00155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

एसआईटी अब 15 जुलाई तक सौंपेगी अंतिम जांच रिपोर्ट

अयोध्या दान मामले में योगी सरकार ने बढ़ाई जांच अवधि

एजेंसी। लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर गत 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में पहली एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें 8 नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों को अभियुक्त बनाया गया था। सभी नामजद अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एसआईटी की जांच पर पूरे प्रदेश की निगाहें लगी हुई हैं। वहीं, विपक्ष भी इस मुद्दे पर सरकार को लगातार घेरने में जुटा हुआ है। ज्ञात हो कि अयोध्या में राममंदिर में चढ़ावा मामले में राजनीतिक विरोध भी जारी है। सपा के बाद कांग्रेस भी इस मुद्दे के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रही हैं जबकि हर मंच से मुख्यमंत्री योगी विपक्ष को घेरने में जुटे हैं।

हाई लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज के सदस्य गृह मंत्री से मिले

जनसांख्यिकीय बदलावों पर शीघ्र सौंपें सिफारिशें : अमित शाह

- **जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए समिति विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों का करेगी दौरा**

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित हाई लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज से जल्द से जल्द अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। समिति ने बुधवार को यहां गृह मंत्री के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट कर अपनी कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक के दौरान गृह मंत्री को बताया गया कि जनसांख्यिकीय बदलावों से संबंधित जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए समिति विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेगी। इसके साथ ही समिति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ भी विचार-विमर्श करेगी ताकि जनसंख्या में हो रहे बदलावों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर फीडबैक प्राप्त किया जा सके।

समिति ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दौरे अधिक प्रभावी और संवादात्मक बनाने के उद्देश्य से एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की गई है। इसके माध्यम से संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आवश्यक सूचनाएं पहले ही प्राप्त की जाएंगी, जिससे अध्ययन को अधिक व्यवस्थित और तथ्यपरक बनाया जा सके।सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर समिति के अध्यक्ष हैं। समिति में जनगणना आयुक्त के अलावा पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) की सदस्य डॉ. शमिका रवि सदस्य के रूप में शामिल हैं।

समिति देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का वैज्ञानिक अध्ययन करेगी, उनके कारणों का विश्लेषण करेगी तथा उनसे निपटने के लिए आवश्यक नीतिगत, विधायी और प्रशासनिक उपायों पर अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार को सौंपेगी।

- **केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ भी व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा**

अवैध प्रवास पर अध्ययन करेगी हाई-पावर्ड डेमोग्राफी समिति

गृह मंत्री अमित शाह ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए गृह सचिव को निर्देश दिए कि समिति के दैनिक कार्यों और उसके दौरों के दौरान हरसंभव प्रशासनिक एवं अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने समिति से अपने अध्ययन को शीघ्र पूरा कर सरकार को जल्द से जल्द सिफारिशें सौंपने का सुझाव दिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को अपने संबोधन में 'हाई-पावर्ड डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा की थी। इसके तहत केंद्र सरकार ने अवैध प्रवास तथा अन्य असामान्य कारणों से देश में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन करने और उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए इस उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

राम मंदिर में पैसे गिनने की नौकरी से पहले पानी बेचता था अविनाश: सुंदरलाल

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच तेज हो गई है। इस मामले में पुलिस ने अविनाश शुक्ला नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिस पर मंदिर ट्रस्ट से जुड़े धन के दुरुपयोग और गबन के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, अविनाश शुक्ला अयोध्या के कौशलपुरी फेज-2 इलाके में एक योग केंद्र से जुड़ा हुआ था, जहां वह कुछ समय से रह रहा था। यह योग केंद्र पिछले दो दशकों से अधिक समय से चल रहा है और यहां योगाचार्य सीमा तिवारी के अनुसार कई छात्र और जरूरतमंद लोग रहते और सीखते रहे हैं। इसी केंद्र से अविनाश का संपर्क उसके भाई अभिषेक शुक्ला के माध्यम से हुआ था। योगाचार्य सीमा तिवारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि अभिषेक लगभग दस साल पहले आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में इस केंद्र में आया था। उसे गुरुजी ने न केवल शिक्षा दी बल्कि रहने और खाने की भी व्यवस्था की। इसके बाद में अभिषेक को नौकरी मिली और वह स्थिर हो गया। इसी दौरान उसने अपने छोटे भाई अविनाश को भी यहां बुला लिया था। करीब डेढ़ साल पहले अविनाश को राम मंदिर में नौकरी मिलने की जानकारी सामने आई है। घटना के संबंध में यह भी बताया गया कि 5 जून को पुलिस ने योग केंद्र और संबंधित स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान परिसर की तलाशी ली गई और अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए ले जाया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के किराए के घर से 20 लाख रुपए से अधिक नकद बरामद किए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि इस पर आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। सीमा तिवारी ने बताया कि उन्हें इस पूरे मामले की जानकारी सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों से मिली। उन्हें अविनाश के कथित गबन में शामिल होने की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग में 5 जून की घटना कैद हुई थी, जिससे बाद में स्थिति स्पष्ट हुई है।

सनातन बोर्ड के गठन से चढ़ावे का होगा सदुपयोग और रुकेगी चोरी : देवकीनंदन

आईएएनएस। नई दिल्ली

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के आरोप, विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार के बयान, सनातन बोर्ड, चंपत राय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत विभिन्न मुद्दों पर आईएएनएस से विशेष बातचीत की। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के आरोपों पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, "मैं अभी इस मुद्दे पर ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता। सभी जानते हैं कि यदि ऐसा कुछ हुआ है तो इसकी जांच चल रही है। लेकिन अगर ऐसा हुआ है, तो उन 100 करोड़ हिंदुओं और सनातन भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिनकी भगवान राम में आस्था है।"

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद विहिप की भूमिका समाप्त हो गई थी। इसके बाद मंदिर निर्माण से लेकर उसके संचालन तक उनकी कोई भूमिका नहीं रही। इस पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, "किसी ने मुझसे आलोक जी के उस बयान के बारे में पूछा कि फैसले के बाद राम मंदिर से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद, सनातन और देश के लिए बहुत काम किया है तथा आगे भी करते रहेंगे। मैं उनकी बात से सहमत हूं। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा कहा है कि एक सनातन बोर्ड का गठन होना चाहिए। मैंने संघ और विहिप के लोगों के साथ इस विषय पर चर्चा की है। कई वरिष्ठ लोग भी मानते हैं कि इसके लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए। जैसे आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को संविधान का ज्ञान होता है, वैसे क्या उन्हें रामायण, वेद और शास्त्रों का भी ज्ञान होता है? धर्म से जुड़े कार्य धर्माचार्यों पर छोड़ दिए जाने चाहिए, जबकि प्रशासन और सरकार अपने दायित्व निभाएं। यदि राम मंदिर से शंकराचार्यों को जोड़ा गया होता तो आज कथित चढ़ावा चोरी जैसे आरोपों का सामना नहीं करना पड़ता।

लिफ्ट देकर लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

- **मोबाइल का लॉक खुलवाकर खाते से उड़ाते थे रुपए**

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-49 थाने की पुलिस ने राह चलते लोगों को कार में बैठाकर लूटपाट करने और मोबाइल का लॉक खुलवाकर बैंक खाते से रकम ट्रांसफर करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पीड़ित का लूटा गया आईफोन -16, स्मार्ट वॉच, चार्जर, आधार कार्ड, 2,300 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद की गई है। इसके बाद आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन, चार्जर, पावर बैंक और नकदी छीन ली। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित को धमकाकर उसके मोबाइल का लॉक खुलवाया और मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से उसके बैंक खाते से अपने खातों में धनराशि स्थानांतरित कर ली।

पाकिस्तान : पीओके हिंसा की तुलना 'जलियांवाला बाग नरसंहार' से की

एजेंसी। नई दिल्ली

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर जल रहा है। महीनों से अपने हक को लेकर लोग आंदोलनरत हैं। हाल ही में निहत्थे लोगों पर सुरक्षाबलों की बर्बर कार्रवाई में 18 निर्दोष मारे गए। पाकिस्तानी संसद में नेता प्रतिपक्ष महमूद खान अचकजई इस पूरे घटनाक्रम से आहत हैं, और उन्होंने इन मौतों की तुलना जलियांवाला बाग नरसंहार से की है।वरिष्ठ राजनेता ने अपनी एक्स अकाउंट पर प्रेस वार्ता के कुछ वीडियो क्लिप्स साझा किए हैं। सोमवार (29 जून) रात हुई प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तानी सत्ता को उसका क्रूर चेहरा दिखाते हुए महमूद खान ने कहा, "आपने संवेदनशील क्षेत्र में 18 लोगों की जान ले ली। अगर अब और लोगों को मारना चाहते हैं, तो मार दीजिए। फिर यह एक और जलियांवाला बाग होगा। उसके बाद जनरल डायर का अंजाम भी याद रखिए।उन्होंने याद दिलाया, "सौ साल बाद जब महारानी एलिजाबेथ भारत आई थीं, तब भारत सरकार ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए माफी मांगने को कहा था।" अचकजई ने पीओके का दर्द बयां किया। उन्होंने कहा, "यहां के लोग ऐसे नहीं थे जो चाकू, खंजर या बंदूक उठाते। आखिर उन्हें इस हद तक पहुंचने के लिए क्यों मजबूर किया गया? उन पर गोलियां चलाई गईं और 11 से अधिक लोगों की जान चली गई।"उन्होंने दावा किया कि इस दौरान विभिन्न संगठनों ने उनसे संपर्क कर कहा, "भाई, हमारे और सरकार के बीच खड़े हो जाइए।"सरकार को खुली चेतावनी देते हुए अचकजई ने कहा, "अगर हिम्मत है तो हमें भी जेल भेज दीजिए। आपने कोट लखपत जेल के 70 वर्षीय कैदियों को भी 280 साल की सजा सुना दी।

सेवानिवृत्त

हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा : आर्मी चीफ

हर चुनौती से निपटने को तैयार होगी नई भारतीय सेना

- **नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने कार्यभार संभालने के बाद पिता और छोटे भाई को किया सैल्यूट**

एजेंसी। नई दिल्ली

नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को कार्यभार संभालने के बाद बुधवार को पहला गार्ड ऑफ ऑनर साउथ ब्लॉक लॉन्स में दिया गया। इसके बाद उन्होंने अपने पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ (सेवानिवृत्त) और छोटे भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ को सैल्यूट किया। अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा। हम अपनी सीमाओं और उभरते खतरों के बारे में लगातार विजिलेंस बनाए रखेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी चुनौती का असरदार तरीके से मुकाबला करने के लिए ऑपरेशनल रेडीनेस का हाई लेवल बनाए रखेंगे। नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पुराने स्टूडेंट जनरल सेठ आर्म्ड कोर के पहले ऑफिसर हैं, जो 1997 में 20 लांसर्स के जनरल शंकर रॉय चौधरी के रिटायरमेंट के बाद आर्मी चीफ बने हैं। वे एक जाने-माने सैन्य परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ 1997 में आर्मी के एडजुटेंट जनरल के पद से रिटायर हुए थे, जब नए आर्मी चीफ खुद कैप्टन थे। उनके भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ भारतीय नौसेना में फ्लैग ऑफिसर के तौर पर कार्यरत हैं। जनरल सेठ को सैन्य क्षेत्र में जमीनी और ऑपरेशन पर फोकस करने वाले कमांडर के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने उसी भोपाल-बेस्ड 21 स्ट्राइक कोर को कमांड किया है, जिसे कभी उनके पिता लीड करते थे। पदभार संभालने के बाद आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने कहा कि आज जब मैं भारतीय सेना के 31वें चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का पद संभाल रहा हूं, तो यह मेरे लिए गर्व और विनम्रता का पल है।

भविष्य की चुनौतियों को सेना तैयार

जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना को तकनीक से चलने वाली भविष्य के लिए तैयार फोर्स बनाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना और 'ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट' के आइडियल्स के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराना 'गर्व और विनम्रता' की बात है। आर्मी चीफ ने कहा कि इस बदलते सुरक्षा माहौल की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें नए जोश और पक्के इरादे के साथ सेना की आधुनिकता को आगे बढ़ाना होगा। हमारा मकसद प्रौद्योगिकी समर्थित भविष्य के लिए तैयार सेना बनाना है।

दृष्टिपात

राम मंदिर चंदा की कांग्रेस ने की निष्पक्ष जांच और ट्रस्ट समिति भंग करने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा और कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं अभिनेता विक्रम मस्ताल ने राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे और वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार और संबंधित ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने, वर्तमान ट्रस्ट समिति को भंग करने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। विक्रम मस्ताल ने आरोप लगाया कि प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण के नाम पर देश-विदेश से प्राप्त चंदे के उपयोग में व्यापक वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस की ओर से मांग की गई कि वर्तमान ट्रस्ट समिति को तत्काल भंग किया जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र और विश्वसनीय एजेंसी से कराई जाए। पार्टी ने वर्ष 2019 से 2025 के बीच अयोध्या और आसपास हुई भूमि खरीद की भी व्यापक जांच कराने की मांग उठाई। पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का विषय है और उससे जुड़े प्रत्येक वित्तीय लेन-देन में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में अब तक केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई है।

सरकारी अस्पतालों में लगेंगे सीसीटीवी, कंट्रोल रूम से होगी निगरानी: निशांत कुमार

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कोशिश है कि मरीजों का इलाज जिला अस्पतालों में ही हो जाए और जरूरत पड़ने पर ही उन्हें पटना रेफर करना पड़े। मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर भी विकसित किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम से अस्पतालों की निगरानी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और अपनी टीम को भी भेजेंगे, लेकिन तकनीक के जरिए नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। यदि कहीं कोई अनियमितता पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निशांत कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री का पदभार संभालने के बाद उन्हें सबसे अधिक शिकायत डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कर्मियों की अनुपलब्धता की मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि डॉक्टर समय पर ड्यूटी करें और मरीजों को बेहतर इलाज मिले। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों में 504 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल करीब 350 दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं और शेष दवाओं की उपलब्धता पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

केतन अग्रवाल की हत्या के पहले सिया ने किया था रिहर्सल

पुणे। रियल एस्टेट बिजनेसमैन केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। केतन को लोहगढ़ किले से धक्का देने से पहले सिया गोयल और चेतन चौधरी ने मर्डर की प्लानिंग के साथ ही रिहर्सल भी की थी। पुणे ग्रामीण पुलिस की जांच से पता चला है कि आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी ने 18 जून को लोहगढ़ किले की चट्टान से केतन को धक्का देने से पहले मार्केट यार्ड के पास एक पहाड़ी पर इस अपराध की रिहर्सल की थी। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'सिया और चेतन ने पूछताछ के दौरान पहाड़ी पर इस काम की प्रैक्टिस करने की बात कबूल की है।' अधिकारी ने कहा, 'हम उस सही जगह की पहचान करेंगे जहां रिहर्सल हुई थी और वहां का पंचनामा करेंगे। दोनों आरोपियों ने यह भी बताया कि अपराध को अंजाम देने से पहले उन्होंने इसकी रिहर्सल कैसे की थी।' 3 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में चेतन है और पुलिस ने चेतन चौधरी का वो स्कूटर भी जब्त कर लिया है, जिससे वो केतन की हत्या के दिन लोहगढ़ किले पर गया था। अधिकारी ने कहा, 'हम चेतन चौधरी की मौजूदगी में लोहगढ़ किले में हुए घटनाक्रम को फिर से दोहराने की योजना बना रहे हैं।

- **सिया-चेतन ने कबूली रिहर्सल वाली बात**

आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत घूसखोरी मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को बुधवार को गिरफ्तार किया है। गहलावत वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), दिल्ली में तैनात हैं। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि इस मामले में 8 जून को दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर और दो निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत ने निजी व्यक्तियों से रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि वह अपने व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े उन मामलों में राहत दिला सकते हैं, जिनकी जांच सीबीआई कर रही है। जांच के दौरान सीबीआई ने पहले दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह सहित छह अन्य निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 25 लाख रुपये की ट्रैप राशि बरामद की गई थी। इसके अलावा करीब 90 लाख रुपये नकद तथा कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए थे। सीबीआई के अनुसार, दीपक गहलावत से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

भारत-पाक के बीच कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान, जल्द रिहाई की मांग

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत बुधवार को अपनी-अपनी हरिसत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की ताजा सूची का आदान-प्रदान किया है। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान से सजा पूरी कर चुके 188 भारतीय कैदियों और मछुआरों की जल्द रिहाई और वतन वापसी की मांग दोहराई है। नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक माध्यमों (डिप्लोमैटिक चैनल) के जरिए एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान किया। इस दौरान विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पाकिस्तान से नागरिक कैदियों, मछुआरों, उनकी नौकाओं और पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद लापता भारतीय रक्षा कर्मियों को जल्द रिहा कर भारत भेजने की मांग की। भारत और पाकिस्तान के बीच साल 2008 में हुए कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत दोनों देश हर साल एक जनवरी और एक जुलाई को अपनी हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं। भारत ने पाकिस्तान को अपनी हिरासत में मौजूद 386 नागरिक कैदियों और 53 मछुआरों की सूची सौंपी है।

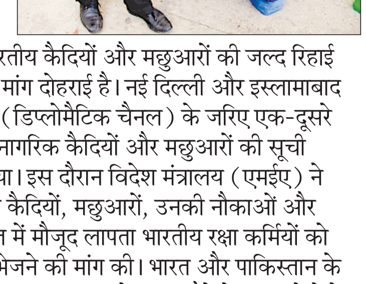

एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट

सेंथिलकुमार की जीत के साथ शुरुआत, सेमवाल और शमीना बाहर

एजेंसी । मुंबई

एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट में बुधवार को टॉप सीड वेलवन सेंथिलकुमार ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जबकि ओम सेमवाल को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई स्थित जुहू विले पार्ले जिमखाना क्लब में जारी 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में सेंथिलकुमार ने बिना किसी खास परेशानी के अयान वजीरल्ली को 11-4, 11-9, 11-6 से शिकस्त दी। चौथी सीड हाफेज और 7वीं सीड एंडो भी सीधे गेम में जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। मंगलवार को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में तीसरी सीड को हराने वाले सेमवाल, मिस्र के 8वीं सीड जियाद इब्राहिम के खिलाफ भी एक और उलटफेर भरी जीत की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि, 22 वर्षीय खिलाड़ी अंतिम चरणों में थोड़े लड़खड़ा गए और एक कड़े फैसले वाले गेम में हार गए। इब्राहिम ने 11-9, 11-13, 11-8, 8-11, 11-9 से जीत हासिल की।

शमीना रियाज भी महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में लड़खड़ा गईं और जापान की 6वीं सीड अकारी मिडोरिकावा से चार गेम में हार गईं। 1-1 के रिकॉर्ड के साथ मैच में उतरीं जापानी खिलाड़ी ने 12-10, 11-8, 5-11, 11-2 से जीत हासिल की। इससे पहले, मंगलवार को टूर्नामेंट के रोमांचक दिन शमीना रियाज और ओम सेमवाल ने बड़े उलटफेर किए थे। जहां शमीना ने साउथ अफ्रीका की टॉप सीड हेले वार्ड को चार गेम में हराया, वहीं सेमवाल ने जबरदस्त अनुशासन, सहनशक्ति और कौशल का प्रदर्शन करते हुए ब्राजील के तीसरी सीड डिएगो गोब्बी को पांच गेम में मात दी। भारतीय खिलाड़ियों के अन्य मुकाबलों में, तीसरी सीड तन्वी खन्ना ने पूजा आरती रघु को 3-0 से मात दी, जबकि 5वीं सीड सूरज कुमार चंद सोमवार रात मिस्र के जियाद इब्राहिम से तीन गेम में हार गए।

पुरुष एकल (दूसरा दौर) के परिणाम

- शीर्ष वरीयता प्राप्त वेलावन सेंथिलकुमार ने अयान वजीरल्ली को 3-0 (11-4, 11-9, 11-6) से हराया।
- चौथी वरीयता प्राप्त ए. हाफेज ने ए. देवान को 3-0 (12-10, 11-3, 11-9) से मात दी।
- सातवीं वरीयता प्राप्त टी. एंडो (जापान) ने आर. बैथा को 3-0 (11-9, 11-8, 11-5) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल के परिणाम

- एम. स्याफिक कमाल (मलेशिया) ने एस. एल्टोरगमैन (मिस्र) को 3-1 (11-7, 6-11, 11-5, 11-8) से मात दी।
- आठवीं वरीयता प्राप्त इब्राहिम ने ओम सेमवाल को 3-2 (11-5, 11-13, 11-8, 8-11, 11-9) से हराया।

महिला एकल (दूसरा दौर) के परिणाम

- चौथी वरीयता प्राप्त एन. खफागी ने एस. वत्स को 3-1 (7-11, 11-4, 11-5, 11-7) से मात दी।
- पांचवीं वरीयता प्राप्त एम. फाथी ने ए. दुबे को 3-0 (12-10, 11-4, 11-6) से शिकस्त दी।

तेलंगाना टी20 लीग हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की बेहतरीन पहल : एरॉन

नई दिल्ली । तेलंगाना टी20 लीग (टीजी20) का आयोजन 21 जून से हो रहा है। फाइनल मुकाबला 12 जुलाई को खेला जाएगा। लीग में 8 टीमें खेल रही हैं। टीम रंगा रेड्डी राइजर्स (आरआरआर) का प्रदर्शन अच्छा रहा है। टीम 4 मैचों में 3 जीत के साथ 6 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। आरआरआर के सलामी बल्लेबाज एरॉन जॉर्ज ने लीग को हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की एक शानदार पहल बताया है। एरॉन जॉर्ज ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, "यह हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की एक बेहतरीन पहल है। इससे युवा प्रतिभाओं को और उन लोगों को भी बहुत मौका मिल रहा है जो अपने करियर में बहुत आगे नहीं बढ़ पाए हैं और अभी भी जगह बनाने के लिए लड़ रहे हैं। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें अलग-अलग टैलेंट वाले क्रिकेटरों का एक अलग ग्रुप है, और कम उम्र में इस तरह का प्लेटफॉर्म मिलना बहुत अच्छा है। अपनी टीम की तैयारियों के बारे में जॉर्ज ने कहा, "यह बहुत अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि यह सब नए लोगों से बातचीत करने, यह समझने के बारे में है कि हम सभी एक टीम के माहौल में कैसे असरदार हो सकते हैं।

'इंग्लैंड, स अफ्रीका को हरा सकता है,' सेफा मैच से पहले शिखा पांडे की भविष्यवाणी

नई दिल्ली । आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाना है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज शिखा पांडे को उम्मीद है कि यह एक कड़ा मुकाबला होगा। उनका कहना है कि दोनों टीमों में नॉकआउट के दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत और अनुभव है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम रविवार को खिताब के लिए ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। सेमीफाइनल-2 को लेकर शिखा ने साउथ अफ्रीका की इंग्लैंड के हालात से परिचित होने की बात कही। हालांकि, शिखा का मानना है कि इंग्लैंड की मजबूत बैटिंग लाइन-अप निर्णायक साबित हो सकती है। पांडे ने साउथ अफ्रीका को ग्लोबल टूर्नामेंट्स में सबसे खतरनाक टीमों में से एक बताते हुए उनके स्वभाव और इंग्लिश परिस्थितियों में खेलने के अनुभव का जिक्र करते हुए 'जियोस्टार' से कहा, "वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका बहुत आक्रामक खेलती है। उनके पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण और दबाव झेलने वाले बल्लेबाज हैं। उनके कई खिलाड़ियों ने इंग्लैंड में काफी क्रिकेट खेला है। मारिजैन कैप ने खुद यहां की पिचों पर 'द हंड्रेड' के तीन-चार सीजन खेले हैं।

ईशान किशन
नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज

टॉप पर आने वाले चौथे भारतीय बने, अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर खिसके, वरुण-बुमराह को नुकसान

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आईसीसी की ताजा मेंस टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने करीब 12 महीने से टॉप पर काबिज अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा है। ईशान टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ईशान को वर्ल्ड कप के प्रदर्शन का मिला फायदा : ईशान किशन ने इस साल की शुरुआत में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है। ईशान ने वर्ल्ड कप के दौरान लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। इसमें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया मैच भी शामिल है, जिसमें वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। ताजा रैंकिंग में ईशान के 876 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

चक्रवर्ती-बुमराह एक-एक स्थान नीचे खिसके

टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह को नुकसान हुआ है। दोनों खिलाड़ी एक-एक पायदान नीचे खिसककर तीसरे और छठे स्थान पर आ गए हैं। इस सूची में अफगानिस्तान के राशिद खान ने अपना नंबर-1 का स्थान बरकरार रखा है।

गेंदबाजों में बुमराह टॉप पर

टेस्ट गेंदबाजों की लिस्ट में भारत के जसप्रीत बुमराह पहले स्थान पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 अंकों के साथ दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 838 अंकों के साथ तीसरे और पैट कमिंस 832 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 825 रेटिंग अंकों के साथ टॉप-5 में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

आईएएस सुहास यथिराज
बचपन में संघर्ष, पढ़ाई में होशियार पैरालंपिक गेम्स में देश को जिताए पदक

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी और आईएएस अधिकारी सुहास एल यथिराज पैरालंपिक गेम्स में देश को पदक दिला चुके हैं। कई बार विश्व और एशियाई स्तर पर पदक जीत चुके सुहास खेल और प्रशासन, दोनों क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पहचाने जाते हैं। 2 जुलाई 1983 को कर्नाटक के हसन में जन्मे सुहास का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। सुहास को जन्म से ही पैर में दिक्कत थी। इसके बावजूद वह खेल में बेहद दिलचस्पी रखते थे। परिवार ने उनका भरपूर साथ भी दिया। सुहास की प्रारंभिक शिक्षा कन्नड़ भाषा में हुई, जिसके चलते उन्हें अंग्रेजी मीडियम के स्कूल में दाखिला लेने में काफी दिक्कतें आईं। पिता की नौकरी ट्रांसफर वाली थी। ऐसे में सुहास की पढ़ाई अलग-अलग शहरों में हुई। गांव से प्रारंभिक शिक्षा हासिल करने वाले सुहास ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी से कम्प्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की। साल 2005 में पिता की मृत्यु ने उन्हें अंदर से झकझोर दिया था। अब सुहास ने ठान लिया था कि उन्हें सिविल सर्विस ज्वाइन करनी है, जिसके बाद उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप
भारत की अंडर-19 और अंडर-23 टीमें घोषित, विश्वनाथ व चंद्रिका अगुवाई करेंगे

नई दिल्ली । भारत अंडर-19 और अंडर-23 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिला-जुला दल उतारेगा। यह प्रतियोगिता 3 से 16 जुलाई के बीच इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित होगी। मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप गोल्ड मेडलिस्ट चंद्रिका पुजारी इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत की अगुवाई करेंगे। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने बुधवार को दोनों आयु वर्गों के लिए टीमों की घोषणा कर दी। पुरुषों के अंडर-23 वर्ग में 50 किग्रा कैटेगरी में मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें गंगा (55 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा), वंशज (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा), आर्यन मलिक (80 किग्रा), रॉकी चौधरी (85 किग्रा), हेमंत सांगवान (90 किग्रा) और ईशान कटारिया (90+ किग्रा) भी शामिल हैं। महिलाओं की अंडर-23 टीम में निधि (48 किग्रा), तनु (51 किग्रा), निशा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), निकिता चंद (60 किग्रा), काजल (65 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और प्रियंका (80+ किग्रा) शामिल हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की रफ्तार तेज, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में पैसेंजर ईवी रजिस्ट्रेशन 90 प्रतिशत बढ़ा

पेट्रोल-डीजल महंगे होने से बढ़ा ईवी का आकर्षण

- पश्चिम एशिया संकट के बीच ईंधन कीमतों में वृद्धि का लगाया जा रहा है असर
- कम परिचालन लागत के कारण उपभोक्ता इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़े

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों (ईवी) की मांग तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) लगभग 90 प्रतिशत बढ़कर 82,737 यूनिट्स पर पहुंच गया। यह जानकारी वाहन पोर्टल के रजिस्ट्रेशन आंकड़ों से सामने आई है। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 43,710 यूनिट्स के मुकाबले पंजीकरण में बढ़ोतरी हुई है, और उद्योग के अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की कम परिचालन लागत (रनिंग कॉस्ट) ने उपभोक्ताओं को बैटरी चालित वाहनों की ओर आकर्षित किया। पूरी तिमाही के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार मजबूत रही। अप्रैल में 24,963 यूनिट, मई में 27,320 यूनिट और जून में यह बढ़कर 30,454 यूनिट तक पहुंच गई। इस दौरान टाटा मोटर्स ने 32,283 इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन पंजीकृत किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 15,794 यूनिट की तुलना में 104 प्रतिशत अधिक हैं। जून में कंपनी की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 63,083 यूनिट रही, जो पिछले साल जून के 37,237 यूनिट के मुकाबले 69 प्रतिशत अधिक है। वहीं, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में टाटा मोटर्स की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 46 प्रतिशत बढ़कर 1,82,574 यूनिट हो गई। जून में कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री 14,800 यूनिट रही, जबकि पिछले साल जून में यह 5,228 यूनिट थी। इस तरह जून में ईवी बिक्री दोगुने से भी अधिक बढ़ी। पूरी तिमाही में कंपनी की ईवी बिक्री 112 प्रतिशत बढ़कर 34,467 यूनिट रही। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी के इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन रजिस्ट्रेशन लगभग दोगुने होकर 20,112 यूनिट पर पहुंच गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10,144 यूनिट थे। हालांकि, हुंडई मोटर इंडिया के इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन रजिस्ट्रेशन में गिरावट दर्ज की गई। कंपनी के रजिस्ट्रेशन 2,142 यूनिट से घटकर 1,386 यूनिट रह गए। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने बड़ी संख्या में ग्राहकों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित किया।

आरबीआई ने रवि शंकर को बनाया नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

1 जुलाई से प्रभावी हुई नियुक्ति

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रवि शंकर को नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हो गई है। आरबीआई ने आधिकारिक बयान जारी कर इस नियुक्ति की जानकारी दी। इस पद पर पदोन्नति से पहले रवि शंकर आरबीआई के सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग (डीएसआईएम) में एडवाइजर-इन-चार्ज के रूप में कार्यरत थे। आरबीआई के अनुसार, रवि शंकर एक अनुभवी केंद्रीय बैंकिंग सांख्यिकीविद् हैं और उन्हें रिजर्व बैंक में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने कॉरपोरेट और बैंकिंग सांख्यिकी, सरकारी प्रतिभूति बाजार, सेटलमेंट सिस्टम, ऋण प्रबंधन और विभिन्न आर्थिक सर्वेक्षणों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम किया है। इसके अलावा, वह मैक्रोइकोनॉमिक सांख्यिकी और नीतिगत मामलों से जुड़े कई महत्वपूर्ण समितियों और कार्य समूहों के सदस्य भी रह चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने बताया कि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में रवि शंकर सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग (डीएसआईएम) की जिम्मेदारी संभालेंगे।

भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 444 अंक उछला

मुंबई । वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, सेंसेक्स 443.97 अंकों यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,922.64 के स्तर पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 140.10 अंकों यानी 0.59 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,005.85 पर बंद होने में सफल रहा। दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,478.67 से मामूली बढ़त के साथ 76,545.21 पर फ्लैट शुरुआत की थी, हालांकि दिन के कारोबार में इसने 631.41 अंकों यानी 0.82 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 77,110.08 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 23,865.75 से 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 23,897.65 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 24,049.90 का दिन का हाई टच किया, जो 0.77 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.34 प्रतिशत और 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

व्हाट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त, जल्द भेजा जा सकता है नोटिस

व्हाट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त, जल्द भेजा जा सकता है नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप के आगामी यूजरनेम फीचर के संभावित दुरुपयोग को लेकर केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। सरकार इस फीचर को लेकर गंभीर चिंताएं जता रही है और इसी के मद्देनजर जल्द ही व्हाट्सऐप को नोटिस भेजा जा सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार को आशंका है कि टेलीग्राम की तरह व्हाट्सऐप का यह नया फीचर भी फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने या गलत जानकारी फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से सरकार ने इस प्रस्तावित फीचर पर नाराजगी जताई है और इसे लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सूत्रों का कहना है कि यदि किसी नए फीचर के कारण धोखाधड़ी या साइबर अपराध की आशंका बढ़ती है, तो संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को भी उसकी जवाबदेही तय करनी होगी। सरकार का मानना है कि व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके उत्पादों का इस्तेमाल किसी की पहचान की नकल (इम्पर्सोनेशन) या भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए न हो। दरअसल, व्हाट्सऐप जल्द ही ऐसा फीचर शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना सिर्फ यूजरनेम के जरिए परिवार, दोस्तों या व्यवसायों से संपर्क कर सकेंगे। व्हाट्सऐप के मुताबिक, उपयोगकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह एक यूनिक यूजरनेम चुन सकेंगे। मेटा ने कहा है कि इस फीचर का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के मोबाइल नंबर की गोपनीयता की रक्षा करना है। कंपनी के अनुसार, किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए दूसरे उपयोगकर्ता को उसका सटीक यूजरनेम पता होना जरूरी होगा। हालांकि, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह सुविधा गोपनीयता बढ़ाने के साथ-साथ फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे जोखिम भी बढ़ा सकती है। उनका मानना है कि भारत जैसे बड़े डिजिटल बाजार में करोड़ों उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए मजबूत एंटी-अब्यूज सिस्टम और प्रभावी सुरक्षा उपाय अनिवार्य होंगे।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 183.50 रुपए की कटौती, कारोबारियों को मिली राहत

एजेंसी । नई दिल्ली

देशभर में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हाल ही में हुई 183.50 रुपए की कटौती से होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों को राहत मिली है। कीमतों में इस कमी के बाद कारोबारियों ने सरकार के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि कई लोगों का कहना है कि बाजार में दामों का उतार-चढ़ाव लगातार चिंता का कारण बना हुआ है। दिल्ली के कई दुकानदारों और रेस्टोरेंट संचालकों ने बताया कि पहले बढ़ती कीमतों के कारण उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था और इसका सीधा असर उनके कारोबार और ग्राहकों पर पड़ रहा था। एक दुकानदार ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि जब सिलेंडर के दाम बढ़ते हैं तो उन्हें मजबूरी में खाने-पीने की चीजों के दाम भी बढ़ाने पड़ते हैं, जिससे ग्राहक कम हो जाते हैं। अब कीमतों में कमी आने से उन्हें थोड़ी राहत जरूर मिली है और वे अपने उत्पादों को अपेक्षाकृत सस्ते दामों पर बेच पाएंगे।

एनजीटी की रोक के बावजूद बालू का अवैध परिवहन, पांकी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आसेहार-सगालिम क्षेत्र से तीन ट्रैक्टर जब्त, अवैध कारोबारियों में मचा हड़कंप

- जब्त किए गए ट्रैक्टरों को पुलिस अभिरक्षा में पांकी थाना लाया गया

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) द्वारा बालू उठाव पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध परिवहन करने वालों के खिलाफ पांकी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए पुलिस ने आसेहार-सगालिम क्षेत्र से अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इस कार्रवाई से क्षेत्र के बालू माफियाओं एवं अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, एनजीटी के प्रतिबंध के बावजूद क्षेत्र में दिनदहाड़े अवैध बालू का परिवहन किया जा रहा था। सूचना मिलते ही पांकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। जब्त किए गए ट्रैक्टरों में से दो को पुलिस अभिरक्षा में पांकी थाना लाया गया है, जबकि तीसरे ट्रैक्टर का टायर पंचर हो जाने के कारण वह रास्ते में ही रुक गया। पुलिस की निगरानी में उसे भी थाना लाने की प्रक्रिया जारी है।

ट्रैक्टर मालिकों की पहचान में जुटी पुलिस

पुलिस अब ट्रैक्टर मालिकों की पहचान करने और अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

पहली बारिश के साथ नजर आए पीले 'भदईया बेंग', गूंज उठे नदी-नाले

मोहम्मदगंज। प्री-मानसून की पहली बारिश के बाद बुधवार सुबह मोहम्मदगंज क्षेत्र में बड़ी संख्या में पीले रंग के दुर्लभ मेढ़क दिखाई दिए। नदी-नालों एवं जलजमाव वाले स्थानों पर इन मेढ़कों की मौजूदगी और उनकी टर्र-टर्र की आवाज से पूरा वातावरण गूंज उठा। ग्रामीणों के अनुसार, वर्षा ऋतु की पहली बारिश के साथ हर वर्ष ये विशेष प्रकार के मेढ़क दिखाई देते हैं। स्थानीय भाषा में इन्हें 'भदईया बेंग' कहा जाता है। लोगों का मानना है कि इन मेढ़कों का दिखाई देना अच्छी बारिश का शुभ संकेत होता है। बरसात समाप्त होने पर ये पुनः जमीन के भीतर चले जाते हैं और अगली वर्षा ऋतु में फिर बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं।

65 छात्र-छात्राओं के बीच निःशुल्क साइकिल वितरित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत राज्य सरकार की 'उन्नति का पहिया' योजना के अंतर्गत बुधवार को राजकीयकृत मध्य विद्यालय के आठवीं कक्षा के 65 छात्र-छात्राओं के बीच निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। प्रखंड मुख्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि पंचू रजवार ने छात्र-छात्राओं को साइकिलें सौंपी। साइकिल मिलने पर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रखंड कल्याण पदाधिकारी विवेकानंद पटेल ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाना है। इस अवसर पर विद्यालय के वरीय शिक्षक रामनाथ राम, मुखिया प्रतिनिधि रौशन कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कस्तूरबा विद्यालय में एसआईआर को लेकर चुनाव पाठशाला आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त एवं जिला शिक्षा अधीक्षक के निर्देश पर इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तहत पीएमश्री प्लस-टू कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, हुसैनाबाद में चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा एवं भावी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदाता सूची के महत्व तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान छात्राओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता, उसके उद्देश्य तथा पात्र नागरिकों का नाम त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची में शामिल कराने के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही मतदान के अधिकार एवं जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वार्डेन सह शिक्षिका वंदना पांडेय ने छात्राओं से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी एसआईआर अभियान के प्रति जागरूक करने की अपील की। जागरूकता बढ़ाने के लिए पेंटिंग, पोस्टर, निबंध, रंगोली एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी रचनाओं के माध्यम से शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शिक्षिका दीपमाला कुमारी, शारदा भारती, आरजू खान, नीलम मेहता, मीना देवी, सुमन कुमारी, चांदनी कुमारी, मनीष सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

पहले दिन 120 एलपीजी सिलेंडरों का वितरण

- 50 सिलेंडर काउंटर से और 70 की हुई होम डिलीवरी, जल्द मिलेगी पूरी आपूर्ति

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड मुख्यालय स्थित चौहान इंडेन गैस एजेंसी द्वारा बुधवार को उपभोक्ताओं के बीच 120 भरे हुए एलपीजी सिलेंडरों का वितरण किया गया। एजेंसी के प्रबंधक अक्षय सिंह ने बताया कि इनमें 50 सिलेंडर एजेंसी के काउंटर से तथा 70 सिलेंडरों की होम डिलीवरी की गई। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में शेष सभी भरे हुए सिलेंडर भी ग्राहकों को उपलब्ध करा दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को प्लांट से सिलेंडरों की खेप लेकर निकला ट्रक बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे गोदाम पहुंचा। इसके बाद पूर्वाह्न 11 बजे से उपभोक्ताओं को सिलेंडरों की आपूर्ति शुरू कर दी गई। प्रबंधक ने कहा कि एक ट्रक में 342 भरे हुए सिलेंडरों की खेप आती है और उसके पहुंचते ही वितरण प्रारंभ कर दिया जाता है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से सिलेंडरों की उपलब्धता की नियमित जानकारी साझा किए जाने से उपभोक्ताओं को गैस संकट का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एजेंसी पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ ग्राहकों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज

मारपीट, लूटपाट और जातिसूचक गाली देने के आरोप; पुलिस जांच में जुटी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अघेरियाकला गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। एक पक्ष के निलेश कुमार (पिता–सुरेंद्र बैठा) ने आवेदन में आरोप लगाया है कि 29 जून की सुबह जपला जाने के दौरान गांव के कुएं के पास श्रीराम सिंह, जयराम सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सूरज कुमार सिंह, चंदन कुमार सिंह एवं विन्ध्याचल सिंह ने हॉकी, लाठी और डंडे से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। उनका इलाज अनुमंडलीय अस्पताल, हुसैनाबाद में कराया गया। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान उनके गले से करीब 60 हजार रुपये मूल्य की सोने की चेन और जेब से पांच हजार रुपये नकद छीन लिए गए। साथ ही जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी गई। वहीं दूसरे पक्ष के विन्ध्याचल सिंह (पिता–मुन्द्रिका सिंह) ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि निलेश बैठा, सुरेंद्र बैठा, मनिया देवी, कामेश्वर सिंह, चंदन सिंह, आकाश कुमार सिंह, अमन कुमार, अमित कुमार सिंह, नरेश सिंह, जनम देवी उर्फ कमला देवी, फिरोज अंसारी, रामाधार शर्मा, महेंद्र साव सहित अन्य लोग तलवार, कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड एवं अन्य हथियार लेकर उनके घर पहुंचे और जानलेवा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना में उन्हें, उनके भाई एवं पुत्र को गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंची उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई तथा गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया गया। विन्ध्याचल सिंह ने घटना का कारण पैतृक जमीन को लेकर चल रहा विवाद बताया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। हुसैनाबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर सीएचसी राजहरा में रक्तदान शिविर

- छह यूनिट रक्त संग्रहित, चिकित्सकों ने दिया मानव सेवा का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजहरा में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.पी. शर्मा तथा डॉ. एस.के. सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो ने कहा कि चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि समाज को स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और मानवता चिकित्सा पेशे की सबसे बड़ी पहचान है। रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवाओं में से एक है और एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचा सकता है।

पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.पी. शर्मा ने लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की। वहीं डॉ. एस.के. सिंह ने कहा कि रक्तदान से समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा मिलता है तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। शिविर में कुल छह यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस दौरान डॉ. सैमयूल लकड़ा, डॉ. श्रवण कुमार महतो, डॉ. सुनील भगत, डॉ. रुबी कुमारी, चिकित्साकर्मी पंकज कुमार तथा सफरुल अंसारी ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

कार्यक्रम में ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन बिनय कुमार सिंह सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। अंत में सभी रक्तदाताओं को सिविल सर्जन एवं अन्य अतिथियों ने प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

शिव गुरु गोष्ठी में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की गुरु दीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

- आध्यात्मिक आयोजन में शिव के तीन सूत्रों पर चलने और सदाचारपूर्ण जीवन अपनाने का लिया संकल्प

चतरा। शहर के नगवां देवी मंडप प्रांगण में बुधवार को आयोजित शिव गुरु गोष्ठी में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने शिव गुरु की दीक्षा ग्रहण कर आध्यात्मिक जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी सह पाठी भैया अखिलेश कुमार, पाठी संतोष कुमार, लक्ष्मण कुमार, राजेंद्र कुमार तथा जिला संयोजिका राधा बहन मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों का श्रद्धालुओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने भगवान शिव के बताए मार्ग पर चलने, आत्मिक शांति प्राप्त करने तथा अनुशासित और सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। जिला प्रभारी अखिलेश कुमार ने कहा कि शिव गुरु से जुड़कर व्यक्ति अपने जीवन को संयमित और सार्थक बना सकता है। जिला संयोजिका राधा बहन ने शिव के तीन सूत्रों की विस्तार से चर्चा करते हुए श्रद्धालुओं से भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिव भक्ति व्यक्ति के जीवन में शांति, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने नियमित साधना करने तथा शिव गुरु के बताए मार्ग का पालन करने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

मारवाड़ी युवा मंच ने चिकित्सकों और बैंककर्मियों का किया सम्मान

चंदवा। डॉक्टर्स डे एवं एसबीआई डे के अवसर पर बुधवार को मारवाड़ी युवा मंच, चंदवा शाखा ने चिकित्सा एवं बैंकिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले चिकित्सकों और बैंक अधिकारियों को सम्मानित किया। मंच के सदस्यों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सा प्रभारी डॉ. नीलिमा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज एवं डॉ. रमेश को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद एसबीआई चंदवा शाखा के प्रबंधक प्रकाश चंद्र को भी सम्मानित किया गया। वहीं वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. जे.एन. पंडित को चिकित्सा क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक मानव जीवन की रक्षा करते हैं, जबकि बैंककर्मी आर्थिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। ऐसे कर्मयोगियों का सम्मान समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है। इस अवसर पर मंच के अध्यक्ष विक्रम शर्मा, सचिव सुमित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दीपक अग्रवाल, उपाध्यक्ष रौशन अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अंधविश्वास की भेंट चढ़ा आठ वर्षीय मासूम

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। लावालौंग थाना क्षेत्र के हाहे गांव में अंधविश्वास के कारण एक आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई। सांप के डंसने के बाद समय पर अस्पताल नहीं ले जाकर झाड़-फूंक कराने के कारण मासूम की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी और अंधविश्वास की गंभीर समस्या को एक बार फिर उजागर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, हाहे गांव निवासी दसाय गंझू का आठ वर्षीय पुत्र मनीष कुमार सोमवार देर रात घर में सोया हुआ था। मंगलवार तड़के करीब तीन बजे वह शौच के लिए बाहर निकला। इसी दौरान किसी विषैले सांप ने उसे डंस लिया। घटना के बाद परिजन बच्चे को अस्पताल ले जाने के बजाय गांव के ओझा-गुनी के पास ले गए, जहां काफी देर तक झाड़-फूंक की जाती रही। बाद में ग्रामीणों के कहने पर उसे चतरा सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। हजारीबाग से उसे रांची स्थित रिम्स ले जाने की सलाह दी गई। परिजनों ने बताया कि इसी दौरान किसी व्यक्ति के कहने पर वे बच्चे को रिम्स ले जाने के बजाय लावालौंग प्रखंड के पूर्णाडीह गांव स्थित एक ओझा के पास ले गए, जिसने ठीक करने का दावा किया था। मंगलवार शाम से देर रात तक झाड़-फूंक चलती रही, लेकिन बुधवार तड़के करीब चार बजे बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बच्चे को समय पर रिम्स पहुंचाया जाता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। प्रखंड विकास पदाधिकारी विपिन कुमार भारती ने लोगों से अपील की कि सर्पदंश की स्थिति में किसी भी प्रकार के अंधविश्वास या झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ें। उन्होंने कहा कि पीड़ित को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय उपचार कराना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

रेलवे साइडिंग शुरू होते ही दुवारी में बढ़ा विवाद, रोजगार को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

- झड़प और सड़क जाम के बाद पुलिस ने शुरू की जांच, ग्रामीणों ने भाईचारा बनाए रखने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र की दुवारी पंचायत में कोयला डंपिंग के लिए रेलवे साइडिंग शुरू होने के साथ ही क्षेत्र में रोजगार को लेकर विवाद भी सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि परियोजना से जहां युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं, वहीं वर्चस्व की होड़ के कारण गांव का वर्षों पुराना सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार 27 जून की दोपहर रेलवे साइडिंग से करीब एक किलोमीटर दूर दुवारी बाजार टांड़ में स्थानीय युवाओं और जनप्रतिनिधियों के समर्थक दो गुटों के बीच विवाद हो गया, जो बाद में झड़प में बदल गया। घटना के बाद एक पक्ष ने सड़क जाम कर विरोध जताया, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा।

ग्रामीणों ने बताया कि दुवारी गांव विभिन्न समुदायों और जातियों के लोगों का बड़ा गांव है, जहां लंबे समय से आपसी भाईचारा कायम रहा है।

चलंत लोक अदालत से गांव-गांव पहुंचेगी न्यायिक सेवा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। ग्रामीणों तक न्याय और कानूनी सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) लातेहार ने बुधवार को 'जस्टिस ऑन व्हील्स' (चलंत लोक अदालत) वाहन की शुरुआत की। व्यवहार न्यायालय परिसर से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष शेष नाथ सिंह ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया।

इस अवसर पर शेष नाथ सिंह ने कहा कि न्याय पाना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन जागरूकता के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक लोग अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। चलंत लोक अदालत इस दूरी को कम करने का कार्य करेगी। यह वाहन पूरे जुलाई माह जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों और सुदूरवर्ती गांवों का भ्रमण करेगा।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना तथा विधिक जागरूकता बढ़ाना है। वाहन के साथ विधिक स्वयंसेवकों और कानूनी विशेषज्ञों की टीम रहेगी, जो लोगों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान का प्रयास करेगी। साथ ही छोटे-छोटे विवादों का आपसी समझौते के माध्यम से निपटारा कराने की भी पहल की जाएगी।

डीएलएसए के अनुसार, इस पहल से दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को न्यायिक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी तथा उन्हें समय पर कानूनी परामर्श भी मिल सकेगा। कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय सुनील दत्त द्विवेदी, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (प्रोबेशनरी) दीपक कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विक्रम आनंद, डीएलएसए सचिव शिवम चौरसिया, बार एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार, अधिवक्तागण, पीएलवी तथा न्यायालयकर्मी उपस्थित थे।

पेज एक के शेष

सब रजिस्ट्रार की...

एसपी ने बताया कि इस हत्याकांड में आठ लोग शामिल थे, जिनमें से सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में शामिल संतोष कुमार साव उर्फ पप्पम, रामू साव उर्फ ज्ञानी, शकुंतला देवी, रूबी कुमारी, विनय कुमार, पूजा कुमारी और लक्ष्मी देवी उर्फ डॉली कुमारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक हत्यारोपी विष्णु अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो में यह साफ दिखा कि जमीन विवाद के कारण सभी लोगों ने मिलकर सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या की। वीडियो में किसने ईंट और पत्थर चलाए और किसने लाठी चलाई, सबकुछ रिकॉर्ड हुआ है। विनय कुमार ने बालेश्वर पटेल के सिर पर ईंट से हमला किया था और इसके बाद लाठी-डंडे से इतना मारा कि उनकी मौत हो गई। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने कहा कि हत्याकांड की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एसआईटी) बनाई गई है। इस टीम का नेतृत्व रामगढ़ एसडीपीओ आलोक रंजन कर रहे हैं। साथ ही, इस मामले में दर्ज कांड संख्या 151/26 का अनुसंधानकर्ता मांडू थाना प्रभारी सदानंद को बनाया गया है। जांच में किसी भी तरह की कमी नहीं रहे, इसके लिए पुलिस प्रशासन पहले से ही काफी सतर्कता बरत रहा है। उन्होंने कहा कि हत्या के मामले में जल्द ही चार्जशीट सौंपा जाएगा और अपराधियों को सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। एसपी ने कहा कि इस कांड में कुल 10 लोग अभियुक्त हैं। आठ लोग मौका ए वारदात पर मौजूद थे। प्राथमिकी में हेमंत पांडे और दिनेश्वर साव का भी नाम मौजूद है, जिन पर षड्यंत्र रचने का आरोप है। वे लोग घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। उनकी इस वारदात में क्या संलिप्तता रही है, इसकी जांच चल रही है। एसपी लुनायत ने बताया कि बालेश्वर पटेल ने बलसगरा, हुवाग सियारीटांड़ में दो जमीन खरीदी थी। एक 40 डिसमिल और दूसरा 11 डिसमिल का है। 11 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सब रजिस्टार बालेश्वर पटेल ने महेश प्रसाद से जमीन रजिस्ट्री कराई थी। जिस जमीन की उन्होंने रजिस्ट्री कराई थी, उसी जमीन पर रामू साव उर्फ ज्ञानी अपना मकान बना कर रह रहा था। जमीन पर अवैध कब्जे की वजह से यह विवाद शुरू हुआ और बेहद दुखद घटना घटी।

हाईकोर्ट ने पूर्व...

दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था तथा जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश दिया था। अभियोजन के अनुसार, वर्ष 2013 में खूंटी जिले के तोरपा क्षेत्र में पुलिस मुखबिर होने के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की उनके घर के सामने बने चबूतरे पर अंधाधुंध गोलीबारी कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के संबंध में कर्रा थाना में कांड संख्या 27/2013 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पूर्व विधायक पौलुस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो, पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप एवं अन्य आरोपियों के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने आरोपों के समर्थन में 12 गवाहों के बयान दर्ज कराए, जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया। झारखंड हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद इस बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड में पौलुस सुरीन और जेठा कच्छप को राहत मिल गई है। हालांकि, मामले में अन्य आरोपियों के विरुद्ध न्यायिक प्रक्रिया पूर्व निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुसार जारी रहेगी।

चुट्टूपालू घाटी में...

पहुंचते ही ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित हो गया। इसके बाद ट्रेलर ने अपने सामने चल रहे वाहनों को टक्कर मारना शुरू कर दिया। हादसे में एक यात्री बस (जेएच 02बीक्यू 9799), पांच कारें (जेएच 01बीएक्स 8969, जेएच 01जीपी 2723, जेएच 01एफएफ 3943, जेएच 24एम 9939 और जेएच 01ईएम 1348), दो मोटरसाइकिलें (जेएच 10सीसी 2105 और जेएच 01ईजी 4792) तथा एक कंटेनर (जीजे 01एचटी 2374) क्षतिग्रस्त हो गए। दुर्घटना में बस की महिला यात्रियों सहित कारों और मोटरसाइकिलों पर सवार कई लोग घायल हुए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रामगढ़ सदर अस्पताल तथा शहर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार अधिसंख्य घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-33 पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाने और सड़क को सामान्य करने में पुलिस एवं प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लगभग पांच घंटे तक चुट्टूपालू घाटी में लंबा जाम लगा रहा, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बाद में क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात को धीरे-धीरे सामान्य कराया गया।

सूनी आंखें, कपकपाते हाथ व विज्ञान की उम्मीद : जब गरीब के घर का चूल्हा व अपनों की जान दोनों बचेंगे

- 'टुकुर-टुकुर' देखती बेबस निगाहें व एक्सनोट्रांसप्लांटेशन : एक मरणासन्न पिता व उसका लाचार परिवार
- कॉरपोरेट की तिजोरियां बनाम एम्स की चौखट : कब थमेगी इलाज के अभाव में दम तोड़ते गरीबों की चीख?
- मसीहा जब मशीन बन जाए: एक गरीब की कराह और भविष्य की चिकित्सा

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। सरकारी अस्पताल के एक ठंडे, सीलन भरे गलियारे में लोहे के स्ट्रेचर पर लेटा वह 32 साल का जवान, जो कभी अपने परिवार की रीढ़ था, आज दर्द से कराह रहा है। उसका लिवर व दोनों किडनी जवाब दे चुकी हैं। पेट पानी से फूल चुका है, सांसें उखड़ रही हैं और आँखों में केवल पीलापन व मौत का खौफ है। उसके सिरहाने बैठी उसकी बूढ़ी माँ, फटी हुई साड़ी के पल्लू से अपनी आँखों के आँसू सुखाते हुए भगवान को कोस रही है। पास ही खड़ी उसकी सात साल की बेटी और नौ साल का बेटा, अपनी सूनी व डरी हुई आँखों से 'टुकुर- टुकुर' कभी डॉक्टर को देखते हैं, तो कभी अपने पिता के बेजान होते जा रहे चेहरे को। पत्नी असहाय भाव से दीवार का सहारा लिए खड़ी है, उसकी हताशा इतनी गहरी है कि अब उसकी आँखों से आँसू भी सूख चुके हैं। डॉक्टरों ने कह दिया है—"या तो तुरंत अंग ढूंढो, या इन्हें घर ले जाओ।" यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, यह भारत के हर दूसरे सरकारी अस्पताल में हर रोज दम तोड़ती इंसानियत का कड़वा सच है। एक गरीब परिवार के लिए अंग खराब होने का मतलब सिर्फ एक बीमारी नहीं, बल्कि पूरे परिवार का जिंदा दफन हो जाना है।

जब अपनों को बचाने के लिए खुद को आधा मारना पड़ता है : ऐसी स्थिति में यदि कोई उम्मीद की किरण दिखती भी है, तो वह और भी भयानक होती है। पारंपरिक रूप से, अगर उस जवान पिता को बचाना है, तो उसकी बूढ़ी माँ या उसकी लाचार पत्नी को अपनी एक किडनी दान करनी होगी। सोचिए उस दर्द की गहराई को, जहाँ एक अपनों को बचाने के लिए दूसरे स्वस्थ इंसान को भी आधा अपाहिज होना पड़ता है। और यदि वह अंग दान देने वाला व्यक्ति घर का एकमात्र कमाने वाला हो, तो ऑपरेशन के बाद उसका शरीर भारी काम करने लायक नहीं रहता। नतीजा? बीमारी एक को पकड़ती है, लेकिन पूरा परिवार दाने-दाने को मोहताज होकर सड़क पर आ जाता है।

यहीं पर विज्ञान का वह चमत्कार— **'एक्सनोट्रांसप्लांटेशन' (जेनेटिकली मॉडिफाइड सूअर के अंगों का प्रत्यारोपण)**—एक मसीहा बनकर उभरता है। जब लैब में विशेष रूप से तैयार सूअर की किडनी या लिवर इस मरीज को मिल जाएगी, तो उस बूढ़ी माँ या पत्नी को अपना अंग कटवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। परिवार का कोई भी सदस्य शारीरिक रूप से कमजोर नहीं होगा। सबसे बड़ी बात, इस आधुनिक तकनीक में अंगों के 'रिजेक्शन' का खतरा इतना कम होता है कि ऑपरेशन के बाद मरीज को जीवन भर ली जाने वाली वे बेहद महंगी दवाइयां नहीं खरीदनी पड़ेंगी, जो आज एक आम इंसान को जीते-जी कंगाल बना देती हैं। डरावने और बड़े ऑपरेशन भी तब इतने सुलभ हो जाएंगे कि वे चुनिंदा बड़े डॉक्टरों के एकाधिकार से निकलकर देश के आम सर्जनों के हाथों में होंगे।

प्रतीक्षा का वह अंतहीन व खौफनाक दौर : लेकिन इस उम्मीद के पीछे एक ऐसी हकीकत भी है जो दिल को चीर देती है। विज्ञान कितना भी आगे बढ़ जाए, इस तकनीक को पूरी तरह सुरक्षित होकर भारत के आम अस्पतालों तक पहुँचने में लगभग दसियों साल का लंबा वक्त लगेगा। अब जरा उस मरीज की कल्पना कीजिए जो आज बेड पर पड़ा हर मिनट मौत से जंग लड़ रहा है। उसके लिए 5-7 -10 साल का यह इंतजार किसी अनंत काल जैसा है। वह लाचार परिवार हर रोज सुबह उठकर सोचता है कि क्या आज का सूरज उनके अपनों को देख पाएगा? यह इंतजार उन मजबूर लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जहां इलाज तो सामने दिख रहा है, लेकिन वह इतनी दूर है कि हाथ नहीं पहुंच पा रहा।

पूंजीवाद का गिद्ध और सरकारी एम्स की ढाल : इस मानवीय त्रासदी के बीच सबसे बड़ा पाप तब होता है, जब देश की नीतियां इन लाचारों की चीखों को नजरअंदाज करके स्वास्थ्य व्यवस्था को भी 'अंबानी-अडाणी' जैसे चंद बड़े पूंजीपतियों की तिजोरियों के हवाले करने पर आमादा हो जाती हैं। आज देश में जो एक अजीब सा झक सवार हो गया है कि सब कुछ निजी हाथों में दे दिया जाए, वह इन गरीबों के लिए साक्षात यमराज का रूप है। यदि भारत को वास्तव में अपनी इस मरती हुई आबादी को बचाना है, तो उसे उस अमेरिकी कॉर्पोरेट मॉडल को लात मारनी होगी जहाँ बिना भारी-भरकम बीमा (इंश्योरेंस) के एक गरीब को अस्पताल की सीढ़ियों पर दम तोड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है। भारत को आंख मूंदकर अमेरिका के पीछे भागने के बजाय जर्मनी, जापान व चीन के रास्ते पर चलना होगा।

जर्मनी और जापान जैसे देशों में सरकार हर गरीब और बेरोजगार के इलाज का पूरा खर्च खुद उठाती है। वहाँ स्वास्थ्य कोई धंधा नहीं, बल्कि सरकार की जिम्मेदारी है। चीन ने अपने सरकारी तंत्र को इतना मजबूत किया है कि आज वह इस एडवांस रिसर्च को सीधे सरकारी अस्पतालों के माध्यम से अपनी गरीब जनता तक मुफ्त पहुँचा रहा है। भारत को भी अपनी पूरी ताकत एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों को मजबूत करने में झोंकनी होगी। जब तक यह एडवांस तकनीक सरकारी नियंत्रण में एम्स जैसी संस्थाओं के माध्यम से जमीन पर नहीं उतरेगी, तब तक कॉर्पोरेट के गिद्ध इस बीमारी को भी मुनाफे का जरिया बनाकर गरीब की खाल खींचते रहेंगे। यह सोचने का वक्त आ गया है कि देश की संस्थाएं चंद उद्योगपतियों के और धनी बनने के लिए हैं, या उस तड़पते हुए जवान पिता, उसकी सूनी आँखों से टुकुर-टुकुर देखती मासूम बेटी , बेटा , पत्नी और उसकी सिसकती माँ की जान बचाने के लिए? विज्ञान की इस खोज को गरीबों का हक बनाना ही मानवता की सबसे बड़ी सेवा होगी।

वैश्विक स्वास्थ्य व संसाधन नियंत्रण मॉडल: भारत बनाम दुनिया-

देश / मॉडल	स्वास्थ्य व्यवस्था और गरीब नागरिकों की स्थिति	देश के बुनियादी संसाधनों (पोर्ट, रेलवे, खदान आदि) पर किसका नियंत्रण?	आम जनता पर इसका सीधा असर और हकीकत
जर्मनी व इंग्लैंड (NHS)(जर्मनी बहुत बेहतर)	**पूर्णतः सरकारी/सार्वभौमिक:** इलाज का खर्च सरकार के राष्ट्रीय कोष या अनिवार्य सामाजिक बीमे से आता है। गरीब और बेरोजगार को ₹1 जेब से नहीं देना पड़ता।	**राष्ट्रीय/सार्वजनिक स्वामित्व:** रेलवे, बुनियादी ढांचे और प्रमुख सामाजिक संपत्तियों पर सरकार का कड़ा नियंत्रण और नियमन है।	जनता बिना किसी वित्तीय खौफ के सम्मानजनक जीवन जीती है। स्वास्थ्य और शिक्षा व्यापार नहीं हैं।
जापान	**कठोर सरकारी नियमन:** हर नागरिक बीमे के दायरे में है। दवाओं और इलाजों की कीमतें सरकार तय करती है। गरीब के लिए इलाज लगभग मुफ्त या बेहद न्यूनतम है।	**रणनीतिक सरकारी नियंत्रण:** हालांकि निजी क्षेत्र है, लेकिन रेलवे और सार्वजनिक संपत्तियों पर कड़ा सरकारी नियंत्रण है ताकि आम जनता का शोषण न हो।	दुनिया की सबसे लंबी जीवन प्रत्याशा (Life Expectancy) और न्यूनतम मेडिकल दिवालियापन।
चीन	**सरकारी नेटवर्क:** 95% से अधिक आबादी बुनियादी चिकित्सा बीमा के तहत सुरक्षित है। बड़े क्षेत्रीय अस्पताल सीधे सरकार के फंड से चलते हैं।	**पूर्ण सरकारी/राज्य नियंत्रण:** पोर्ट, रेलवे, खदानें, बैंक और बड़ी यूनिवर्सिटीज पूरी तरह सरकार (State) के अधीन हैं। पूंजीपतियों को हद में रखा जाता है।	आधुनिकतम तकनीक (जैसे जीन एडिटिंग, अंग प्रत्यारोपण) बहुत तेजी से और बेहद कम लागत पर सरकारी अस्पतालों के जरिए आम जनता तक पहुंच रही है।
अमेरिका (पूंजीवादी मॉडल)	**बीमा माफिया का साम्राज्य:** कोई सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज नहीं। अस्पताल और बीमा कंपनियां मिलकर आम आदमी को लूटती हैं। बिना महंगे इंश्योरेंस के इलाज का मतलब है मौत या दिवालियापन।	**कॉर्पोरेट राज:** खदानें, पोर्ट, यूनिवर्सिटीज और यहां तक कि जेलें भी निजी कंपनियों के मुनाफे का जरिया हैं। सब कुछ बाजार के हवाले है।	दुनिया का सबसे महंगा लेकिन आम आदमी के लिए सबसे क्रूर मॉडल। इलाज के कर्ज के कारण हर साल लाखों लोग सड़क पर आ जाते हैं।
भारत (वर्तमान 'घालमेल' या क्रोनी मॉडल)	**दोहरी मार और बदहाली:** सरकारी अस्पतालों (जैसे एम्स) पर भारी दबाव और बजट की कमी। दूसरी तरफ, निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों की खुली लूट, जो अब अमेरिकी राह पर बढ़ रही है।	**तेजी से निजीकरण (अंबानी-अडाणी मॉडल):** देश के महत्वपूर्ण **पोर्ट (बंदरगाह), रेलवे स्टेशन, कोयला व बिजली खदानें, हवाई अड्डे, और बड़ी यूनिवर्सिटीज** धीरे-धीरे चुनिंदा पूंजीपतियों को सौंपे जा रहे हैं।	**भयानक असमानता:** गरीब और मध्यम वर्ग इलाज और पढ़ाई के लिए जमीन-जेवर बेचने को मजबूर है। देश की पूरी संपत्ति चंद सेठों के हाथों में सिमट रही है, जिससे आम आदमी पूरी तरह असहाय हो चुका है।

इस 'घालमेल मॉडल' का आम आदमी पर सीधा और जानलेवा हमला

जब देश के बंदरगाह, खदानें और रेलवे जैसी जीवन रेखाएं चंद उद्योगपतियों के हवाले कर दी जाती हैं, तो सरकार केवल एक मूकदर्शक बनकर रह जाती है। इसका सबसे खतरनाक असर चिकित्सा और शिक्षा पर भी पड़ रहा है।

1. बीमा माफिया का जाल: जब सरकार अपने अस्पतालों को मजबूत करने के बजाय 'निजी बीमा' ((इंश्योरेंस) आधारित मॉडल को बढ़ावा देती है, तो वह सीधे तौर पर गरीब को कारपोरेट के जाल में धकेलती है। ये बीमा कंपनियां क्लेम पास करने के समय हजार बहाने बनाकर हाथ खड़े कर देती हैं, और मरीज अस्पताल के बेड पर दम तोड़ देता है।

2. एम्स जैसी संस्थाओं का दम घोंटना: जब सरकारी बजट का एक बड़ा हिस्सा इन पूंजीपतियों को सब्सिडी और टैक्स माफी के रूप में दे दिया जाता है, तो एम्स व राजकीय मेडिकल कॉलेजों के पास नई तकनीकों (जैसे सूअर के अंग प्रत्यारोपण या कैंसर की आधुनिक जेनेरिक दवाएं) के रिसर्च के लिए पैसा ही नहीं बचता।

3. रोजगार व इलाज दोनों का छीनना: एक गरीब या बेरोजगार व्यक्ति, जिसकी सूनी आंखें अपने मरणासन्न प्रियजन को देखकर 'टुकुर-टुकुर' रोती हैं, वह इस घालमेल मॉडल में कहीं नहीं ठहरता। निजी अस्पताल उसे तब तक अंदर नहीं घुसने देते जब तक उसकी जेब में लाखों रुपए या किसी बड़ी कंपनी का कार्ड न हो।

सच्चाई यही है: यदि भारत को इस भयानक मानवीय त्रासदी से बचना है, तो उसे अमेरिका के इस फेल और क्रूर मॉडल की नकल बंद करनी होगी। जब तक जल, जंगल, जमीन, पोर्ट व अस्पताल सरकार के पास नहीं होंगे, तब तक देश की बहुसंख्यक गरीब जनता को न तो न्याय मिलेगा और न ही जीने का हक। विज्ञान के सारे चमत्कार तब सिर्फ इन चंद उद्योगपतियों के महलों की शोभा बढ़ाएंगे, और गरीब का बच्चा अस्पताल की चौखट पर सिर्फ सिसकते हुए अपने पिता , माता , परिजन को तड़पते हुए ,तिल - तिल मरते हुए देखने के लिए मजबूर रहेगा।

फ्रांस ने ईरान विरोधी रैली पर रोक लगाई

एजेंसी । पेरिस

फ्रांस ने राजधानी पेरिस में प्रस्तावित ईरान विरोधी रैली पर सुरक्षा कारणों से रोक लगा दी है। यह कार्यक्रम ईरान विरोधी संगठन नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस' (एनसीआरआई) की राजनीतिक शाखा द्वारा आयोजित किया जा रहा था लेकिन इसे शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही रद्द कर दिया गया।

ईरान की सरकारी समाचार मीडिया संगठन प्रेस टीवी के अनुसार फ्रांसीसी पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि देश-विदेश में बढ़ते तनाव के बीच इस कार्यक्रम से सुरक्षा जोखिम और हिंसा भड़कने का अंदेशा है। अधिकारियों ने कहा कि हालात "अस्थिर और संवेदनशील" हैं इसलिए रैली की अनुमति नहीं दी जा सकती। एनसीआरआई को ईरान समर्थित संगठन पीपल्स मुजाहिदीन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ ईरान (पीएमओआई/एमकेओ) की राजनीतिक शाखा माना जाता है। ईरान सरकार ने इस संगठन को लंबे समय से आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया हुआ है। सुरक्षा रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे रेजा पहलवी के राजशाही समर्थक समूह और पीएमओआई समर्थकों के बीच तनाव बढ़ रहा था। खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई कि यह टकराव हिंसक झड़पों में बदल सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया गतिविधियों और वीडियो में हथियारों के प्रदर्शन और धमकियों का भी उल्लेख था, जिसमें प्रदर्शन को रोकने या निशाना बनाने जैसी बातें सामने आईं। इसी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हस्तक्षेप करते हुए कार्यक्रम पर रोक लगाने का फैसला लिया।

वेनेजुएला में भारतीय नाविक की हुई थी मौत नहीं मिले कई अंग

- परिवार ने उठाई जांच की मांग

नई दिल्ली । वेनेजुएला में हृदयाघात की वजह से भारतीय नाविक की मई महीने में मौत हो गई थी। अब नाविक के परिवार ने ऑटोप्सी रिपोर्ट के आधार पर दावा किया है कि मृतक के दिमाग, दिल और फेफड़े समेत कई अंग गायब थे। ये बात सामने आने के बाद, 'फेडरेशन ऑफ सीफेरर्स यूनियंस ऑफ इंडिया' (एफएसयूआई) ने उनकी मौत के हालात की पूरी जांच की मांग की है। ये आरोप तब सामने आए जब उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले 33 वर्षीय राकेश चौहान के शव का भारत में दोबारा पोस्टमार्टम (री-ऑटोप्सी) किया गया।

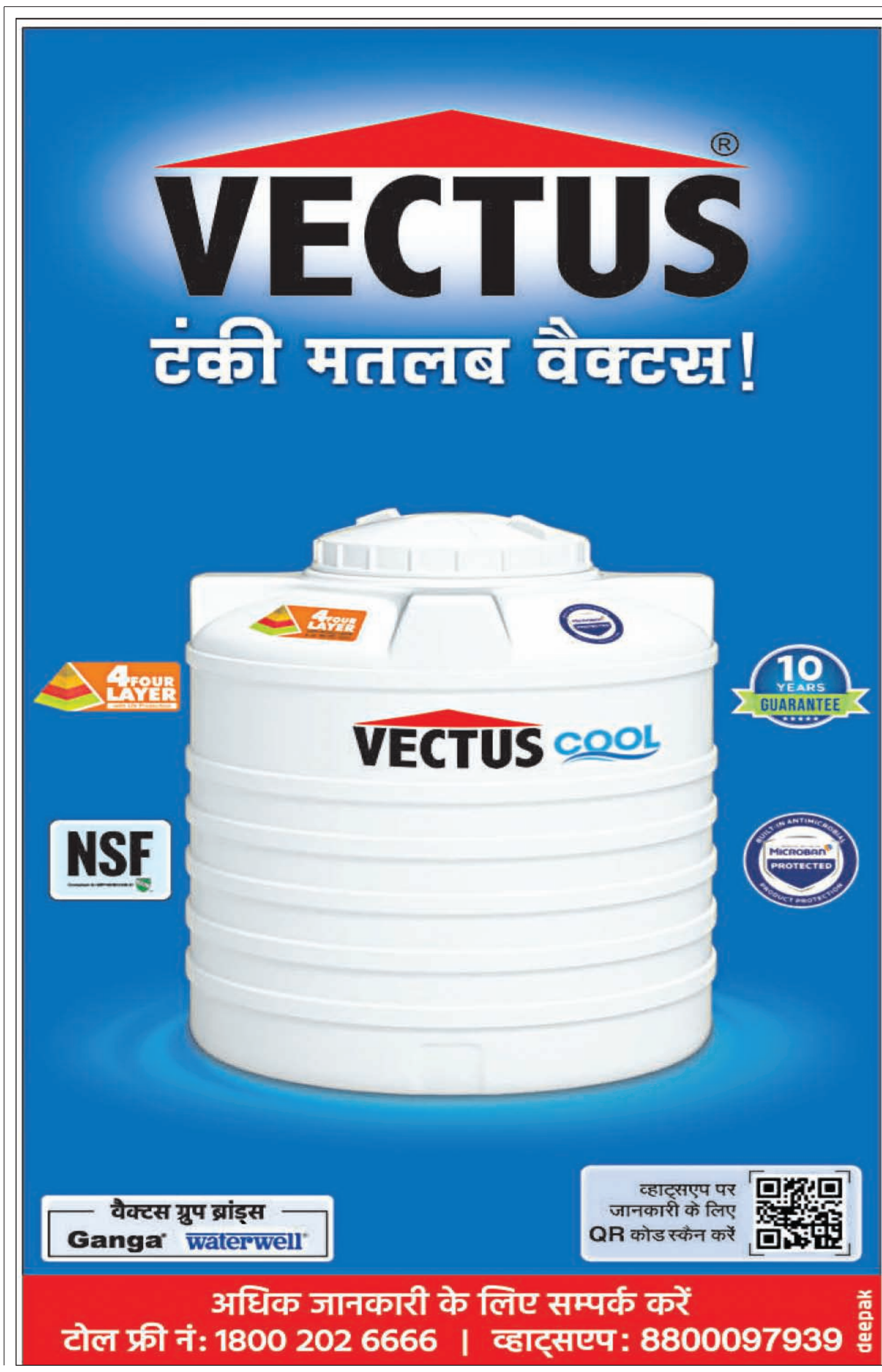

वित्त मंत्री सीतारमण ने की फ्रांस दौरे की शुरुआत

आर्थिक व निवेश संबंधों को नई मजबूती देने पर रहेगा फोकस

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक निवेशकों से होंगी मुलाकात

- वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से अलग-अलग बैठकें
- उद्योगपतियों के साथ गोलमेज चर्चा में निवेश अवसरों पर संवाद
- नई मध्यम वर्गीय आबादी के विकास विषय पर पैनल चर्चा में भाग लेंगी।
- यूरोप के प्रतिष्ठित आर्थिक नीति सम्मेलन में भारत का पक्ष रखेंगी

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को फ्रांस के आधिकारिक दौरे की शुरुआत की, जहां वह भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, आर्थिक सहयोग को गहरा करने और निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लेंगी। इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम फ्रांस के ऐक्स-एन-प्रोवेंस में आयोजित होने वाला भारत-फ्रांस आर्थिक एवं वित्तीय संवाद (ईएफडी) होगा। इस बैठक की सह-अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त, औद्योगिक ऊर्जा और डिजिटल संप्रभुता मंत्री रोलैंड लेस्क्योर करेंगे। इस संवाद के दौरान दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के नए अवसरों की तलाश करेंगे और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। फ्रांस प्रवास के दौरान वित्त मंत्री कई वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ अलग-अलग बैठकें भी करेंगी।

इसके अलावा वह शीर्ष उद्योगपतियों के साथ एक गोलमेज चर्चा (राउंडटेबल) में भी हिस्सा लेंगी। इन बैठकों में भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधार, बढ़ते निवेश अवसरों और दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं को वैश्विक निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। निर्मला सीतारमण 'नई मध्यम वर्गीय आबादी के विकास को कैसे बढ़ावा दिया जाए' विषय पर आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा में भी भाग लेंगी। यह चर्चा लेस रेनकॉन्ट्रेंस इकोनॉमिक्स डी'ऐक्स-एन-प्रोवेंस के तहत आयोजित होगी, जिसे यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक आर्थिक और सार्वजनिक नीति मंचों में से एक माना जाता है। इस सम्मेलन का आयोजन ले सर्कल डेस इकोनॉमिस्ट्स द्वारा किया जाता है, जिसमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, केंद्रीय बैंक प्रमुख, उद्योगपति, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करते हैं।